The Gazette o

PUBLISHED BY AUTHORITY

नई विल्ली, शमिवार, जनवरी 13, 1979 (पौष 23, 1900) सं0 2 NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 13, 1979 (PAUSA 23, 1900) No. 21

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह असग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

माग 111-वण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्य न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसचनाएं (Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India

प्रवर्तन निदेशालय

विदेशी मद्रा विनियमन अधिनियम

नई दिल्ली-1, दिनांक 8 दिसम्बर 1978

सं ए-11/24/73---श्री डी॰ अधिकारी, प्रवर्तन निदेशालय, कलकत्ता क्षेत्रीय कार्यालय को इसके द्वारा इस निदेशालय के कालीकट उप-क्षेत्रीय कार्यालय में दिनांक 15-11-78 (पूर्वाह्न) से प्रगले श्रादेशों तक के लिए मुख्य प्रवर्तन श्रधिकारी के पद पर स्थानापन्न के रूप में नियुक्त किया जाता है।

> एस० डी० मनचन्दा, निदेशक

मुद्रण निवेशालय

नई दिल्ली, तारीख 21 दिसम्बर 1978

एच (6)/प्रशासन-II---मुद्रण निदेशक ने श्री आर० एन० हुजेला, वरिष्ठ क्लाकार (स्थानापन वरिष्ठ क्लाकार प्रभारी. भारत सरकार मुद्रणालय, मिण्टो रोड, नई दिल्ली) को 21-11-78 के पूर्वीहन से अगले आदेश होने तक भारत सरकार 1-416GI/78

मुद्रणालय, फरीदाबाद में टाइप मज्जा कलाकार के पद पर म्थापन्न रूप में नियक्त किया है।

> पी० बी० कुलकर्णी, संयुक्त निदेशक (प्रशासन)

गृह मन्त्रालय

नई दिल्ली-110 001, विनांक दिसम्बर 1978

सं० 1-9/78-सी ० एफ ० एस ० एल ० / पर्स / १ 4 2 0-- गृह मन्त्रालय की अधिसूचना सं० 1-9/78-सी० एफ० एस० एल०/पर्स दिनांक 9 श्रगस्त, 1978 के कम में राष्ट्रपति, केन्द्रीय न्याय-वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला के वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक श्री एस० सी० मिल्ल (प्रलेख) को 14 विसम्बर, 1978 (पूर्वाह्म) से केन्द्रीय अन्वेषण न्यूरो, नई दिल्ली का केन्द्रीय न्याय-वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला में वरिष्ठ वैज्ञानिक स्रधिकारी (प्रलेख) के पद पर तदर्थआधार पर छ: (६) माह ग्रीर या पद के स्थाई रूपमे भरने तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

> के० के० पुरी, उप निदेशक (प्रशासन) केन्द्रीय भ्रन्वेषण

महानिदेशालय, कंन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली-110001, दिनांक 22 दिसम्बर 1978

सं० श्री० दो०-900/76-स्थापना--श्री बी० एस० राना, कार्यालय श्रधिक्षक को महानिदेशासय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में तदर्थ रूप में दिनांक 12-12-78 (पूर्वाह्न) से श्रनुभाग श्रधिकारी के पद पर पदोन्नत किया जाता है।

मं० डी० एफ० 15/78-स्थापना—श्री ए० रिवन्द्रन, श्रनुभाग ग्रिधकारी, महानिदेणालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस की सेवायें उनके श्राजित श्रवकाण दिनांक 12-12-78 से 17-12-78 तक तथा इस छुट्टी के साथ द्वितीय णनिवार, रिववार तथा राजपतित छुट्टी दिनांक 9-12-78, 10-12-78 तथा 11-12-78 की श्रनुमित की समाप्ति पर दिनांक 18-12-78 से गृह मन्त्रालय को वापिस सौंप दी गई हैं।

ए० के० बन्दोपाध्याय महायक निदेशक (प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय केन्द्रीय श्रौद्योगिक सुरक्षा बल नई दिल्ली-19, दिनांक 18 दिसम्बर 1978

सं० ई-38013(2)/1/78-कार्मिक हैदराबाद में स्थानांतरित होने पर श्री बी० के० देउस्कर, श्राई पी० एस० (मध्य प्रदेश-65) ने दिनांक 25 नवम्बर, 1978 के श्रपराह्म से के० ग्री० सु० ब० यूनिट बी० एस० एल० बोकारो के कमां- डेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया श्रीर उन्होंने 1 विसम्बर, 1978 के पूर्वाह्म से के० ग्री० सु० ब० प्रणिक्षण कालेज, हैदराबाद के प्रधानाचार्य पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

द्यार० सी० गोपाल महानिरीक्षक

अम मंद्रालय (अम स्यूरो)

शिमला-171004, विनांक 2 विसम्बर 1978 तं॰ 23/3/78-सी॰ पी॰ आई०---नवम्बर, 1978 में बौद्योगिक श्रमिकों का अखिल मारतीय अपभोक्ता मृष्य सूथकोक (आधार वर्ष 1960-100) अल्सूबर, 1978 के स्तर 340 (तीन सौ वालीस) पर स्थिर रहा 1 नवम्बर, 1978 माह का सूथकांक आधार वर्ष 1949=100 पर परिवर्तित किए जाने पर 413 (वार सौ तेरह) बाता है।

जितन्द्र नाथ शर्मा उप **निवेशक**

वित्त मन्द्रालय (ध्रर्थ कार्य-विभाग) भारत प्रतिभूमि मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनोक 12 दिसम्बर 1978

सं ० 1436/ए० — मैं, श्री सत्य भूषण, अनुभाग अधिकारी, पूर्ति विभाग, नई दिल्ली, को प्रणासन श्रधिकारी के रूप में, भारत प्रतिभूति मुद्रणालय में 12-12-78 के पूर्वाह्म से 3 साल के लिए प्रतिनियुक्ति शर्ती पर नियुक्त करता हूं।

> डी०सी० मुखर्जी, महा प्रबन्धक

बैंक नोट मुद्रणालय

देवाम, दिनांक 19 दिसम्बर 1978

मं० वी०एन०पी०/सी/5/78—श्री गेन्दालाल डामोर स्थायी नियन्त्रण निरीक्षक, बैंक नोट मुद्रणालय, देवास को रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में इसी मुद्रणालय में उप-नियन्त्रण श्रिधकारी (समूह 'ख' राजपितत) के पद पर दिनांक 19-12-78 (पूर्वाह्न) से 4 माह की लघु-श्रविध के लिए तवर्ष श्राधार पर नियुक्त किया जाता है।

> पी० एस० शिवराम, महा प्रबन्धक

भारत माकार टक्साल

कलकत्ता-53, दिनांक 16 दिसम्बर 1978

सं० पी०-106/12985---भारत सरकार तक्साल, ग्रलीपुर, कलकत्ता के स्थायी उप-लेखाकार श्री टी० जटजी को इस टक्साल के लेखा प्रधिकारी के पत पर तवर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप में वेतन नियमानुसार राशि 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 रुपये के वेतनमान में दिनांक 18-12-78 से 13-1-79 के ग्रवधि तक के लिए नियुक्त किया जाता है। यह नियुक्ति इसी टक्साल के स्थायी लेखा ग्रधिकारी श्री जे० पी० जोर्ज के उक्त ग्रवधि के लिए छुट्टी पर रवाना होने के कारण उनके रिक्त पद पर की गई है।

बी० एम० मिस्त्नी, टक्साल ग्रधिकर्ता

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय

नई विल्ली-110002, विनांष 18 विसम्बर 1978

मं० 1668-सी० ए०-1/20-77—भारत सरफार, वित्त मन्झालय द्वारा श्री पी० सी० गुप्त, लेखापरीक्षा श्रिधकारी (वाणिज्यिक), भारतीय ब्रास एवं फार्मेस्यूटिकल्स लि०, नई दिल्ली में तारीखा 13-4-78 से स्थायी रूप से खपाया जाना संस्थीकृत किए जाने पर, सरकारी सेवा से उसी तारीख से सेवा-मुक्त हो गए।

> एम० एस० ग्रोवर, उप निदेणक (वा०)

कार्यालय महालेखाकार, प्रथम, पश्चिम बंगाल

फलकत्ता-70001, दिनांक 15 दिसम्बर 1978

कार्यालय भ्रादेण (प्रणा० श्रूं०) सं०-प्रणा० 1/1038-XV/367—महालेखाकार प्रथम, पश्चिम बंगाल ने निम्न लिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को अस्थायी और स्थानापन्न लेखा प्रधिकारी के पद पर निम्नलिखित तिथि या उनके द्वारा लेखा अधिकारों के रूप में इस कार्यालय में वास्तव में कार्यभार ग्रहण करने की तिथि/ तिथियों में से जो बाद में पड़े, से बहाली करने की कुपा की है।

सर्वश्री

- 1. नरेश्वर चक्रवर्ती 15-12-78 पूर्वाह्न से
- 2. श्रनिल कुमार मंडल 15-12-78, पूर्वाह्म से

लेखा प्रधिकारियों के पारस्परिक वरिष्ठसा की घोषणा यथा समय की जाएगी।

> पी० के० बन्धोपाध्याय, वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्र०)

कार्यालय: मुख्य लेखा परीक्षक डाक-तार दिल्ली-110054, दिनांक दिसम्बर 1978

सं० का० म्रा०/प्रणासन-5/395/23 (ए) (2) /म्रिधसूचनाऐं — गाखा लेखा परीक्षा कार्यालय कलकत्ता के स्थानापन्नधिकारी श्री एस० म्रार० राय चौधरी 31-10-1978 (भ्रपराह्न) से निवर्तन परसेवा निवृत्त हो गए हैं।

एस० ऋष्णन, वरिष्ठ उप मुख्य लेखा परीक्षक (मुख्यालय)

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियंत्रक नई विल्ली-110022, विनांक 18 दिसम्बर 1978

सं० 68012-ए० (5)/78/प्रशा०-II--राष्ट्रपति, निम्त-लिखित स्थायी लेखा-प्रधिकारियों को, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के नियमित संवर्ग के कनिष्ठ समय-मान (रुपये 700-1300) में स्थानापन्न के रूप में कार्य करने के लिए उनके सामने दर्शायी गई तारीख से प्रागामी श्रादेश पर्यन्त, गहर्षे नियुक्त करते हैं।

क्रमसं० नाम				पदोन्नति की तारीख
सर्वश्री				
1. वी० वेंकटेशन	•	•	•	2-11-78 (पूर्वाह्म)
2. शान्ति स्वरूप धर्मा		•		26-10-78 (पूर्वाह्न)
3. हरबंश लाल ग्रानन्द		•	•	30-10-78 (पूर्वाह्न)
4. सस्य प्रकाण बहल	•	•	•	20-10-78 (पूर्वाह्न)
5. सतपाल सहगल	•	•		30-10-78 (पूर्वाह्न)
 ए० बी० प्रकाशम 	•	,	•	23-10-78 (पूर्वाह्म)
7. ग्रार० के० रैना	•	•		10-11 - 78 (पूह्नि)्र
8. के ० एस० प्र कणाचल	ा म		٠	4-11-78 (पूर्वाह्न)
9. एन० सोमा सुन्दरम		,	•	23-10-78 (पूर्वाह्स)

दिनांक 21 दिसम्बर 1978

सं० 18259/प्रशा० II—58 वर्ष की श्रायु प्राप्त कर लेने पर श्री बी० डी० नर्शसम्हन, रक्षा लेखा उप नियंत्रक को दिनांक 31-7-1979 (ग्रपराह्म) से पेंशन स्थापना, को श्रन्तरित कर दिया जाएगा ग्रीर तदनुसार वे रक्षा लेखा विभाग की नफरी पर नहीं रहेंगे।

सं 18336/प्रणा ा II — 58 वर्ष की प्रायु प्राप्त कर लेने पर श्री एस० ग्रार० पंचनाथन् रक्षा लेखा सहायक नियंत्रक को दिनांक 30-6-1979 (ग्रपराह्म) से पेंशन स्थापना को ग्रन्तरित कर दिया जाएगा ग्रौर तदनुसार वे रक्षा विभाग की नफरी पर नहीं रहेंगे।

> ग्रार० एल० बख्शी, रक्षा लेखा ग्रपर महा नियंत्रक (प्रशा०)

रक्षा मन्त्रालय

भारतीय भ्रार्डनेन्स फैक्टरियां सेवा महानिदेशालय, भ्रार्डनेन्स फैक्टरियां कलकत्ता, विनांक 18 विसम्बर 1978

सं० 91/78/जी०—-बार्धक्य निवृत्ति ग्रायु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री टी० के० सैन, स्थानापन्न सहायक प्रश्नचक (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन), दिनांक 28-2-1978 (ग्रपराह्म) से सेवा निवृत्त हुए।

बी० के० मेहता सहायक महानिदेशक आर्डनेन्स फैक्टरियां

वाणिज्य, सिविल रसद श्रौर सहकारी मन्त्रालय (वाणिज्य विभाग)

कण्डला मुक्त व्यापार श्रेत प्रशासन गांधीधाम (कण्ड), दिनांक 18 दिसम्बर 1978

सं० एफ० टी० जेड०/प्रणासन/7/2/74/14350— विकास ग्रायुक्त, कण्डला मुक्त व्यापार क्षेत्र गांधीधाम — कच्छ सीमा शुल्क समाहर्ता मद्रास के परीक्षक श्री जी० मोहन सिंह को शुरूक निर्धारक, कण्डला मुक्त व्यापार क्षेत्र-गांधीधाम जिनका वेतनमान ६० 650-30-740-35-810-ईबी-35-880-40-1000-ईबी-40-1200 है, प्रति नियुक्ति की सामान्य शर्तो पर वित्त मन्त्रालय के श्राधार पर जैसा कि समय समय पर संशोधन हुश्रा है दिनांक 16-10-78 के सुबह से नियुक्त करते हैं।

सं० एफ० टी० जेड/प्रशासन/7/2/74/14355--विकास श्रायुक्स, कण्डला मुक्त व्यापार क्षेत्र, गांधीधाम-कच्छ
केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्ता, श्रहमदाबाद के स्थापनापन
प्रधीक्षक श्री एच० एम० वछराजानी को सुरक्षा श्रधकारी
काण्डला मुक्त व्यापार क्षेत्र, गांधीधाम, जिसका वेतनमान ६०
840-40-1000-ई०बी०-40-1200 है प्रतिनियुक्ति की
सामान्य शतौ पर विक्त मन्त्रालय के श्राधार पर जैसा कि समय
समय पर संशोधन हुश्रा है दिनांक 3-10-78 के सुबह से नियुक्त
करते हैं।

निरजन सिंह विकास **प्रायुक्त** कण्डला मुक्त <mark>ध्यापार क्षेत्र</mark>

उद्योग मन्त्रालय

श्रीद्योगिक विकास विभाग

वस्त्र श्रायुक्त का कार्यालय

वम्बई-400020, दिनांक 16 दिसम्बर 1978

सं० 18 (1) 77-सी० एल० बी० II—-अस्त्र (शक्ति-चालित करघों द्वारा उत्पादन) नियंत्रण भ्रादेश, 1956 के खंड II में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्दारा बस्त श्रायुक्त की श्रिधसूचना सं० टीं० सी० (32-ए) 59 दिनांक 16 मार्च 1959 में निम्नलिखित श्रितिरिक्त संशोधन करता हूं, श्रिर्थान्:

उथरा श्रिधसूचना से संलग्न सारणी में क्रम संख्या 13 के सामने स्तम्भ 1.2 और 3 में विद्यमान प्रविष्टियों के म्थान पर निम्निलिखिस प्रतिस्थापित की जाएगी, श्रर्थात् :

1	2	3	
"13 (1)	सरकार के सचिव उद्योग विभाग	<u> </u>	
(2)	निदेशक, हाथ करघा स्रौर वस्त्र,		
	मद्रास		
(3)	संयुक्त निदेशक हाथ करघा ग्रीर		
	वस्त्र, निदेशक हाथ करवा ग्रीर		
	वस्त्र का कार्यालय, मद्रास	ı	
(4)	उप निवेशक ो निवेशक हाथ		
, ,	(वस्त्र) करघा श्रौर		
(5)	महायक निदेशक वस्त्र का	j	
•	(वस्त्न) कार्यालय	[
(6)	सहायक निदेशक मद्रास		
	(शक्ति-चालित तिमलनाड्]	
	करघे)	l I	
(7)	मंडलों में सभी सहायक निदेशक.	hou	
	हाथ कर धा ग्रीर वस् व	नमिलनाड्	
(8)	्वस्त्र नियंत्रण श्रधिकारीगण 📄 मंडलो के	3	
(9)	हाथ करघा श्रधिकारीगण सहायक	ŀ	
(10)	हाथ करघा निरीक्षकगण 📗 निदेशक	į	
(11)	वस्त्र निरीक्षकगण हाथकरघ		
(12)	कनिष्ठ टेकनीकल ग्रीर वस्त		
	सहायकगण ेके मात हर	r	
(13)	राजस्य विभाग के श्रधिकारीगण जो		
	राजस्व निरीक्षक की श्रेणी से नीचे		
	न हों।		
(14)	वाणिज्य-कर विभाग क ग्रधिकारीगण		
	जो सहायक वाणिज्य-कर ग्रधिकारी		
, ,	की श्रेणी से नीचे न हों।		
(15)	पुलिस म्रौर उत्पाद शुल्क विभाग के		
	श्रिधिकारीगण जो उप-		
	निरीक्षक की श्रेणी से नीचे न हों	j	

गौरी शंकर भार्गव, संयुक्त वस्त्र श्रायुक्त

वम्बई-20, विनांक 22 दिसम्बर 1978

सं० ई० एस० टी० 1-2 (682)/4199—वस्त्र भ्रायुक्त कार्यालय बम्बई के सहायक निवेशक विसीय श्रेणी (नान-टेक्नीकल) श्री, वल्लीयात मदाथील सुकूमारन सेवानिवृत्ति की भ्रायु प्राप्त कर लेने पर 30 नवम्बर 1978 के भ्रपराह्म में मेवानिवृत्त हो गए।

> नरेन्द्र नाथ गौतम उपनिदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन ग्रनुभाग-1)

नई विल्ली, विनांक 20 दिसम्बर 1978

मं० प्र०-1/1 (245)—पूर्ति तथा निपटान महानिदेणालय, नई दिल्ली में स्थानापन्न सहायक निदेशक (ग्रेड II) श्री एच० डी॰ कर्मचन्दानी दिनांक 30-11-78 के श्रपराह्न से निवर्तणन श्रायु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

सूर्य प्रकाश उप निदेशक (प्रशासन) **कृते** महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

इस्पात श्रोर खान मन्द्रालय (खान विभाग)

भारतीय भवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांकः 19 विसम्बर 1978

सं० 9592 डी/2181(1) वी/19बी—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेणक भारतीय भूवैज्ञानिक सबक्षण के निम्न-लिखित श्रिधकारियों को महायक रसायनज्ञ के पद पर पदोन्नित की तदर्थ नियुक्ति को 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के बेतनमान में, प्रत्येक के सामने दर्शाई गयी तिथि से, नियमित कर रहे हैं:——

कसं० नाम			नियमित नियुक्ति- तिथि
1. श्री भार० एल० ग्रथ्यर			23-5-77
 डा॰ ए० के॰ सान्याल 			2-6-1977
 श्रीपी०के०दत्ता 	,		11-5-77
4. श्री एस० मंड ल .			16-5-77
5. श्री ए०डी० पेशवा			30 ~5- 77
 श्री टी० एन० वास 		•	6-10-78
7. श्रीबी०बी०दे .			6-10 - 78
8. श्री बी० भ्रार० दास	•	•	6-10-78
 श्री रणदेव दत्त 			6-10-78
10. श्री ए० के० चक्रवर्ती		•	6-10-78
11. श्री एस० बी० दास		·	6-10-78
12. श्री शेखर मल्लिक			6-10-78
13. श्री वी० वेंकटाचलम			6-10-78

वी० एस० कृष्णस्वामी महा निदेशक

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, विनांक 19 दिसम्बर 1978

सं० ए-19011 (102)/78 स्था० ए०—भारतीय खान ब्यूरो के श्री ए० एस० भल्ला वरिष्ट तकनीकी सहायक (सांख्यिकी) को दिनांक 17-11-78 के अपराह्म से उसी विभाग में स्थानापन्न खनिज अधिकारी (सांख्यिकी) के रूप में पदोन्नति प्रदान की जाती है। उनकी यह पदोन्नति श्रीपी० आर० सरकार खनिज अधिकारी (सां०) के दिनांक 3-10-78 से 20 सप्ताह के लिए भारतीय सांख्यिकी संस्थान, कलकत्ता में प्रशिक्षण हेतु, जाने के कारण हई रिक्ति के फलस्वरूप की गई है।

एस० बालगोपाल कार्यालय ग्रध्यक्ष भरतीय खान ब्यूरो

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

देहरादून, दिनांक 21 दिसम्बर 1978

मं० सी-5447/707—निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नाम के मामने दी गई तारीख में भारतीय सर्वेक्षण विभाग में अधिकारी सर्वेक्षक (ग्रुप 'बी' पद) के पद्पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में पूर्णतः तदर्थ आधार पर अनन्तिम रूप में नियुक्त किया जाता है:—

ऋम सं० नाम श्रौर पद	यूनिट/कार्यालय	स	लागू
 श्री			
 सुरेन्द्र हेमब्राम 	स० 18 पार्टी	16	ग्रक्तूबर
सर्वेक्षक सिले० ग्रेड	(पू०स०)	1978	(पूर्वाह्न)
2. एम० एल० छाबड़ा	सं० 79 (फोटो)	30 3	प्रभन्त्वर
सर्वेक्षक सिले० ग्रेड	पार्टी	1978	
	(पश्चिमोत्तर स०)		(पूर्वाह्म)
 जीवन सिंह तोमर 	सं० 5 पार्टी	6 नवर	बर 1978
सर्वेक्षक सिले० ग्रेड	(पूर्वोत्तर स०)		(पूर्वाह्न)
	णिलांग		
4. श्री मनोहर लाल	ज्योडीय एवं	6 नव	चर 1978
ज्योडीय संगणक सिले	• ग्रनु सन्धान		(पूर्वाह्म)
ग्रेड	शाखा, देहराषून		
5. श्री एम० एस० रायत	सं० 26 (फोटो)	7 नव	म्बर,
सर्वेक्षक मिले० ग्रेड	पार्टी (उ० स०)	1978	(पूर्वाह्न)
	देहरायून		
 श्री तेजा सिंह, 	सं० 79(फोटो)	13 न	बम्बर
मर्वेक्षक मिले० ग्रेड	पार्टी	1978	३ (पूर्वाह्न)
	(पश्चिमोत्तर स०)		
	देहरादून		

सं० सी-5449/718-ए---श्री यू० एस० श्रीवास्तव, स्थानापन्न प्रधीक्षक महासर्वेक्षक के कार्यालय, को श्री ए० के० दास शर्मा, स्थापना एवं लेखा प्रधिकारी की जगह स्थापना एवं लेखा प्रधिकारी की जगह स्थापना एवं लेखा ग्रधिकारी (सा० सि० सेवा प्रुप 'बी') के पद पर 27 नवम्बर 1978 (पूर्वाह्न) से 840-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में 840 रु० प्रतिमाह पर तदर्थ ग्राधार पर नियुक्त किया जाता है। श्री ए० के० दास शर्मा स्थापना एवं लेखा ग्रधिकारी 27-11-78 से 60 दिन की छुट्टी पर गए हैं।

सं० सी-5450/718-ए--श्री लक्ष्मी चन्द्र, स्थानापन्न प्रधीक्षक्र, महासर्वेक्षक के कार्यालय, को 27 नवस्वर, 1978 (पूर्वाह्न) से श्री सी० एम० सक्सेना, स्थापना एवं लेखा ग्रधिकारी, जो 27-11-78 से 12 दिन की छुट्टी पर गए हैं तथा उसके बाद श्री एस० डी० करारिया, स्थापना एवं लेखा ग्रधिकारी जो 11-12-78 से 33 दिन की छुट्टी पर जा रहे हैं के स्थान पर मानचित्र प्रकाशन निदेशालय भारतीय सर्वेक्षण विभाग, देहरादून में स्थापना एवं लेखा ग्रधिकारी (सा० सि० सेवा ग्रुप 'बी' पद) के पद पर 840-40-1000-द० रो०-40-1200 र० के वेतनमान में 840 र० प्रति माह पर तदर्थ ग्राधार पर नियुक्त किया जाता है।

सं० सी-5451/718-ए—-श्री मनोहर लाल, स्थानापन्न प्रधीक्षक, महासर्वेक्षक का कार्यालय को, 30 नवम्बर, 1978 (पूर्वाह्न) से 104 प्रिटिंग ग्रुप हैदराबाद में निज्ञान एवं प्रौद्यो-गिकी विभाग के पत्र संख्या 18-26/78-एस० एम० पी०-1 डी० श्रो० 2 (1) दिनांक 21-10-78 द्वारा स्वीकृत स्थापना एवं लेखा श्रिष्ठकारी के नए पद पर स्थापना एवं लेखाधिकारी (सा० सि० से० ग्रुप 'बी' पद) के रूप में 840-406-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में 840/- रु० प्रतिमाह पर तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया जाता है।

के० एल० खोसला, मेजर-जनरल भारत के महासर्वेक्षक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (स्टोर श्रनुभाग)

्रनई दिल्ली, दिनांक 19 दिसम्बर 1978

सं० ए० 12026/8/78-एस० ग्राई०---राष्ट्रपति ने वरिष्ठ लेखा ग्रिधकारी (डब्स्यू०एण्ड एस०) हुबसी के कार्यालय के ग्रनुभाग ग्रधिकारी (लेखा) श्री पी० एस० मुलगुन्द को 27 नवम्बर, 1978 के पूर्वाह्म से ग्रागामी ग्रादेशों तक गवर्नमेंट मेडिकल स्टोर डीपू, केन्द्रीय बम्बई, बम्बई-8, में लेखा ग्रधि-कारी के पद पर प्रतिनियुक्ति के ग्राधार पर नियुक्त किया है।

एस० के० कर्याक उप निदेशक प्रशासन (स्टोर) कृषि एवं सिचाई मन्त्रालय (ग्रामीण विकास विभाग) विपणन एवं निरीक्षण निदेणालय फरीइाबाद, दिनांक 14 विसम्बर 1978

सं० ए० 12026/2/78-प्र० III.—हिमाचल प्रदेश श्रीर चण्डीगढ़, शिमला, के महालेखाकार कार्यालय के लेखा श्रधिकारी श्री एस० के० सूद, को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय के प्रधान कार्यालय, फरीदाबाव में दिनांक 27बा1-78 के पूर्वाह्न से प्रतिनियुक्ति के श्राधार पर स्थानापन्न लेखा श्रधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 18 विसम्बर 1978

सं० ए० 19025/115/78-प्र०-III—श्री एम० सी० बजाज, वरिष्ठ निरीक्षक को, विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय, नई विल्ली में दिनांक 8-11-78 (पूर्वाह्म) से 31-12-78 तक या जबतक पद नियमित आधार पर भरा जाता है, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ण 1) के रूप में नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 19025/116/78-प्र० III—श्री एन० एस० चैलापित राव, वरिष्ठ निरीक्षक, को विपणन एवं नि क्षिण निदेणालय, हैदराबाद में दिनांक 13-11-78 (पूर्वाह्म) से 31-12-78 तक या जब तक पद नियमित श्राधार पर भरा जाता है, दोनों में से जो भी पहले घटितहो, स्थानापन्न सहायक विपणन श्रिधकारी (वर्ग 1) के रूप में नियुक्त किया गया है।

विनांक 19 सिम्बर 1978

सं० ए० 19025/110/78-प्र० III—शी शालिंग राम गुक्ला, वरिष्ठ निरीक्षक को विषणन एवं निरीक्षण निदेशालय, कलकत्ता में दिनांक 29-11-78 (पूर्वाह्म) से 31-12-78 तक या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाता है, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, स्थानापन्न रूप में सहायक विषणन श्रधि-कारी (वर्ष 1) नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 19025/114/78-प्र० III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री किशन स्वरूप को इस निदेशालय में गुन्दूर में दिनांक 28-11-78 (पूर्वाह्र) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप में सहायक विपणन अधिकारी (वर्ण 1) नियुक्त किया गया है।

बी० एल० मनिहार निदेशक, प्रशासन कृते कृषि विपणन सलाहकार

परमाण ऊर्जा विभाग

विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग

बम्बई-5, दिनांक 4 नवम्बर 1978 सं० पीपीईडी/3 (262)/76-प्रणा०/15234—इस प्रभाग की तारीख 16 सितम्बर, 1978 की समसंख्यक ग्रिधसूचना के ग्रनुकम में इस प्रभाग के एक स्थायी प्रवरण कोटि लिपिक श्री एन० टी० वरवाणी, जो उसी प्रभाग में 18 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्न में 21 ग्रक्तूबर, 1978 के ग्रपराह्न तक के लिए सहायक कार्मिक प्रधिकारी के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त किए गए थे, को 22 नवम्बर, 1978 के भ्रपराह्म तक के लिए उसी पदका कार्यभार भ्रस्थायी रूप में संभाले रखने के लिए श्रनुका प्रदान करदी गई है।

> बी० थी० थाटे प्रणामनिक अधिकारी

भारी पानी परियोजन।

वम्बई-400 008, दिनांक 19 दिसम्बर 1978

सं० भाषाप/स्था/ 1/रा-61/51 58--भारी पानी परियोजना के विशेष-कार्य अधिकारी, श्री कडम्मट्टू पच्चुपित्लई राधा-कृष्णन, भारी पानी परियोजना (तलचर) के स्थानापन्न सहायक लेखाकार को उसी परियोजनामें 18 सितम्बर, 1978 (पूर्वाह्न) 28 श्रक्तूबर, 1978 (श्रपराह्न) तक के लिए श्री डी० चट्टोपाध्याय , सहायक लेखा श्रधिकारी जो छुट्टी पर हैं, के स्थान पर तदर्थ भ्राधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक लेखा श्रिधिकारी नियुक्त करते हैं।

> के० शंकरनारायणन वरिष्ठ प्रशासन ग्रधिकारी

ग्रन्तरिक्ष विभाग सिविल इंजीनियरी प्रभाग

बंगलौर 560 025, दिनांक 30 नवम्बर 1978

सं० 10/5 (20)/78-सि० इं० प्र० (मू०)-- प्रन्तिरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग के मुख्य ग्रिभियन्ता, श्रन्तरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग में निम्नलिखित श्रधि-कारियों की उनके नामों के सामने दिए गए पदों पर स्थानापन्न रूप में दिनांक 1 अक्तूबर, 1978 के पूर्वाह्न से भ्रागाम। श्रादेश तक पदोन्नति करते हैं:---

कम संख्यानाम	पद भीर ग्रेड जिससे पदोन्नति की गई है।	पव श्रौर ग्रेड, जिस पर पवीन्नति की गर्ड है।
 श्री सी० श्रार० वेणुगोपालन 	तकनीकी सहायक 'सी०'	इंजीनियर 'एस० बी०'
2. श्री जी० रामामूर्ति 	फोरमन (विद्युत)	इंजीनियर 'एस० बी०'

पी० भ्राई० यू० नम्वियार प्रशासन ग्रधिकारी-II कृते मुख्य प्रभियन्ता

दूसरी उपग्रह केन्द्र शुद्धि पत्न

पीण्या 562140, दिनांक दिसम्बर 1978 सं० 020/3(061)/76:--- धिनांक 14 दिसम्बर,

1978 : इस केन्द्र की समसंख्यक अधिसूचना 1978 में ग्रिधिसूचना पर करने वाले ''जे० के० साहा, ग्रवर सचिव'' को संगोधित करके'' के० एस० कृष्णन, प्रशासन भ्रधिकारी''के रूप में पढ़ाजाये। के० एस० कृष्णन,

प्रशासन ग्रधिकारी

महानिवेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 18 दिसम्बर 1978

मं० ए० 32014/1/78-ई० ए० -- महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित सहायक विमान क्षेत्र ग्रिधिकारियों की तदर्थ नियुक्ति की ग्रवधि प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से छः मास के लिये ग्रथवा पदों के नियमित श्राधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, बढ़ा दी है:--

ऋम सं०	नाम	तारीख	तैनासी स्टेशन
सर्वर्श	<u> </u>	<u></u>	
1. एच	० एस० सन्धु	5-12 -7 8	श्रमृ तसर
2. के०	सी० झारिया	6-12-78	
	वी० जोसफ	5-12-78	3
4. एच	० डी० घोषल	5-12-78	बेलगाम
5. पी०	राघवन	5-12-78	मषुरै
6. पी०	के० दे	5-12-78	
7. एम	० म्नार० नायडू	5-12-78	त्रिवेन्द्रम
8 हंस	राज 🛚	5-12-78	क्षे० निदेशक का
	_		कार्यालय नई दिल्ली
9. एम	े के० राय चौ धरी	ते 5-12-78	दम दम
10. जै०	भ्रार० सोनी	5-12-78	कानपुर (चकेरी)
11. पी०	एन० धर	5-12-78	पालम
12. एम	े एस० शर्मा	5-12-78	जयपुर
13. भ्रार	० डी० बाजपेयी	5-12-78	दम दम
14. जे०	एल० कपूर	5-12-78	भुज
15. एम	जी० थोर्ट	5-12-78	नागपुर
16. प्रेम	कुमा र	5-12-78	पालम
17. वी०	एस० झार०		
्रीय		5-12-78	विजयवाड़ा
18. एल	सी० चन्दवानी	5-12-78	बम्बई (जुहू)
	पी० पंडु लै		
सं० ए० 39013/8/78-ई० ए० महानिदेशक नागर			

विमानन ने श्री द्यार० द्याई० सिंह, सहायक विमानक्षेत्र श्रधिकारी, बम्बई एयरपोर्ट, बम्बई का दिनांक 30-11-78 (पूर्वाह्न) से सरकारी सेवा सेत्यागपत्र स्वीकार कर लियाहै। बी० बी० जौहरी, सहायक निदेशक प्रशासन केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा सीमा शुल्क समाहर्तालयः कानपुर, दिनांक 20 दिसम्बर 1978

सं० 48/78—निम्नलिखित निरीक्षकों (प्रवरण कोटि) केन्द्रीय उत्पाद णुल्क, ने श्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद णुल्क वर्ग 'ख' वेतनमान २० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 -द० रो०-40-1200, के पद पर ध्रपनी पदोन्निति के फलस्वरूप देखिये इस कार्यालय के पृष्ठांकन पत्र संख्या 11-22-स्था०/78/44 दिनांक 9-1-78 के अन्तर्गत निगर्त कार्यालय स्थापना आदिण सं० 1/ए/4/78 दिनांक 9-1-78, श्रधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख' के पद का कार्यभार उनके नाम के सामने दिये गये स्थान तथा तारीख को ग्रहण कर लिया था:—

क्रम मं० नाम	स्थान का नाम जहां पदो- न्निति पर कार्यभार ग्रह ग्रहण किया।	
1 2	3	4
सर्वश्री 1. ग्राई० एम० के० णि पुरी 2. हरदयाल सिंह 3. ग्रार० के० तनेजा 4. एम० एल० पुरी 5. एम० डी० वर्मा 6. डी० एन० साहनी	व श्रधीक्षक (ले॰ परी॰) मुख्यालय, कानपुर श्रधीक्षक (पी॰ टी॰ -1 सेल) मुख्यालय, कानपुर श्रधीक्षक (ले॰ परी॰) मुख्यालय कानपुर मण्डल कार्यालय गाजियाबाद-II मण्डल कार्यालय गाजियाबाद- मण्डल कार्यालय	(पूर्वाह्म) 16-1-78 21-1-78 28-7-78 30-1-78 24-2-78

कृ० ल० <mark>रेखी</mark>, समाहर्ता,

नागपुर, दिनांक 21 दिसम्बर 1978

सं० 12—श्री बी० एल० गांजापुरे, महायक समाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद मुल्क प्रभाग-II, नागपुर की स्थानान्तर होने पर उन्होंने सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद मुल्क प्रभाग-I, नागपुर (जो कार्यभार वह श्री एम० एम० शिवराजी सहायक समाहर्गा के छुट्टी श्रवधि में ग्रातिरक्त रूप से संभाल रहे थे) का नियमित कार्यभार दिनांक 6-11-1978 के प्रवाह्न से ग्रहण किया।

श्री गांजापूरे सहायक समाहर्ता की महायक समाहर्ता. केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग-I, नागपुर में तैनात होने पर उन्होंने सहायक समाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग-II, नागपुर का दिनांक 6-11-1978 से 13-11-1978 के पूर्वात्क तक श्रतिरिक्त रूप में कार्यभार संभाना।

मं० 13—श्री जे० टी० डोगरे अधिक्षक केन्द्रीय उत्पाद गुल्क बहुपदिय अधिकारी रेंज-1, नागपुर की सहायक समाहर्ना, सीमा तथा केन्द्रीय उत्पाद गुल्क सेवा श्रेणी "क", के पद पर पदोन्नति होने पर, श्री बी० एल० गांजापूरे की अतिरिक्त कार्यभार से मुक्तकर दिनांक 13-11-1978 के पूर्वाह्म से महायक समाहर्ता के० उ० गुल्क प्रभाग-II, नागपुर का कार्यभार संभाल लिया।

सं० 14—श्री कें राय राच सहायक समाहर्ता (निवारक/तकनीकी।लेखापरीक्षा/मूल्यांकन, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क मुख्यालय नागपुर की स्थानान्तर होने पर उन्होंने, श्री एल बनर्जी, जो सीमा सथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समा-हर्तालय पटना को स्थानांन्तर हुए, को कार्यभार मुबतकर विनांक 21-11-1978 के श्रपरान्त से महायक समाहर्ता (मुख्यालय) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, नागपुर का कार्यभार संभाल लिया।

सं० 15—श्री एम० एम० शिराजी, सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद णुरूक प्रभाग-I, नागपुर जो केन्द्रीय उत्पाद शुरूक प्रभाग-II नागपुर को स्थानान्तर होने पर उन्होंने, श्री के० एस० राव सहायक समाहर्ता को कार्यभार मुक्तकर, दिनांक 21-11-1978 के पूर्वाह्न में सहायक समाहर्ता (निवारक/तकनीकी/लेखा परीक्षा/तथा मूल्यां कन, केन्द्रीय उत्पाद शुरूक मुख्यालय, नागपुर का कार्यभार संभाल लिया।

माधव परुलकर, समाहर्ता,

केन्द्रीय जल श्रायोग

नई दिल्ली-22, दिनांक 23 दिसम्बर 1978

सं० ए० 32012/2/70-प्रशा० 5— प्रिक्षसूचना सं० ए० 19012/741/78-प्रशा० 5, दिनांक 18 सितम्बर, 1978 के अनुक्षम में, अध्यक्ष केन्द्रीय जल आयोग श्री एन० एम० अरोड़ा, सहायक अनुसन्धान अधिकारी (भौतिकी) की केन्द्रीय जल आयोग में रु० 650-30-740-35-810-व० रो०-35-880-40-1000-व०-रो०40-1200 के वेतनमान में तदर्थ नियुक्ति को दिनांक 7-12-78 से 28-2-79 की अवधि तक अथवा उस ग्रेड में नियमित अधिकारी के उपलब्ध होने तक, इसमें जो भी पहले हो, एतद्बारा बढ़ाते हैं।

मं० ए०-19012/721/78-प्रणा०-पांच—संघ लोक नेवा स्रायोग की सिफारिशों के स्राधार पर स्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल स्रायोग श्री श्रीकृष्णा मीना को जल वैज्ञानिक प्रेक्षण (केन्द्रीय) सर्किल, हैदराबाद के स्रधीन भोपाल गेजिंग डिवि-जन, भोपाल, में सहायक स्ननुसन्धान श्रधिकारी (वैज्ञानिक भौतिकी ग्रुप) के पद पर फि० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 के वेनकमान में 15 नवम्बर, 1978 के पूर्वाह्म से, ग्रागामी ग्रादेश होने तक नियुक्त करते हैं।

श्री श्रीकृष्णा मीना उपरोक्त पद पर 15-11-78
 से दो वर्ष तक की ग्रवधि तक परिवीक्षा पर रहेंगे।

दिनांक 26 दिसम्बर 1978

सं० ए० 19012/748/78-प्रशासन-पांच-1—ग्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल ग्रायोग, श्री वी० वी० जोशी, ग्रनुसन्धान सहायक को पदोन्नति पर केन्द्रीय जल ग्रौर विद्युत ग्रनुसन्धान शाखा पुणे में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में सहायक ग्रनुसन्धान ग्रधिकारी (इंजीनियरी) के ग्रेड में पूर्णतः ग्रस्थाई एवं तदर्थ ग्राधार पर दिनांक 21-11-1978 के पूर्वाह्र से 28-2-1979 तक, ग्रथवा इस पद के नियमित ग्राधार पर भरे जाने तक, इसमें जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

जे० के० साहा, ग्रवर सचिव

मध्य रेलवे

बम्बई-वी०टी०, दिनांक 22 दिसम्बर 1978

सं० एच० पी० बी०/220/जी/11 एलं०—-निम्नलिखित स्थानापन्न सहायक विद्युत इंजीनियर (श्रेणी II) को उनके नाम के सामने दिखाई गई तारीख से उसी पद में स्थाई किया जाता है।

नाम	श्रंणी दो की सेवा में स्थाईकरण की तारीख
श्री सी० एल० टक्साली श्री के० स्नार० शेशादी	13-6-1978 1-9-1978
gring through more (1976), more plantification per gring court from first from grins through the start and all the start	एच० वी० सेम्युग्नल, महाप्रबन्धक

पूर्ति ग्रीर पुनर्वास मंत्रालय (पूर्ति विभाग)

राष्ट्रीय परीक्षण गृह

कलकत्ता-27, दिनांक 16 दिसम्बर 1978

सं० जी०-65/बी०(कान)—ग्रधो हस्ताक्षरित इसी द्वारा राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता के वैज्ञानिक सहायकों (रसायन) सर्वेश्री वि के विश्वास, एस० के० सिन्हा श्रीर पि० के० चक्रवर्ती को 6-10-78 (पूर्वाह्न) से ग्रागामी श्रादेशों तक उसी कार्यालय में तदर्थ वैज्ञानिक श्रधिकारी (रसायन) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० जी०-65/की० (कान)— प्रधी हस्ताक्षरित इसी इारा राष्ट्रीय परीक्षण गृह कलकला के वैज्ञानिक सहायक (विद्युत) श्री सुजित दास को 23-9-78 (पूर्वाह्न) से श्रागामी श्रादेशों तक उसी कार्यालय में तदर्थ वैज्ञानिक श्रधिकारी (विद्युत) के रूप ग नियुक्त करते हैं।

> ई० के० रामचन्द्रन, निदेशक

कलकत्ता-27, दिनांक 18 दिसम्बर 1978

सं० जी-65/वी (काम)—निदेशक, राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता, निम्नलिखित ग्रधिकारियों को राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता में नियमित वैज्ञानिक ग्रधिकारियों (रसायन) के रूप में 22-8-78 से ग्रागामी ग्रादेशों तक नियुक्त करते हैं।

ग्रधिकारियों का नाम श्रौर पद:

श्री एस० घोष, वैज्ञानिक ग्रधिकारी (रसायन) (तदर्थ)

सि रामचन्द्र राव

वि एल वनशाल "

्रं सि ग्रार० चक्रवर्ती ..

मुन्नू राय

" ए के० राय " वि एम सूद

" एस एन० मिश्र

" ए० के० मजुमदार, उप निदेशक (प्रशासन) राष्ट्रीय परीक्षण गृह

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय कम्पनी कार्य विभाग ((कम्पनी लॉ बोर्ड) कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 एवं मैसर्स गेट वेटूर प्राइवेट लिमिटेड के विषय। में

बम्बई, तारीख 14 दिसम्बर 1978

सं० 12899/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्-द्वारा सूचना दी जाती है की मैंसर्स गेट वेटूर प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मसर्स गीवा सेफ्टी रेजर कम्पनी आफ इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

सं० 6131/560(5)—कम्पनी स्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) से एतद्द्वारा सूचना दी जाती है की मैंसर्स गीवा सेपटी रेजर कम्पनी स्राफ इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड का नाम स्राज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

> एल० एम० गुप्ता, कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार, महाराष्ट्र

कम्पनी प्रक्षिनियम, 1956 एवं मैसर्स सागर इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय भें।

बम्बई, दिनांक 14 दिसम्बर 1978

सं० 8296/560(5)—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण से एतद्द्वारा सूचना दी जाती है की मैंसर्स सागर इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी श्रधिनियम 1956 एवं सैसर्स बोम्बे स्टुडीश्रोम प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 14 दिसम्बर 1978

मं० 3493/650(5)—कम्पती श्रिधितियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है की मैसर्स बोम्बे स्टूडीग्रोस प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मैर्स अववारीक्रण णापींग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय से।

बम्बर्ड, दिनांक 14 दिसम्बर 1978

सं० 17242/560(5)—कम्पनी स्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के स्रनुसरण से एतद्-द्वारा सूचना दी जाती है की मैसर्स प्रकवारीश्रस शापींग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

> एल० एम० गुप्ता, कम्पनियों के रिजस्ट्रार बम्बई

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रीर प्रोमीनेन्ट ग्राटो डिस्ट्रीब्यूटर प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

दिल्ली, दिनांक 16 दिसम्बर, 1978

सं० 6673/2/356—कम्पनी श्रधिनिथम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर प्रोमीनेन्ट श्राटो डिस्ट्रीब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दर्शात न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

हु० अपठनीय कम्पनी का सहायक राजिस्टार, दिल्ली कम्पनी ग्राधिनियम, 1956 श्रौर श्रमीशा सेविंग्स यूनिट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 20 दिसम्बर 1978

मं० 560/2074/मी० पी०—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (4) के अनुसरण में एतदहारा यह सूचका दी जाती है कि इस तारीख के तीन मास के अवसान पर अमीशा सेविंग्स यूनीट प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृष कारण दिशान न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विद्यटित कर दी जायेगी।

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 और विश्वनाथ टेक्सटाइल इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

अहमदाबाद, दिनांक 20 दिसम्बर 1978

सं० 560/2208/सी० पी०—कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह मूचना दी जाती है कि इस तारीख में तीन मास के श्रवसान पर विश्वनाथ टेक्सटाइल इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिश्यत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्स कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रधिनियम 1956 श्रीर दी रक्षनपोल चोक्सी सेविंग्स यूनिट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

अहमवाबाद, दिनांक 20 दिसम्बर 1978

सं० 560/2318/सी० पी० — कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है, कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर दी रसनपोल चौक्सी सेविंग्स यूनिट प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिश्वत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

ब्रज कियोर, सहायक प्रमंडल पंजीयक, गुजरात राज्य ग्रहमदाबाद

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 श्रौर मैसू मैंटल्स लिमिटेड के विषय में बंगलौर, 21 विसम्बर 78

सं 1554/560/78 कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रमुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रमसान पर मैसूर मैटल्स लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रौर उक्स कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

> एस० एन० गुहा, कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 के विषय में तथा

पूनमल्ली पेपर मिल्स प्राइवेट लिमिटेड (इन लिक्विडेशन) के विषय में

> (कम्पनी म्रधिनियम 56 की धारा 45) मद्रास, दिनांक 21 दिसम्बर 1978

सं० 6255/लिक्बी/445/77—एतदब्रारा यह सूचित किया जाता है कि न्यायालय कार्यवाही सं० 40/1977 में उच्च न्यायालय, मद्राम की फाइल पर वियेगये दिनांक 6-10-77 के आदेश द्वारा कम्पनी पूनमल्ली पेपर मिल्स प्राइवेट लिमिटेड को समाप्त कर दिया गया है।

सं० 400/लिक्बिंग | 560 | 78—यतः दि कीयम्बटूर मैंच इन्डस्ट्रीज लिमिटेड (इन लिकुडिशन) जिसका रिजस्ट्रीकृत कार्यालय 11 | 33, मिनय नायकन स्ट्रीट, राजा स्ट्रीट, कोयम्बटूर में हैं, का समापन किया जा रहा है और यतः श्रधोहस्ताक्षरित यह विश्वास करने का युक्ति-युक्त हेनुक रखता है कि कोई समापक द्वारा कार्य नहीं कर रहा है और यह कि लेखा- विवर्णयों से समापक द्वारा दिया जाने के लिये श्रपेक्षित है, यह कमवक्ता मास के लिये नहीं हो गई है, श्रतः जब कम्पनी श्रधिनियम, 1956 (1956 का) की धारा 560 की उपधारा (4) के उपबन्धों के श्रनुसरण में एतव्द्वारा मूचित किया जाना है कि इस मूचना की तारीख से नीन मास के श्रवसान पर दि कायम्बटूर मैंच इन्डस्ट्रीज लिमिटेड (इन लिकुडेशन) का नाम यदि इसके प्रतिकृत्व हेनुक दिशत नहीं किया जाता है तो, रिजस्टर से काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

वै० सत्यनारायणा, कम्पनियों का सहायक राजस्ट्रार, मद्रास ष्रायकर ब्रायुक्त का कार्यालय कोचीन-16, दिनांक 26 नवम्बर 1978 ब्रादेश

सीं० मं० 2/एस्ट/गज/कोण / 78-79—निम्नलिखित पदोन्नति, स्थानान्तरण ग्रौर नियुक्तियों का श्रादेश एतद्द्वारा दिया जा रहा है:—

1. पदोन्नति :

निम्नलिखित स्रायकर निरीक्षकों को उनके कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से प्रगले स्रादेण तक रु० 650-30-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के वेसन-मान में स्थानापन्न रूप से श्रायकर अधिकारी श्रेणी 'बी' के पद पर नियुक्त किया जाता है:——

सर्वश्री :

- 1. कें ० जे ० ग्रन्तप्पन ।
- 2. क० रामनकुट्टी मेनान
- 3. एम० शिवशंकरन ।
- वे दो वर्षकी श्रवधितक परिवीक्षाधीन होंगे।
- 2. उपर्युक्त पदों की नियुक्ति बिलकुल ग्रस्थायी श्रौर सामियक है, जो किसी सूचना दिए बिना समाप्त की जा सकती है। इनकी नियुक्ति, उच्च न्यायालय, केरल में फायल किये हुए मूल याचिका सं० 3755/76-एल० श्रौर सं० 2499/77-एल के फलस्वरूप की जाती है।

II. स्थानान्तरण श्रीर नियुक्तियां :

			·— · · · · · · · · · · · · · · · · ·	•
क्रम सं०	नाम	<u> </u>	<u> </u>	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
सर्वश्री :				<u> </u>
1. कें ० जे०	म्रन्तप्पन .	. श्रायकर निरीक्षक को श्रायकर श्रधिकारी, श्रेणी 'बी' के रूप में पदोन्नति	श्रायकर ग्रधिकारी, डी-वार्ड, सर्किल-∐ कालिकट	श्री पी० ए० मात्य्को दिये गए अतिरिक्त प्रभार से मुक्त करने काकारण।
2. कें० राम	त्तकुट्टी मेनोन .	. श्रायकर निरीक्षक को श्रायकर श्रधिकारी श्रेणी 'बी' के रूप में पदोन्नति ।	न्नायकर ग्राधिकारी, सी-वार्ड, कोल्लम	श्री एन० राघवन के स्था- नान्तरण होने से उनके स्थान पर।
3. एन० रा	घवन .	. ग्रायकर ग्रधिकारी सी-वार्ड, कोल्लम ।	भ्रायकर भ्रधिकारी, बी -वार्ड, कोल्लम	श्री बी० गोपिनाथन पिल्लें के स्थानान्तरण होने से उनके स्थान पर ।
4. वी०गोर्	पेनाथन पिल्लै	. श्रायकर प्रधिकारी बी-वार्ड, कोल्लम ।	ग्रायकर ग्रधिकारी, ए-वा र्ड , कोल्लम	
5. एम० शि	ावशंकरन .	. भ्रायकर निरीक्षक को भ्रायकर श्रक्षिकारी श्रेणी 'बी' के रूप में पदोन्नति ।	भ्रायकर भ्रधिकारी, बी-वार्ड, वेतन मर्किल, तिरुवनंतपुरम ।	श्रीमती जयश्री रामचन्द्रन को दियेगये, वेतन-सर्किल, बी-वार्ड, तिरुवनंतपुरम के श्रितिरक्त प्रभार के मुक्त करने के कारण।
	-			एम० एस० उण्णिनायर

एम० एस० उण्णिनायर म्रायकर श्रायुक्त, केरल-

नई दिल्ली, विनांक 19 विसम्बर 78 ग्रायकर

सं जुरि-दिल्ली/[I/78-79/33794—-ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 123 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शिक्तयों का प्रयोग करने हुए ग्रायकर आयुक्त, दिल्ली-II, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि दिनांक 20-12-78 से निम्नलिखित आयुक्त रेज, बनाया जायेगा :—

निरीक्षीय सहायक आयकार आयुक्त रेज-II, जी, नई दिल्ली ए० सीं० जैन

म्रायकर म्रायुक्त, दिल्ली- Π_{i} नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 दिसम्बर 78

मं० जुरि-दिल्ली/5/78-79/33502—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 वां) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त जिस्तयों तथा इस सम्बन्ध में प्राप्त अन्य सभी जिस्तयों का प्रयोग करने हुए, आयकर आयुक्त, दिल्ली-5, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि 21-11-78 से निम्नलिब्दित आयकर सिकल बनाया जाएगा:

डि॰-🏗 (15) ग्रतिरिक्त , नई दिल्ली ।

सं जुरि-दिल्ली/5/78-79/33633—-आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वा) की धारा 124की उपधारा (1) तथा (2) द्वारा प्रदत्त णिक्तियों का प्रयोग करने हुए तथा इस विषय पर जारी की गई पहले की अधिसूचनाओं में प्राणिक मंगोधन करते हुए श्रायकर श्रायुक्त, दिल्ली-5 निवेश देते हैं कि डि॰ 2 (15) अतिरिक्त नई दिल्ली का आयकर अधिकारी डि॰ 2 (15) नई दिल्ली के साथ उनके द्वारा निर्धारित/निर्धारण योग्य व्यक्तियों/मामलों के सम्बन्ध में समवर्ती ग्रिधिकार क्षेत्र होगा। किन्तु धारा 127 के अंतर्गत सौंपे गये या इसके पण्चात जाने वाले मामल इसमें णामिल नहीं होंगे।

श्रायकर श्रायुक्त, दिल्ली-5, कार्यान पादन की सुविधा के लिये निरीक्षीय महायक श्रायकर श्रायुक्त, रेंज 5-सी, को श्रायकर श्राधिनियम, 1961 की धारा 124 की उपधारा (2) में श्रवेंक्षित श्रादेशों को भी पास करने के लिये प्राधिकृत करते हैं। यह श्रधिसूचना 21-11-78 से लाग् होगी।

के० ध्रार० राघवन, ध्रायकर ग्रायुक्त, दिल्ली-5, नई दिल्ली

बम्बई-20, दिनांक 20 दिसम्बर 1978

सं० 580—श्री एस० एच० मेहानी, 6ठे ग्रायकर ग्रधिकारी, बं० उ० जि० (दक्षिण), बम्बई, को एतदब्रारा ग्रायकर ग्रधिकारी, श्रेणी-2 (वर्ग-खं), के मौलिक पद पर 22-9-76 से लगाकर नियुक्त किया जाता है।

टी० एस० आर० नरसिहम, श्रायकर श्रायकत. बम्बई नगण-6, वस्बई ।

प्रकप माई • टी • एन • एस • ----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कलकत्ता-16

लखनऊ, दिनांक श्रक्तूबर 1978

निदेश सं० के० 84/एक्युजी०--म्रतः मुझे, म्रमर सिंह बिसेन भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चातु 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूरुय 25,000/- रुपये से प्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० एक कोठी है तथा जो मो० राजेन्द्र सावल लेन में स्थित है (ग्रीर इसे उपाबद्ध ग्रनुसूची में जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय हाबड़ा में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रधीन तारीख 4-4-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अभित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत मीर मन्तरक (मन्तरकों) मीर मन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त घन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाष की वाबत, उनत मिश्रिनियम के ग्रिश्तीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिक्ष में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य प्रास्तियों, को जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिलाने में सुविधा के लिए;

वतः अव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपबारा (1) के प्रधीन; निम्निश्चित व्यक्तियों अर्थात्:--- श्रीमती प्रभावती देवी विधवा रघुराज (अन्तरक) सरन शर्मा

श्रीमती कृष्णा शर्मा पत्नी श्री वीर सिंह त्यागा

(भ्रन्तरिती)

3. विक्रेना उहर्रोक्त (वह ब्यक्ति, जिसके म्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बास में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भधोहन्ता अरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पद्यों का, जो उक्त भिष्ठ-नियम के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

एक किता कोठी पुख्ता दिक्खिन रुखी बाके मो० राजेन्द्र नगर सिविल लाइन मुरादाबाद व इस सम्पत्ति या वह सब विवरण जो सेलडीड व फार्म 37-जी० संख्या 1480 में विणित है जो दोनों सब राजिस्ट्रार मुरादाबाद के कार्यालय में दिनांक 4-4-1978 को दर्ज है।

> श्रमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक द्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ।

तारी**ख** : 30-10**-**1978।

माहर:

प्रकृप भाई० टी० एन० एस०---

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 21 दिसम्बर 1978

नि० सं० पी० ग्रार० 643/एसीक्यु-23-1111/19-7/78-79—ग्रतः मुझे एम० सी० परीख श्रायकर ग्राधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र०

ग्रीर जिमकी सं० सर्वे नं० 46 पैकी खुली जमीन है। जिसकी सं० तथा जो गांव उमरा, तः चोरासी, जिला सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908

(1908 का 16) के प्रधीन तारीख 20-4-1978
पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान, प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत सं श्रधिक
है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर अन्तरितों (श्रन्तरितियों)
के बीव ऐसे श्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त प्रिधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आयया किसी घन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधि- नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपारे में सुविधा के लिए;

त्रतः, ग्रम, उन्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रिथीत्:---

- (1) बेलजीभाई देवजीभाई खान साहेब-बी-बाडी, श्रठवा, सूरत । (श्रन्सरक)
- (2) मैं० गोपाल कृष्ण को० ग्रा० हार्जीसग सोसाइटी लि०, प्रेसिक्डेंट : गिरधर लाल मंगल दास सिनाकिया, सेक्केटरी : मनोहर लाल टी० पटेल, मारफत : दी सूरत डिस्ट्रीकट कोग्रापरेटिय बैंक लि० कानपीठ, सूरत।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति म हिनबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमे प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो सर्वे नं० 46 (पैकी) गांव उमरा ता० चोरासी, जिला सूरत में स्थित है जिसका कुल माप 2500 वर्ग गज है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिषकारी सूरत द्वारा 20-4-1978 को दर्ज किये गये रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2338 में प्रदर्शित हैं।

> एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद ।

तारीखाः 21-12-1978

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

श्रायकर स्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के स्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना-411004

पूना , दिनांक 1 दिसम्बर, 1978

सं० सी० ए० 5/हवेली IL/धगस्त 78/382---यतः मुझे, श्रीमती पी० ललवानी,

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 36 जी ब्ही ब्हिंग्स वं० 139 प्लाट नं० 14, आऊट ऑफ पान्डुरंग कालोनी लेग्राऊट है तथा जो एरंडवणा पूना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक्ष श्रमुसूची में श्रीर पूर्ण स्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय हवेली II में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 24-8-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है श्रौर अन्तरक (अन्तरकों) श्रौर अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) ग्रन्तरण से हूई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रब, उन्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उन्त श्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, श्रर्थात :---

- (1) 1. श्री पंढरीनाथ कामानु शिरोडकर
 - 2. श्रीमती पिरोज पंढरीनाथ णिरोडकर 1292, णियाजीनगर, पूना-5।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं ० पराग को-ऑपरेटिय हौिसंग सोसायटी लि॰, भिम मंडल कालौनी, पर्वती, पूना- 1।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त-सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्ववधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उम श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापर्टी: सर्वे ऋ० 36, सी० टी० सर्वे ऋ० 139 प्लाट ऋ० 14, पाडुरंग कालौनी से आऊट, सब प्लाट ऋ० 13, एरंडवणा, पूना 5।

क्षेत्रफल: 5670 वर्ग मीटर।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख ऋ० 2073, 24-8-78 को हवेली II के दफ्तर में लिखा है)।

श्रीमती पी० ललवानी सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक 1-12-1978 मीहर:

प्ररूप माई० टी॰ एन० एस०-

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269व(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कर्वे रोड, पूना-41004

पूना-411004, दिनांक 1 दिसम्बर, 1978

सं० मी० ए० 5/हवेली II/श्रक्तूबर 78/378—यतः मुझे, श्रीमती पी० लसवानी

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की चारा 269-घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य, 25,000/- क∙ से भिधक है

ग्रीर जिसकी सं सर्वे क 132/2+3 है तथा जो ग्रींध पूना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय हवेली I में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 27-10-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मृश्री यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) मन्तरण से हुई किसी माथ की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर वेने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; मौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठिनियम या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये।

ग्रत: भव, उक्त भिष्ठिनियम की घारा 269-ग के मनुसरण में में, उक्त भिष्ठिनियम की घारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत् ा— (1) 1 श्रीमती शोभना सिताराम रानकें, 2 श्री सिताराम यणवंत रानकें निलाचल गर्वे करू 132/2 | 3. प्लाट करू 7, श्रीध, पूना

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती रेवाबेन जयंत स्रढीयाः श्री जयंत छयात्रजी श्रढीयाः बंगला ऋ० ७, विष्वलक्ष्मी मोमायटी कोथन्डः, पूना ।

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड
 किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, ग्रघोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सर्वेगे।

स्पब्सीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्धों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

अमुसूची

प्रापर्टी ग्रंट सर्वे फ॰ 132/2+3 ग्रौंध पूना। क्षेत्रफल: 5450 वर्ग मीटर---ग्रौर उप्पर का मकान। (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विल्लेख फ॰ 1826 दिनांक 27-10-78 को सब रजिस्ट्रार हवेली II के दफ्तर में लिखा है)।

> (श्रीमती पी० ललवानी) सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) सक्षम प्राधिकारी ग्रर्जन रेंज, पूना ।

तारी**ख**ः 1-12-1978

प्ररूप ग्राई∙ टी० एन० एस०---

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्याखय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 1 दिसम्बर 1978

निर्वेश सं० सी० ए० 5/हवेली II/ग्रक्तूबर 78/380—यतः मुझे, श्रीमती पी० ललवानी आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे

इसमें इसके पक्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द• से अधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट के० 15 सर्वे क० 134/4 है तथा जो भांबुडी शिवाजी नगर पूना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हवेली-II में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 7-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरका के लिए तय पामा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्सरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रमोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

द्मतः, धव उपस घिषिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उपत बिषिनयम की घारा 269-व की अपघारा (1) के प्रकीन निम्नसिक्षित व्यक्तियों, वर्षात्।— 3—416G1/78

- (1) 1. श्री मधुकर यशवंत गुप्ते
 - मिसेस सुहासिनी मधुकर गुप्ते स्नेहलकुंज को० श्रापरेटिव हौिसिंग सोसायटी, सिकिंग रोड, एक्सटेन्शन, सान्ताक्रूज, बम्बई - 400 054 ।

(ग्रन्तरक)

(2) म्रनंत नारायण बापर, 5, सदाशिव पेठ, पूना - 30।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितवद किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रीधिनयम के प्रथ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रथं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट ऋ० 15, सर्वे ऋ० 134/4, भांबुर्डा, णिवाजीनगर, पूना ।

क्षेत्रफल: 5250 वर्ग फुट, --- 525 वर्ग मीटर। (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क० 1663 दिनांक 7-10-78 को सब रजिस्ट्रार हवेली I^I के दफतर में लिखा है)।

> श्रीमती पी० ललवानी सक्षम प्राधिकारी, सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना ।

सारीख: 1-12-1978।

प्रक्ष आई० टी० एन०एस०-----मायकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43)

की झारा 289घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 1 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० सी० ए० 5/हवेली 1/म्रक्तूबर 78/379—यतः मुझे, श्रीमती पी० ललवानी

धायकर प्रधिनियम, 1961(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- इपये से प्रधिक है

श्रीर जिसकी व० सर्वे ल०-1033 प्लाट नं० 357 है तथा जो णिवनगरी, पूना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हवेली I में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 23-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से प्रधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) धौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रष्टिनियम के भ्रष्टीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के शिए; भौर/या
- (का) ऐसी किसी भाष या किसी घन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें सुविधा के लिए,

श्रतः ग्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण में में, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-य को उपधारा (1) के अधीन, निस्तिविश्व व्यक्तियों, प्रचीत्।—

- (1) मैं० भ्रनगल एण्ड कं०, (रजिस्टर्ड फर्म एण्ड पार्टनर्स)
 - 1. श्री सुभाष दत्तामय ग्रनगल
 - 1 श्री एम० एम० ग्रनगल
 - 3. श्री डी० एम० ग्रनगल
 - 4. श्री विद्या एस० ग्रनगल,
 - 5. सौ० कमलाबाई एम० ग्रनगल 108/82, शिवाजी नगर, चतुर शिगी, एस. 16

पूना - 16

(भ्रन्तरक)

(2) मैं० जै० श्री को० ग्रापरेटिव हौसिंग सोसायटी, शिवाजी नगर, पूना -- 5

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (आ) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदा अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, यही भयें होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

सी० टी० सर्वे 1033, प्लाट ऋ० 357, शिवाजीनगर, पूना।

क्षेत्रफल: 1942 स्केयर वर्ग मीटर।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत विल्लेख कि० 278 दिनांक 23-10-78 की सब रिजस्ट्रार हवेली I के दफ्तर में लिखा है)।

श्रीमती पी० ललवानी सूक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना ।

तारीख: 1-1 1-78

प्ररूप भाई• टी० एन० एस०----

आयकर भ्रम्निनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरोक्षण)

म्रर्जन रेंज, पूना-411004

पूना, दिनांक 1 दिसम्बर 1978

सं० सी० ए० 5/हवेली II/सेप्टेम्बर 78/381—यतः मुझे, श्रीमती पी० ललवानी

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे क० 46/3/3(बी) है तथा जो ए डवणा, पूना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हवेली II में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 7-9-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत संअधिक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखत में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (स) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के मन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (बा) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या घन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाचें अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानें में सुविधा के लिए।

नतः भव, उक्त ग्रह्मिन्यम, की घारा 269 म के शत्क सरण में, मैं, उक्त ग्रह्मिनवम की धारा 269 म की उपकारा (1) के अधीन निम्नविधित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) (i) श्री पांडुरग माधन दामले450, शनिवार पेठ पूना 30।
 - (ii) श्री रामकृष्ण माभव दामले, गणेश नगर, भारतीय सोसायटी, एरंडवणा, पूना-4।
 - (iii) श्री गोविन्द माधव दामले, पूना युनिवर्सिटी कम्पाउण्ड, पूना –७ । (श्रन्तरक)
- (2) श्री पुरूषोत्तम प्रेमजी पटेस, पार्टनर श्राफ मैंसर्स सहयाद्वि एंटरप्राइसेस, 280-सी०, पारस मनी फुले पेट, पूना – 2 ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ब्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उपत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्ठीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्द मौर पदों का, जो उक्त धक्रि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अब्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा : सर्वे क० 40/3/3(बी०) एरंडवणा, पनबैंस रोड़, पुणे ।

क्षेत्रफल: 10012 वर्ग मीटर।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख कि 1414, तारीख 7-9-78 को सब रजिस्ट्रार हवेली II के दफ्तर में लिखा है)।

> श्रीमती पी० ललवानी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूना ।

तारीखा: 1-12-1978।

मोहरः

प्ररूप भाई। टी। एन। एस।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269ष (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 19 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० सी० ए० 5/हवेली II/जून 78/391—ग्रतः मुझे, श्रीमती पी० ललवानी,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके रहवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र∙ से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० सी० टी० एस० ऋ० 47/3 बी० है तथा जो एरंडवणा पूना में स्थित है फायनल प्लाट नं० 70/3 बी०) (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रिधकारी के कार्यालय हवेली II में, रजिस्ट्रीकरण स्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 19-6-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तिरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रहप्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भन्तरण लिखत में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त मिधिक नियम, के मधीन कर बेने के मस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः श्रव, उक्त श्रविनियम की धारा 269-ग के श्रत्सरण में, मैं उक्त श्रविनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) के श्रवीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रवीत्:—

- (1) 1. श्रीमती शारवाबाई जी० जांबकेर, 199/5, सदाशिव पेठ, पूना-30।
 - मिसेस कुसुमावती श्रीपाद खामलेकर,
 70, 3 बी० एरंडवणा, पूना ।
 - भेसर्स टेक्नोक्रेपट बिस्उर्स,
 78, नाना पेठ, पूना ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं ॰ पाखर सहकारी गृह रचना संस्था मर्यादिन, 70/3, बी॰, एरंडवगा, पूना ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त शिक्षित्यम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही शर्थ होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

धनुसूची

जमीन का टुकड़ा: सी०टी० सर्वे ऋ० 47/3 बी, फायनल प्लाट ऋ० 70, 3 बी० एरंजवणा, पूना।

क्षेत्रफल: 875.52 वर्ग भीटर।

(जसे कि रजिस्ट्रीकृत विल्लेख कै० 991 दिनांक 19-6-78 को सब रजिस्ट्रार हवेली II के वस्तर में लिखा है)।

> श्रीमती पी० ललवानी सक्षम प्राधिकारी, सहायक **ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, पूना ।

तारीख: 19-12-78।

्प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज,पूना-411004

पूना-411004 दिनांक 19 दिसम्बर 1978

सं० सी० ए० 5/हवेली II/एप्रिल 78/392—यत मुझे, श्रीमती पी० ललवानी

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सी० टी० एम० क० 526 है तथा जो शनिवार पेठ, पूना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हवेली II में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 26-4-978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है श्रोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीयक है श्रोर श्रन्तरक (अन्तरकों) भौर श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायिश्य में कभी करने या उससे क्यने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने म सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269 व की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:— (1) श्रीमती सरोजिनी महादेव रास्ते,55/22, एरंड वणा, पूना-4।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती विजया बसंत पडणीकर, 526, शनिवार पेठ, पूना-30।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वद्वीकरण:--इस में प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनयम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुस्ची

जमीन और ऊपर का मकान: सी० टी० एस० ऋ० 526, शनिवार पेठ, पूना-30।

क्षेत्रफल: 1120.4 वर्ग मीटर।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क० 402, दिनांक 26-4-78 को सब रजिस्ट्रार हवेली II के दफ्तर में लिखा है)।

> श्रीमती पी० ललवानी सक्षम प्रा**धिकारी,** सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रोंज, पूना ।

तारीख: 19-12-78।

प्ररूप माई०टी० एन० एस०---

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269 म (1) के मधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 सितम्बर/ 1978

सं० 17/श्रप्रैल/1978—यतः, मुझे श्रो० श्रानन्दराम ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- इत्ता से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० क्लेरमान्ट एस्टेंट है, जो कील्लीयूर गांव ग्रकाछ तालूक, सेलम डीस्ट्रीक्ट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब रजिस्ट्रार कार्यालय, एरकाड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-10--77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित्ती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में बास्तविक इप से किया नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त भिविनियम, के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। भौर/या
- (ध) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय माय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में शुविधा के लिए;

मतः भन, उक्त मिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त प्रमिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन, निस्मिसिखत स्पक्तियों, भर्मात्:— (1) श्री हारी जे० पेरीरा

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती मृतरा देवी श्रीर दो

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबग्र किसी सम्य व्यक्ति द्वारा, घष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त गड़वों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अथं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

132.99 एक्रस एसटेट भूमि, एरकाड तालूक, किल्लीयूर गांव में ।

> श्रो० श्रानन्दराम सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-I, मद्रास ।

तारीख ; 11-9-1978

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज I, मद्रास मद्रास, दिनांक 11 सितम्बर, 1978

सं० 18/ग्रप्रैल/78—यतः, मुझे ग्रो० ग्रानन्दम आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थातर सम्मिन, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से ग्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० क्लेरमान्ट एसटेट है, जो कील्लीयूर गांव एरकाट तालूक सेलम डिस्ट्रीक्ट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण क्प से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार कार्यालय, एरकाट में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 30-4-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से श्रिधक है श्रीर यह कि शन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त शन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उस भ्रिष्टिनियम के भ्रिष्टीत कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रोर/या
- (च) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) कुमारी भ्रलोसीया एच० पेरीरा

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती मूतरा देवी श्रीर दो

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भजन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब
 किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

42.74 एकरस एस्टेट भूमि, सेलम डीस्ट्रीक्ट, एरकाट तालूक, कील्लीयूर गांव में

> श्रो० श्रानन्दराम सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-I, मद्रास ।

तारीख : 11-9-1978 ।

प्रकृष भाई • टी • एन० एम०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की छ।रा 269म (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्वर्जन रेंज I, मद्रास मद्रास, दिनांक 15 सितम्बर, 1978

सं० 16/ब्रप्रेल, 78—यतः मुझे, श्रो० श्रानन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- इ॰ से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 11/97, 98, 99 है जो सेन्ट मेरीस रोड, को डैकानल में स्थित है (श्रीर इससे उपायब अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कोर्डनाल में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 18-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूम्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रइ प्रतिशत से धिक है धौर धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (अन्त-रितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया क्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त बन्तरण सिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के घंधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में इसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (आ) ऐसी किसी माय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धव, उक्त धिक्षितयम की धारा 269-म के धनुसरण में, मैं, उक्त धिष्ठितियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिखित व्यक्तियों, क्योत्:—

- (1) श्रीमती ग्रेस वारडेल
- (भ्रन्तरक)
- (2) श्री राजेश मलहोट्रा श्रीर ग्रनदर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में छे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवड़ किसी किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्वच्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कोडैकानल, सेन्ट मेरीस रोड, डोर सं०ॄं 11/97,98, 99 की भूमि श्रौर बिल्डिंग्स ।

> श्रो० श्रानन्द**राम** सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), ⁽श्रर्जन रेंज-^I, मद्रास

तारीख: 15-9-1978।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 ग्रन्सूबर 1978

सं० 5/ग्रप्रैल/ 78---यतः, मुझे ग्रो० ग्रानन्व राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र० से अधिक हैं। श्रौर जिसकी सं० 6/44 है, जो वाशिंगटन एवेन्यू, मद्रास-31 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पेरीयमेट, मद्रास (डाक सं० 269/78) में रजिस्द्रीकरण श्रधिनियम, (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 5-4-1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिमात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निन्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त ध्रिधिनियम के श्रिधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनिमय, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनिमय, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---4--416G1/78

- (1) श्री के एम जीयार्ज
- (भ्रम्तरक)
- (2) श्री माम्मेण चांडी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबग्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्वों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

घनुसूची

भूमि श्रौर घर, दो ग्राउण्डस श्रौर 1800 स्क्वायर फूट, 6/44, वाशिगटन एवेन्यू, मद्रास-31 में ।

ग्री० ग्रानन्द राम सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास ।

तारीख: 18-10-78

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 ग्रक्तुबर 1978

सं० 30/एप्रेक्ष/78—यतः मुझे, ग्रो० ग्रानन्वराम ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास' करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रीधक है

श्रौर जिसकी सं० 52 है, जो सबगीमूलू स्ट्रीट, मद्रास-1 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रानुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मद्रास नित (डाक सं० 1409/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 20-4-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिती) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी झाय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के झधीन कर देने के झन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; झौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या भ्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रधीत्:— (1) श्री हाजी मोहम्मद श्रीर पांच

(भन्तरक)

(2) श्रीमती एस० सूलैया मरीयम

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

भूमि श्रौर घर: 452, सवरीमूल स्ट्रीट, मद्रास-1 में

श्रो० श्रानन्दराम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्राम

तारीख: 12-10-1978

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, विनांक 12 ग्रक्तूबर 1978

निदेण सं० 7/श्रप्रैल/78—यतः मुझे श्रो० श्रानन्दराम प्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रुपए से श्रिधक है श्रीर जिसकी सं० ए/33 है, जो कीलपाक गार्डन कालणी, मद्रास-10 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय पेरीयमेट, मद्रास (डाकुमेंट सं० 312/78) में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 15-4-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास

पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रौर ग्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या मन्य म्रास्तियों, को, जिन्हें भारतीय म्रायकर म्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त म्रधिनियम या धन-कर म्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपामे में सुविधा के लिए;

भत: ग्रन, उस्त भिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उस्त भिधिनियम, की धारा 269-भ की उपधारा (1) के भिधीन निम्नलिखित क्यिस्तियों, अर्थात:— 1. श्री एस० डब्स्यू० कनगराज

(ग्रस्तरक)

2. श्री एल० तोयोर्ड

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों झौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसची

भूमि भौर घर, 1 ग्राउण्ड भौर 1786 एस० एफ०, ए/33, कीलपाक गार्डन, कालणी, मद्रास-10 में।

श्रो० श्रानन्दराम सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेज-1, मद्रास

तारी**ख** 12-10-78 **मोहर**ः प्ररूप भाई • टी • एन • एस • →

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की मारा 269 व (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 श्रक्तूबर 1978

निदेश सं० 11/अप्रैल/78—अतः मुझे श्रो० श्रानन्दराम आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है,

श्रौर जिसकी सं श्रमुसूची के श्रमुसार है, जो कीलतिरुतंगल गांव सिवकासी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सिवाकासी (डाकुमेंट सं 820/78) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 6-4-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कथ के दृश्यमान प्रतिफल के लिये भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भिधक है और भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच एसे भन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त भन्तरण बिखित में वास्तिषक इप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त अधि-नियम के मन्नीन कर हेने के मन्तरक के वाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या।
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी बन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, दिस्पाने में सुविधा के लिए;

अधा शव, उक्त श्रधिनियम की धारा 26% ग के श्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 26% म की उपचारा (1) के अधीम, निम्नसिखित व्यक्तियों, नर्वात् — 1. श्रीमती एच० लक्ष्मी ताई

(म्रन्तरक)

2. श्री अनील फयर श्रीरक्स

(ग्रन्तरिती)

को यह सूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अजैन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्काकरण: --इसमें प्रमुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रह्माय 20-क में परिकाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रह्माय में दिया गया है।

अनुसूची

1545 एकरस भूमि, सिवकासी, कीलतीरूतंगल, गांव में।

श्री० श्रानम्दराम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 26-10-78

मोहरः

प्रकप भाई• टी• एन• एस•--

भायकर मिश्रितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, संहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास मद्रास, दिनांक 26 श्रक्तूबर 1978

निदेश सं० 12/ग्रप्रैल/78—ग्रतः मुझे ग्रो० श्रानन्दराम आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से अधिक है

भीर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो कील तिरुतंगल, सिवाकासी में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिवकासी (डाकुमेंट सं० 821/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-4-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पढ़ ह प्रतिशत से शिषक है भीर मन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरिती (मन्तरित्यों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उच्त भन्तरण लिखित में बाहत- बिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की गायत उक्त शिक्ष-नियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायिस्त में कभी दरने या उससे अचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या घन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर घिष्टियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्टियम, या घनकर घिष्टियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

धतः धन, उक्त घधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं उक्त घधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के घधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थीत्:-- 1. श्री टी० हरीवास

(भ्रन्तरक)

 श्री पी० पालराजन श्रीर तीन, श्रनील फयर भ्रोरक्स (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त संपत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी पाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि
 बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों
 में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मे
 हितबद किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्कीकरण :--इसमें प्रयुक्त शन्दों घीर पदों का, जो उक्त घिनियम के घट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही घर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

26.90 एकरस भूमि श्रौर घर सिवकासी कील तिरुतंगल में।

ग्रो० ग्रानन्दराम सक्षम प्राघिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) अर्जैन रेंज-I, मद्रास

तारीख 20-10-78 मोहर: प्रकप भाई। टी। एन। एस।----

भायकर मिश्रित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 श्रक्तूबर 1978

निदेश सं० 6/अप्रैल/78—अतः मुझे थ्रो० आनन्दराम आयकर शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है और जिसकी सं० 7 है, जो हालम रोड, यगमूर, मद्रास-8 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय पेरीयमेट, (डाक्यूमेंट सं० 295/78) में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 12-4-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति फल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के ब्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी वन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्राधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त ग्रिधिनियम, या श्रमकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए;

सतः। प्रज, उनत प्रधिनियम की घारा 269भा के अनुवरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधीत्:— 1. श्री एस० संदन्तम

(भ्रन्तरक)

स्टांड

(मन्तरिती)

3. सिडीकेट बैंक

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के झर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भन्य स्थक्ति द्वारा, मधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20क में यथा परिभावित हैं, वही धर्य होगा, जो उस प्रध्याय में विया गया है।

अनुसू ची

भूमि श्रौर घर, 7, हालस रोड, यगमूर, मद्रास-8।

श्रो० श्रानन्दराम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-1, मद्रास ।

तारीख: 28-10-78

प्रकृप भाई० टी० एन० एस०----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 म(1) के झधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 श्रक्तूबर 1978

निवेश सं० 15 अप्रैल/ 78--यतः मुझे, श्रो० अनान्दराम भायकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत भविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- द० से मधिक है श्रीर जिसकी सं० जीन्नींग, फैक्टरी, है जो कृष्णन कोकील विल्लेज, श्री विल्लीपुत्त्र तालुक, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रीवील्लीपत्त्र (डाकुमेंट सं० 654/78) में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 10-4-78 को पर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के बुश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके बुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पम्ब्रह प्रतिशत से प्रधिक है और शस्तरक (प्रन्तरकों) और शस्तरिती (शस्तरि-तियों) के बीच ऐसे घन्सरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निशित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से करित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त स्रिक्षित्यम के भ्रमीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य बास्तियों को जिम्हें भारतीय धार्यकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधनियम, या धन-कर प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रव, उक्त अधिनियम की बारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-व की उपधारा(1) के अधीन, निम्तिजित स्थितियों, ग्रवीत्:— 1. श्री टी० नारायन स्वामी श्रीर ग्रन्य।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती श्रार० सरस्वती श्रम्माल श्रौर तीन

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षीर .--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी खा से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद पें समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी श्रवित दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्टोकरण :---इसमें अयुक्त शब्दों भीर पदीं का, जी उक्त अधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

भूमि श्रौर घर कृष्णनकोबील विलेज में।

ग्रो० ग्रानन्दराम सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज-I, मद्रास

तारीखा: 28-10-78

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

म्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार। 269-ध (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर न्नायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 श्रक्तूबर 1978

निदेश सं०31 /प्रप्रैल/78--यतः मुझे, ग्रो० ग्रानन्दराम म्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मूल्य 25,000/-रुपये से म्रधिक श्रीर जिसकी सं० 44 है, जो वीरप्पन स्ट्रीट, मद्रास-1, में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास उत्तर (शाकु० सं० 31/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 30-4-1978 सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सेकम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से स्रधिक है सौर मन्तरक (भ्रन्तरकों) भौर अन्तरिती (भ्रन्तरितियों), के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल निम्नलिखिस उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरण के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या मन्य झास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 69-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. श्री एस० डि० विमलचन्द सौकार

(ग्रन्तरक)

2, श्री टी० मानकचन्द

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भ्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भ्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ष्त अधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रथं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रीर घर, 44, वीरप्पन स्ट्रीट, मब्रास-1

श्री० श्रानन्दराम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर््युश्चायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, महास ।

तारीख: 28-10≇78

मोहरः

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2694(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्राम

मद्रास, दिनांक 31 श्रक्तूबर 1978

निर्देश सं० 21/अप्रैल/78—यतः मुझे, भ्रो० श्रानन्वराम, भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है श्रीर जिसकी सं० 174 है, जो मिंट स्ट्रीट, मद्राम-1 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्याक्षय मौकारपेट, मद्राम (डाकु-मेंट मं० 150/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 28-4-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृग्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्ब्रह प्रतिभत से अधिक है भीर अन्तरित (अन्तरितयों) भीर अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रिष्ठ-नियम के ग्रंभीन कर देने के अन्तरक के दायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; ओर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या ग्रन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिंती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री के० वेंकटनारायना और एक।

(ग्रन्तरक)

2. श्री बी० मोहनलाल।

(भ्रन्तरिती)

3. श्री देवकी गोविन्दराजूलू श्रौर पांच। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचमा के राजपन्न में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबढ़
 किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, बही भ्रयं होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

अमुसूची

भूमि और घर, 174, मिट स्ट्रीट, मद्रास-1, श्रार० एस० सं० 7275 में ।

ग्नो० भ्रानन्वराम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख 31-10-78 मोहर प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (2961 का 43) की धारा 269 (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर अयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 नवम्बर 1978

निदेण सं० 4/अप्रैल/78—यतः मुझे, ओ० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस का उच्चित बाजार मृत्य 25,000/-र• से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 15/16 है, जो कासा मेजर रोड, एगमूर, मद्राम-8 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण व्यिप से विणत है) रिजम्द्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पेरीयमेंट, मद्राम (डाक० सं० 264/78) में भारतीय रिजम्द्रीकरण श्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 3-4-78 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नदी किया गया है:—

- (क) झम्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, जक्त अधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/था
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर घिष्टिनयम, 1922 (1922 को 11) या उक्त धिष्टिनयम, या धनकर घिष्टि-नियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः धन्न, उन्त भ्रिष्ठिनियम की धारा 269म के धनुसरण में, में, उन्त भिर्धिनियम की धारा 269म की उपधारा (1)के भ्रधीन, निम्नलिखित स्पन्तियों भ्रषीत् :—— श्री टी० रामचन्द्रा, श्रीर एक

(भ्रन्तर्क)

2. श्री एच०पी० ए० इन्टरनेशनल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भो प्राक्षीय:---

- (क) इस भूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किपी अप कित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के भ्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, बही धर्ष होगा, जो उस ध्रष्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर घर , 15/16, कामा मेजर रोड, एगमूर, मद्रास-8 में ।

> श्रो० श्रानंदराम सक्षम प्रधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरी**भ**ण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 1-11-78

प्रदेष भाई० टी० एन० एस०--

मायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ध(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 नवम्बर 1978

निदेण सं० 2/श्रप्रैल/78—यतः मुझे, श्रो० श्रानन्दराम प्रायकर श्रिवितयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रीधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-स्पए से श्रीष्ठक है

स्रोर जिसकी सं० 66 है, जो अरमेनीयन स्ट्रीट, मद्रास-1, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय जे० एस० ग्रार० ग्रो०-1, मद्रासनति (डाकु० सं० 1304/78) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 10-4-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है श्रोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धिषक है और धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रुप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर घिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिधिनियम या घन-कर घिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भत: भव, उक्त भिक्षितियम की घारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त भिक्षितियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के भूधीन निम्निकित व्यक्तियों भवीत:---

- 1. श्री बी० एम० मोहम्मद् उमर मीवान साहेब श्रीर चार (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती पा० हेममालिनी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाह्यियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उस्त भिक्षितियम के प्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही भर्य होगा जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्रीर घर 2501 स्क्वेयर फुट, मद्रास-1, मूतीयालपेट, ग्रन्सेनीयन स्ट्रीट, डोर सं० 66 में।

ग्रो० ग्रानंदराम सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 8-11-78

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 नवम्बर 1978 निदेश सं० 34/प्रप्रैं०/78—यतः मुझे, ग्रो० ग्रानन्दराम ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रार० एस० सं० 328/2, है, जो ईतीहला गांव वीलनकोड, तालुका में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारों के कार्यालय कुमीलन (श्रकुमेंट सं० 1148/78) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन अर्जल, 1978 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित क गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरिती) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त आयकर ग्रिथिमयम 1961 (1961 का 43) के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (च) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए;

भतः भव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रमुसरण में मैं, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधीत्:—

1. श्री सोमन नायर श्रीर एक

(श्रन्सरक)

2. श्री सी० पी० श्रलीक्रूंजू

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं:

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भावेश:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना केगराजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्त क्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सपण्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त भिध-नियम, के प्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही भर्ष होगा, जो उस भध्याय में विया गया है।

अन् पुची

77 सेंट्स भूमि श्रौर झेड, ईतीहला, श्रांडीकोड गांव, वीलवकोड तालुक में।

> श्रो० श्रानन्दराम सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 30 नवम्बर, 1978

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यलय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 दिसम्बर 1978

निदेण स० 4722—यतः मुझे, टी० वी० जी० कृष्णामूरती, श्रायकर श्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त श्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्राधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित, बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रीधक है

संग्री किसकी सं० 12/151, है, जो ग्रोप्पनकार स्ट्रीट. कोयस्बट्र खीन में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय कोयस्बट्र, (डाकुमेंट सं० 1354/78) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जून 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत से ग्रिधक है भीर ग्रन्तरित (ग्रन्तरितयों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रिध-नियम, के अधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (■) ऐसी किसी भाष या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रंब, उत्तर अधिनियम की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-घ की उपभारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथांत:---

- 1. श्रीमती ग्रार० वासुकी
- (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीपी० शान्तिलाल

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाही करता हूं।

उक्त सम्पति के श्रर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की क्षारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्परदीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रविनियम के श्रष्ट्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं श्रथं होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि भ्रौर निर्माण 12/151, श्रोप्पनकार स्ट्रीट, कोयम्बटूर (डाक् $\hat{\mathbf{n}}$ ट सं० 1354/78) ।

टी० बी० जी० कृष्णामूरती, मक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, मद्रास ।

सारीख: 20-12-78

प्ररूप भाई० टी॰ एन॰ एस॰---

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 भ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, मद्रास

मद्राम, दिनांक 20 दिसम्बर, 1978

निदेश सं० 4701/—यतः मुझे, टी०बी० जी० कृष्णामूरती भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क• मे भ्रधिक है

श्रीर जिसकी सं 15, कमबर स्ट्रीट, है, जो महालिगपुरम, बोल्लाच्ची (हाफ शेर) में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पोल्लाच्ची (डाकुमेंट सं 1080/78) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित याजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिकात से प्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) प्रोर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रीरिक्त, निम्नलिखित उद्श्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक क्य से काबत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उन्स अधि-नियम, के घंडान कर देन के धन्तरक के बायत्व में कमी करने या उससे बनने में सुविधा के लिए। घीर/या
- (का) ऐसी किसी भाष या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाषकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर भिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तारिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

भतः भन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के भनु-सरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-मृकी उपधारा (1) के अधीत निम्तनिखित अविनयों, प्रयोत्:-- 1. डाकटर एम० रुकमनी

(अन्तरक)

2. श्री मैनर सी० रामनातन

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त संपत्ति के भ्राजेंस के संबंध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खासे 4.5 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओ भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मर्केंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शक्त भीर पदों का, जो उपत अधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

अमुसूची

भूमि ग्रौर निर्मान-15, कमबर स्ट्रीट, महालिंगपुरम, पोल्लाच्ची (हाफशेर) (डाकुमेंट सं० 1080/78)।

> टी० वी० जी० कृष्णामूरती, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, मद्रास ।

तारीख: 20-12-78

मोहरः

प्राक्तप भाई • टी • एन • एम • —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्राय्वत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, मद्राम

मद्रास, दिनांक 20 दिसम्बर, 1978

निदेश सं० 4701—यतः मुझेटी०, बी० जी० कृष्णामूरती आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गमा है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रु० से प्रक्षिक है,

श्रीर जिसकी सं० 15, कमबर स्ट्रीट. है, जो महालिंगपुरम, पोल्लाच्ची (हाफ शेर) में स्थित है (श्रीर इससे उपावड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय पोल्लाच्ची (डाकुमेंट सं० 1081/78) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रितकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह्म प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए क्षय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्शय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तरिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भिन्न नियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) एसी किसी भाग या किसी धन या अन्य भारितयों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भिधिनियम, या धनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुभिक्षा के लिए।

धतः अब उक्त धिधिनियम की घारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं उक्त धिधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के धीम निम्नलिक्षित व्यक्तियों धर्चात् :----

- 1. डावटर एस० रुकमणी
- 2. श्री श्रार० एम० एम० चेल्लप्पा चेट्टीयार (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संम्पत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहरनाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही श्रयं होगा जो, उस भ्रध्याय में दिया गया है।

भनुसृची

भूमि श्रीर निर्माण 15, कमबर स्ट्रीट महालिंगपुरम, पोल्लाच्ची (हाकषेर) (डाकुमेंट सं० 1081/78)।

टी० वी० जी० कृष्णामूरती, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, मद्रास ।

तारीख 20-12-78 मोहरः: प्रकप बाई • टी • एन • एस •----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) भी धारा 269ध (1) के घंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भायक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, मन्नास

मद्रास, दिनांक 20 विसम्बर, 1978

निदेण सं० 4798—यतः सुझे, टी० बी० जी० कृष्णामूरती आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त धिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० टी० एस० सं० 949/3 (पारट) है, जो रेस कोरम रोड, कोयम्बटूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 2414/78) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान श्रितफल के लिए शन्तरित की गई है और मृश्र यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल को, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर शन्तरकों) और अन्तरितों (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उन्तर भन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त श्रिक्त नियम के श्रधीन कर देने के शक्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐकी किसी भाय या किसी धन या भ्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिष्ठनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिष्ठनियम, या धनकर श्रिष्ठनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में सविधा के लिए:

क्षतः सबः, उक्त सिंधिनियम की बारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त सिंधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिस व्यक्तियों अर्थातः— मैसर्स सरोजा मिल्स लिमिटेड

(प्रन्तरक)

2. मैसर्स विरुदुनगर, टैक्सटैल मिल्स लिमिटेड (ग्रन्सरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :→

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामील से 30 दिन की श्रविध ओ भी श्रविध बाद
 में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
 से किसी व्यक्ति दारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित में हित-बद्ध किसी भन्य क्यिंति द्वारा, भ्रष्टोष्ट्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के श्रष्टमाय 20-क में परि-भावित हैं वही धर्म होगा, जो उस ध्रश्माय में दिया गया है।

ग्रमुस्ची

भूमि टी॰ एस॰ सं॰ 949/3 (पारट) रेस कोरस रोड, कोयम्बट्टर, (डाकुमेंट सं॰ 2414/78)।

> टी० वी० जी० कृष्णामूरती, सक्षम प्राधिकारी, स**हायक आयकर आयुक्**त (निरीक्षण), धर्जन रेंज, मद्रास ।

तारीख:20-12-78

प्रकप भाई । टी । एन । एस • ------

आयकेर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के घंघीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 दिसम्बर, 1978

निदेश सं० 4751—यतः मुझे, टी० वी० जी० कृष्णामूरती प्रायकर प्रधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- द० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 28/336, है, जो बिग बसार स्ट्रीट, कोयम्बट्ट्र में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कोयम्बट्टर (डाकुमेंट सं० 1697/78) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रस् प्रतिकात घिक है घीर घन्तरक (घन्तरकों) घीर अन्तरिती (घन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त घन्तरण निखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिश्चित्यम के ग्रिश्चीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी माय या किसी धन या घम्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय माय-कर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधिनियम, या घन-कर प्रसिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

पतः धव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) अज्ञोत, निश्निविधित व्यक्तियों, अर्थात् :---6--416 G1/78 ए० बालमुख्रमनियम ग्रीर ए० कारतिकेयन

(म्रन्तरक)

2. श्री एम० सुन्दरमूरती

(ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजंन के लिए कार्ये**शहि**यां करता हुं

उनत सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उभत स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
 किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
 में किए जा सकेंगे ।

स्पव्यक्तिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही पर्य होगा को उस घट्याय में दिया गया है।

धनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण 28/336, विग बसार स्ट्रीट, कोय-म्बट्र ।

> टीं० बीं० जीं० कृष्णामूरती, सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रज, मद्रास ।

तारीख 20-12-78_] मोहरः प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

अध्यकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-थ(1) के ग्रिधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 दिसम्बर, 1978

निदेश सं० 4751—यतः मुझे, टी० वी० जी० कृष्णामरती आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त धिवियम' वहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम एाधिकारी को यह बिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से धिक है श्रीर जिसकी सं० 28/709, 710, 711 है, जो बिग बाजार स्ट्रीट, कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपबंख श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 1698/78) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्ष्य में कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्बद्ध प्रतिशत ग्रधिक है और ग्रन्तरक (ग्रम्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधिनियम, के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी घन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या घन-कर श्रधिनिथम, 1957 (1957 का 27) के प्रशेजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

प्रव: प्रब, उन्त अधिनियम की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उन्त ग्रिधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के ग्रिधीन निम्नालिखित क्यक्तियों, अथित :---

श्री एम० सुन्यरमूरती

(भ्रन्तरक)

2. श्री ए० बालसुत्रमनियम श्रौर ए० कारतीकेयन (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन के सिथे कार्यवाहियां करता है।

उनत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (दा) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के
 पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों हा, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रथं होगा जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

अनुस् ची

भूमि श्रौर निर्माण 28/709,710,711 विग बाजार स्ट्रीट, कोयम्बट्र (डाकुमट सं० 1698/78)।

> टी० वी० जी० कृष्णामूरती, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण), ग्रर्जन रेंज, मद्रास ।

तारीख 20-12-78 मोहर: प्ररूप भाई• टी० एन० एस•--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, विनांक 20 दिसम्बर 1978

निदेश सं० 4723—यतः मुझे टी० वी० जी० कृष्णामूरती आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार मृख्य 25,000/- रूपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 7/27-28 श्रीर 29 है, जो श्रोलडू पोस्ट श्राफिस रोड, कोयम्बटूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है (रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 1375/78) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह् प्रतिशत श्रधिक है और भन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उच्छ भन्तरण लिखत में वाश्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त ग्रीधिनियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कभी करन या उससे बचने में सुविधा के सिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राव या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर ग्रिश्चित्यम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रिधिनयम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ग भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात्:--

- 1. श्री II श्रठीष्नल सब श्रारिडनेंसड जडज, कोयम्बट्टर (श्रन्तरक)
- 2. श्री जी० वनबाकयम ।

(अन्तरिती)

3. होटल मुनियांडी विलास

(बहु व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षण :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाव में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में से किसी क्यकित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 जिख्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त प्रान्दों श्रीर पदों का, जो उक्त जिन्न नियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं प्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण 7/27, 28 ग्रौर 29, ग्रोल्ड पोस्ट श्राफिस रोड, कोयम्बट्टर (डाकुमेंट स० 1375/78)।

> टी० वी० जी० ऋष्णामूरती सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ता**रीख**: 20-12-78

प्रजन रज, मद्राभ

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेज

मद्रास दिनांक 20 दिसम्बर 1978

निदण स० 4696—यतः, मुझे टी० वी० जी० कृष्णमूर्ति,

पायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स प्रधितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/- व्यये से प्रधिक है भीर जिसकी सं० टी० एस० सं० 1158/3/28/2 है, जो लाकिष्मनगर एकसटनष्नु, तिरुपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यक्षम, तिरुपुर डाक्मेंट सं० 711/78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है धौर अन्तरक (धन्तरकों) भौर धन्तरिती (धन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त मधि-नियम, के भधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठिनयम, या धनकर भिष्ठिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः, घब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनु-सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात :--

- (1) श्री पी० रामस्वामी (भ्रन्तरक)
- (2) श्री के० एन० सुज्ञमनियम (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी झाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण टी० एस० सं० 1158/3/28/2 लकष्मिनगर एकसटनषन, तिरुप्पूर, (ठाक सं० 711/18)

> टी० बी० जी० क्रुष्णमूर्ति सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख 20-12-1978 मोहर: प्ररूप घाई० टी० एन० एस०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को घारा 269 घ (1) के अधीन मूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक अग्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज

मद्राम, दिनांक 20 दिसम्बर 1978

निर्देण सं० 4681—यतः, मुझे टी० वी० जी० कृष्णामूर्ति आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इनमें ध्रसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 196, बवांनि मेथिन रोड है जो पेरुनड्रेर (हाफ बेर) मे स्थित है (और इससे उपावद्ध मे और पूर्ण रूप से विणित है). रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय ईराड् (डाकूमेंड सं० 1276/78 में भारतीय

रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिवत बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे सृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे सृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिणत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के भीत एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सें हुई किसी आय श्री बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में पुविधा के लिए; धौर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) (1) श्री पाप्पयम्माल (2) ई० वी० कृष्णन (3) ई० वी० रामस्वामी (ग्रन्तरक)
 - (2) श्री ई० अर० कूमारस्वामी दी० कोयमबहुर मारकेडिंग कमिटी पेरुनडूरे (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त भस्पति के ग्रार्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी ध्राक्षय: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्यद्र किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रमुक्त शब्दों स्रौर पदो का, जो उक्त श्रधिनयम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

भूमि थ्रौर निर्माण 196, बवानि मेषिन रोड़ पेरुनडूरै (डाक्मेंट सं० 1276/78)

टी० वी० जी० क्रष्णामूर्ति सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 20-12-78

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (15₀1 का 43) की धारा 269घ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर प्रायुवत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, मङ्रास

मद्रास, दिनांक 20 दिसम्बर 1978

निद्या सं० 4687, यतः मेझे, टी० वी० जी० कृष्णमति आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 196, बंबानि मेयनि रोड, है, जो पेरुनडूरें (हाफ बेर) में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबज में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ईरोड (डाक्समेंट सं० 1277/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत जिक्त ग्रिधिनियम के ग्रंधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी ध्राय या किसी धन या ध्रन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर ग्राधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्राधिनियम या धन-कर भ्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उन्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उन्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) धाधीन निनलिधित न्यक्तियों, श्रमीब्:---

- (1) (1) पाप्पयम्माल (2) ई० बी० कृष्णन (3) ई० कॅ० रामस्त्रामी (ग्रन्तरक)
 - (2) श्री० बी० एस० षनमुकसूतरम पौडार श्रौर कमपेनि (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी भ्रवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबढ़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर निरमान 196 बवानि मेथिन रोड़, पेवनडूर (ठाक सं० 1277/78)

> टी० वी० जी० कृष्णनमूर्ति सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजंग रेंज, मद्रास

तारीख: 20-12-1978 मोतृर:

प्ररूप घाई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर बायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० 4772, — यतः मुझे, टी० बी० जी० इंट्यामूर्ति धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- दें से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 196, भवानि मैथिन रोड है, जो पेरुनदुरै (हाफ षेर) में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, इरोट (डाकुमेंट सं० 2452/78) में भारतीय

रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरिक (प्रन्तरिकों) ग्रौर प्रन्तरिती (स्रग्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में प्रस्तिक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) घन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त धिव-नियम के घंधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी घन या प्रस्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अब, उनत श्रीधिनियम की घारा 269म के श्रन्क सरण में, में, उक्त श्रीधिनियम की धारा 269 म की उपसारा (1) के श्रीधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रामीतः—

- (1) श्री ई० द्यार० कुमारस्वामी (प्रन्तरक)
- (2) श्रीवी० सी० वेंकाटाचलम (अन्तरिती)
- (3) दी० कोयमटूर भारकेट्टी कमिट्टी पेरुनदुरें (बह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त संपत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में अकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचन। की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खासे 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रस्थ व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पथाकरण: --- इसमें प्रयुक्त मन्दों और पदो का, जो उन्त श्रिष्ठितियम के ग्रह्माय 20-क में परिभाषित है, वही श्रथं होगा, जो उन ग्रह्माय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण 196 बवानि मेयिन रोड, पेरुनदुरैं (हाफ षेर), (डाक्मेंट सं० 2452/78)

टी० बी० जी० कृष्णमूर्ति सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, मद्रास

तारीख 20--12-78 मोहर : प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2.69-व(1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज

दिनांक 20 दिसम्बर् 1978

निदण मं० 4772, —यतः, मुझे टी० बी० जी० कृष्णम्ति,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इममें इसके पश्चास 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 196, बवानि मेथिन रोड है, जो पेक्नदुरै हाफ पेर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, ईराठ (ठाकूमेंड सं० 2488/78

में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके पृथ्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) झन्तरण से हुई किसी झाय की बाबत उबत प्रधिनियम के मर्झान कर देने के झन्दरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; झौर/या
- (वा) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उन्त भिधिनियम की धारा 269 की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित ध्यक्तियों भवीत्।—

- (1) श्री श्री० एस० पनमुहसुन्धर घोन्ठर और कगपेनि (ग्रन्तरिक)
 - (2) श्री बी० सी० बेंकडचलाम (ग्रन्तरिती)
- (3) सर्वर्धा दीं ० कोयमबटूर मारकेटींग कमिटी पेरुनदुरैं (वह व्यक्ति जिसके स्रिधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मुखना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, ग्रद्योहस्ताक्षरी के पास िखा में किये जा सकोंगे।

स्पब्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

भूमि श्रौर निर्माण 196, बवानि मेथिन रोड, पेरुनदुरैं (हाफ पेर) (टाकमेंड सं० 2488/78)।

टीं० वी० जी० कृष्णमूर्ति सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख 20-12-1978 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

ग्रायकर ग्रिधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्या तय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भुवनेश्वर

भुवनेश्वर, विनांक 6 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० 78/78-79/ब्राई० ए० सी० (ए०/ब्रार०) की० की० एस० ब्रार०—-ब्रतः, मृक्षे कि० मिश्र,

श्रायकर श्रिष्ठित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिष्ठीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रिष्ठिक है

श्रीर जितकी संब्होलिंडिंग नंब 25 है, जो नयासड़क कटक में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जिला सब-जिस्ट्रार कटक में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 908 (1908 का 16) के श्रिधीन

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) मौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उबत अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्सरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय गा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उन्त श्रधिनियमं की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उन्त श्रधिनियमं की धारा 269-ग की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों, श्रथील:----7---416GI/78

- 1. श्री गंगाराम धापोलिया, पि० तुठमल धापोलिया (ग्रन्तरक)
 - 2. श्री ओ० प्रकण धापोलिया (धन्तरिती)
- 3. श्री सप्पवे पी० बाबुलाल धापोलिया (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ता कि से 45 दिन की श्रविध या तस्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति बारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरग:--इसमें प्रयुक्त शन्दों ग्रीर पदों का जो उन्त ग्रिधिनयम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उम ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

जिसन और मकान कटक शहर नियासरक में स्थित है उसका होलडीं नं० 25 है। वह जभीन कटक जिला सब रिजिस्ट्रार झाफिस में 24-5-78 तारिख में रिजिस्टर हुआ, जिसका बाकुमेन्ट नं० 3893 है।

बी० सिश्र सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, भुवनेवण्र

तारीच 6-12-78 मौहर: प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भुवनेश्वर

भ्वनेश्वर, दिनांक 21 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० 80/78-79/आई०ए०सी० (ए०/ग्रार०)वी०बी० एस० ग्रार०----ग्रत:, मुझे बि० मिश्र, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्वात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार-मुल्य 25,000/- रुपये से भ्रधिक है भ्रौर जिसकी सं० होलडीं नं० 10/1 है, जो विच रोड ग्रार० गोपालपुर एन० ए० मि० में स्थित है (श्रोर इससे उपाबढ ग्रनुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार छन्नपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 26-4-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत प्रतिफल से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) भीर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरक के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत झन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के श्रिधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उनत श्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उनत श्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथित :——

- 1. श्रीमती (1) रेणुक दे, स्त्रामि एस० के० दे०
- (2) किष्ण चान्द्र दे पिता एस कें ० दें ० (ग्रन्तरक)
- 2. (1) भ्रन्तर्यामि पाणिग्राहि, पिता वि० पाणिग्राहि,
- (2) गान्तीलता साह स्वामि भ्रार० सि० साह,
- (3) उषाराणी पन्डा, स्वामि डि॰ पन्डा (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त-सम्पत्ति के म्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी म्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के माध्यम 20-क में परिभाषित है, बही भ्रष्टें होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

जिमन और मकान बिच रोड भ्रार० गोपालपुर एन० ए० सि० बार्ड नं० 1 में स्थित है। उसका हेलडीं नं० 10/1 है, वह जमीन छत्नपुर सब रिजस्ट्रार भ्राफिस में 26-4-78 सारिख से रिजस्टर हुआ जिसका डाकुमेंण्ट नं० 1753 है।

बी० मिश्र ससम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भुवनेश्वर

तारीख 21-12-1978 मोहर: प्ररूप ग्राई॰ ढी॰ एन• एस•---

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मामुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 जून 1978

निदश सं० प्रर्जा०/63/फर्रूखाबाद/78-79/2016—-प्रतः मुझे प्रार० पी० भागंव :

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रशीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय फरुखावाद में, रिजस्ट्री-करण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख श्रभैल 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये ग्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से धिक है भीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितयों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्मसिखित उद्देश्य से खक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) धन्तरण से हुई किसी मान की नानत जनत प्रक्ति प्रिंति नियम, के घन्नीत कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भ्रम्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया भाना चाहियेथा, छिपाने में सुविधा के निए।

भतः प्रव, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के भ्रामीम निक्तिवित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री राम सागर पुत्र सेवा राम, श्रहण प्रकाश पुत्र रामपाल व सुमन स्त्री श्रहण प्रकाश निवासी ग्राम खदौली पो० खास पर० खटखटमऊ जि० फर्हुखाबाद (श्रन्तरक)
- 2. श्री राम प्रकाश पुत्र अक्रपाण व श्रीमती भाडिली देवी स्त्री रामप्रकाण निवासी हरकमपुर जिला फर्रूखाबाद (अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की संबंधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की संबंधि, जो भी संबंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शक्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही घर्ष क्षीगा, जो उस शक्याय में दिया गया है।

प्रमुस्ची

श्रचल कृषि सम्पत्ति 7-121 एकड़ स्थित ग्राम हरकमपुर जिला फर्रुखाबाद 45000 में बेची गयी।

> श्रार० पी० भार्गव सक्षम <mark>प्रधिकारी</mark> स**हायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)** ग्रर्जन रेंज, कानपूर

तारीख: 28-6-1978

मोइरः

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एम०—— ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्राधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 26 जुलाई 1978

निदेश श्रर्जन /22/आगरा/78-79—श्रतः मुझे, एल० एन० गुप्ता ,

भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि सम्पत्ति, जिसका स्थावर 25,000/-रुपये से अधिक है मल्य ग्रौर जिसकी सं० है सथा जो में स्थित है (फ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुभूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिअस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भ्रागरा में रजिस्दीक रण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृथ्यमान प्रसिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रसिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रसिफल का पन्द्रह प्रसिशत से स्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिशी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रसिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) प्रग्तरण संदुई किसी आय की बाबत उक्त, श्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों को, जिहें, भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः, भन, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत् :----

- 1. श्री, रामसरन दास पुत्र ला० गोपालदास निवासी 6/253 बराहपुरा बेलनगंज, श्रागरा (श्रन्तरक)
- 2. श्री देवकी नंदन पुत्र गयामीराम, राम स्वरूप, बनवारी लाल, ओम, प्रकाश, केवार नाथ व मुरेश चंत्र पुत्र देवकी नंदन निवासी 6/250 बराहपुरा बेलनगंज प्रागरा। (ग्रस्तरिती)

को यह भूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्रक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपव में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गृह सम्पत्ति नं० 6/253 बराहपुरा बेलनगंज, ग्रागरा 150000) में बेची गयी।

> एल० एन० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) (ग्रजंन रेंज),कानपुर

ता**रीख** : 26-7-78

प्रारूप धाई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

फानपुर, दिनांक 26 जुलाई 1978

निर्देश सं० प्रजेंन /35/भोगांव/78-79—- स्रतः मुझे एल० एन० ग्रता

न्नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के सभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 ह० से मिनिक है

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (श्राँर इससे उपाबद्ध अनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भोगाँव में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रप्रैल 78

1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल 78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्मान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक हम से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई भाय किसी की बाबस उक्त भिक्षिनियम के भ्रमीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य व्यक्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थभ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब, उन्त प्रधिनियम की धारा 299-ग के ग्रनुसरण मे, मैं उन्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत:—

- 1. श्रीमती सुणीला सक्सेना विधक ऋषण चन्द्र सक्सेना व योगेण कुमार सक्सेना अशोक कुमार सक्सेना पुत्राण स्व० श्री कृष्णचन्द्र सक्सेना निवासी नगला भवानी भोगांव जिला मैनपुरी। (श्रन्तारक)
- श्री बिशुनदयाल, रामसस, गंगारारन व झम्मन लाल निवासी चौधरी श्रोहतला भोगांव जि० मैनपुरी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी
 श्रवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:—
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख़ में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबढ़ किसी म्रान्य व्यक्ति द्वारा, म्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सपष्टीकरण:-- इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनु सूची

कृषि भूमि 8 दशमलव 82 एकड़ स्थित भोगाँव व महावतपुर भोगाँव जिला मैनपुरी 44100/- में बेची गयी।

> एल० एन० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), (ग्रर्जन रेंज), कानपुर

सारीख: 26-7-1978

प्ररूप आई० टी॰ एन०एस०----

ग्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के भाषीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 26 जुलाई 1978

निदेश सं० भ्रर्जन | 47 | भर्थना | 78-79 | 2147 — भ्रतः मुझे एल० एन० गुप्ता

कायकर क्षधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ए॰ से श्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भर्थना में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रमेल 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य मे कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है भीर घन्तरक (घन्तरकों) और घन्तरिती (घन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) श्रम्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त भाषितियम के अभीन कर देने के भ्रष्तरक के दायित्व में कमी करने बा असीर बचने में सुविधा के लिए। भौर/या
- (ख) एसी किसी प्राय या किसी घन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें मारतीय भाय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भिधिनियम, या धन-कर प्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विषया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री नरेण चन्द्र पुत्र राम स्वरूप निवासी सरमईनगर परगना भर्यना जिला इटावा (ग्रन्तरक)
- 2. श्री राधािकणन पुत्र काणीराम निवासी भाऊपुरा ग्राम डीग डा० रामधर, पुर्विजय मिंह, विजय मिंह, राम प्रकाण पुत्राण मिश्रीलाल व नाथूराम पुत्र मुहरमल सिंह रछपाल मिंह, हरपाल सिंह, श्रीपाल मिंह व रामबीर सिंह पुत्र भगवत दयाल श्री लाल पुत्र सरदार सिंह निवासी सारिया डा० सरमई परगना भर्थना जिला इटावा। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी घाक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की धविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य ब्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

स्पारकी करण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घोर पदों का, जो उनत प्रधिनियम के घटपाय 20क में तथा परिभा-वित है, वहीं मर्थ होगा जो उस घटपाय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि 11 दणमलव 68 एकड़ स्थित भर्यना जिलाइटावा 40000/- में बेची गयी।

> एल० एन० गुप्ता सक्षम प्रधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) (भ्रर्जन रज), कानपुर

तारीख: 26-7-78

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०————— ग्रायकर ग्रिविनयम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

> श्चर्जन रेंज, कानपुर कानपुर,दिनांक 20 मितम्बर 1978

निदेश मं० भ्रर्जन/32/गा० बाद/78-79—भ्रतः मुझे बी० मी० चतुर्वेदी,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं है तथा जो में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजिस्ट्री-कर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय गाजियाबाद में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 18-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है श्रीर यह श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रिष्ठिनियम के भ्रष्ठीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रिधीत् :--- 1. श्री बृजलाल खुद साझेदार मे० एवरेस्ट फाउन्ड्री ए.ण्ड इलेक्ट्रिक कं० गाजियाबाद निवासी 86, गुप्ता कालोनी जी० टी० रोड गाजियाबाद व में० एवरेस्ट फाउन्ड्री एण्ड इलेक्ट्रिक कं० मुकन्दनगर हापुड़ रोड़ गाजियाबाद साझेदार बुजलाल, मुरेन्द्र कुमार पुत्र बुज लाल। (श्रन्तरक)

2. मे० बाबूराम श्री चन्द कवाडी 151 चांदपुरी सिहानी-गेट गाजियाबाद हारा श्री हरीचन्द गृप्ता पुन्न बाबूराम.। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रवल सम्पत्ति भूमि व भवन क्षेत्रफल 1162-5 वर्ग गण नं० 142 बी० मुकन्दनगर हापुड़ रोड गाजियाबाद 95000/-में बेची गयी।

> बी० सी० चतुबदी, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) (भ्रर्जन रेंज), कानपुर

तारीख: 20 सितम्बर 1978

प्ररूप आई० टी • एन • एस • − − −

म्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ू भ्रजीन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 25 सितम्बर 1978

निदेश सं० भ्रार्जन / 25 श्रागरा / 78-79—यतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के भिधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (श्रौर इससे उपाश्व श्रमूस्ची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधि कारी के कार्यालय श्रागरा म, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 27-4-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत ग्रिक्त है और पन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वत उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में यास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने के सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उम्त भिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुर्विधा के लिए;

अतः अन, उन्त भिधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपघारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यात् !--- 1. श्री बासदेव लाल व रामनिरंजन लाल पुत्राण आनंद राय निवासी बड़ा भाई गली बेलनगंज श्रागरा

(ग्रन्सरक)

2. श्रीमती विभला देव स्त्री प्रकाश चन्द्र श्रीमती उर्मिला देवी स्त्री सत्य प्रकाश श्रीमती गीता देवी स्त्री सुभाष चंद व श्रीमती सुमन गुप्ता स्त्री काली चरन सभी निवासी नार्थ विजय नगर कालोनी जिला ग्रागरा

(ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त गम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्वत्ति में हितनड किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पड्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के शब्दाय 20-क में परिमाणित हैं, वही अर्थ होना, जो उस भव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रचल सम्पत्ति भूमि व भवन नं० 6/352 कोठी केवल महाय बेलनगंज श्रागरा 130000 में बेची गयी

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज , श्रहमदाबाद

तारीख: 25-9-1978

मोहरः

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-स (1) के ग्रधीन यूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 26 सितम्बर 1978

निदेश सं० ग्रर्जन/33/झांसी/78-79---ग्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कत्ती ग्रधिकारी के कार्यालय झांसी में रजिस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 15-4-78 को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुश्यमान प्रतिकल के लिए ग्रन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और ग्रन्तरक (अन्तरकों) ग्रोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निइनलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय को बाबत उक्त अधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; भौर/मा
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर भिंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उनत श्रष्टिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उनत श्रष्टिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्याक्तयों, अर्थीत्—
8—416GI/78

- 1. श्री राय साहब विश्विमत, राजेन्द्र नाथ व जगदीश प्रसाद पुत्रगण राय साहब जानकी प्रसाद, निवासी 5 सदर वाजार जिला झाँसी (ग्रन्तरक)
- श्रीमती हरकती स्त्री हरीराम ग्रग्रवाल, निवासी 4
 पुरानी कोतवाली जिला झांसी (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वाक्त सम्पति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा.
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित है किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, . वही श्रर्थ होगा जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्रचल सम्पत्ति भूमि व भवन नं० 103 क्षेत्रफल 5321 वर्ग फुट व नं० 107 क्षेत्रफल 541 वर्ग फुट स्थित पुराना पासरठ जिला झांसी 50000/- में बेची गयी।

> बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज, कानपुर ।

तारीख: 26-9-1978

प्ररूप ग्राई• टी• एस• एस•---

अध्यक्तर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269घ(1) के ग्रधीन सूक्षना भारत सरकार

कार्यानप, महायक भ्रायकर <mark>भ्रायुक्त (निरीक्षण)</mark>

ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 26 सिसम्बर क़978

निदेश नं० श्रर्जन /37/कानपुर/78-79-श्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'ज्ञ्द अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- कि मे अधिक है

श्रीर जिसकी सं० अनुसूची के श्रनुसार है तथा जो श्रनुसूची के अनुसार स्थित है (श्रीर इससे

उपाबद्ध ग्रानुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्त्ता ग्राधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन तारीख 4-4-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिक्षत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) ग्रस्तरण से हुई किसी भाय की आवत उक्त ग्रिक्षित्यम, के ग्रामीन कर देने के ग्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या प्रत्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भाषकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, याधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में मुविधा के लिए;

ग्रत श्माब, उक्त मिधिनियम की बारा 269 ग के प्रमुसरण में, में, उक्त मिधिनियम की धारा 269 व की उपबारा (1) के मधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, भवाँत् ः→-

- 1. श्री राम किसन कासीवाल पुत्र स्वर्गीय श्री इन्द्रराज कासीवाल निवासी 128/17 एच० सी० ब्लाक किदवई नगर कानपुर (श्रन्तरक)
- 2. श्री प्रेमचन्द कासीवाल, चेतनलाल कासीवाल, राजेन्द्र कुमार कासीवाल व पुरुषोत्तमदास कासीवाल पुत्राण बृषभान कासीवाल व श्रीमती समिमनी देवी स्वी बृषभान कासीवाल सभी निवासी 128/17 एच० मी० ब्लाक किदवई नगर जिला कानपुर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इ.स. सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी ध्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नकेंगे।

स्पब्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रवल सम्पति भूमि ध भवन नं० 28/17 एव०-2 ⊜लाक किदबई नगरकानपुर 55000/-में बेजी गयी।

> बी०सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायंक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 26-9-978

प्रारूप भाई० टी० एन० एस०---

म्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 26 सितम्बर 1978

निदेश नं० ऋर्जन/60/ग्रमबरपुर/78-79——श्रत: मुझे बी० सी० चतुर्वेदी,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- कु से श्रिधिक है और जिसकी संव अमुसूची है तथा जो अनसूची में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर प्णं क्प मे विणित है). रिजस्ट्री-कर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय कानपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख

7-4-78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती-(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिधक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के भन्तरक केदायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या घ्रन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या घन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्ः ---

- 1. श्री ऋन्दन लाल पुत्र बल्लभ प्रसाद निवासी भोग-नियापुर पो० व परगना ग्रकबरपुर जिला कानपुर (श्रन्तरक)
- 2. श्री पुलसी राम पुत्र दुलारे निवासी मिलिक मोह-।
 म्मदपुर पो० व परगना अकबरपुर जिला कानपुर व रामलाल
 पुत्र लोकई, सुखवासी, प्यारेलाल व हनूमान पुममण परमसुख
 निवासी श्राम बलभद्रपुर पो० व परगना अमबरपुर जिला
 कानपुर। (श्रन्तरिती)
 को यह सुजना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जनके
 लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: —-इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रचल कृपि सम्पत्ति 7 बीधा 14 बिस्वा 11 बिस्वासी स्थित ग्राम भोगनियांपुर परगना श्रमबरपुर जिला कानपुर 39500 में बेची गयी।

> बी०सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रजैन रेज, कानपुर ।

तारीख: 26-9-78

प्ररूप भाइं० टी० एस० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 265-घ (1) के अधीन स्घना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर कानर, दिनांक 9 श्रमतुबर 1978

निदेश सं० श्रर्जन/99/फिरोजाबाद /78-79---श्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269+ख के अधीन सक्षम शिक्षिकारी को बह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व∘ से भिधिक है

श्रीर जिसकी सं० अनुसूची के श्रनुसार हे दथा जो अनुसूची के श्रनुसार में स्थित है (श्रीर उससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय फिरोजाबाद में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 7-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्र बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित का गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्र बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह् प्रतिवात से प्रधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया ए

- (क) ग्रन्तरण में हुई किसी ग्राय की बाबत 'जबत भिर्धानयम' के ग्रशीत कर धने के शक्तरक ते वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या घन्य घास्तियों की जिन्हें भारतीय घायकर घांधानियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त घांधानियम, या धन-कर घांधानियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में श्विधा के लिए;

शतः श्रम, उन्त प्रश्नित्यन, हो धारा 269-म के अनुसरण में, में, उन्त प्राधानयन की धारा 269-घ की कपन्नारा (1) के अधीन निम्नक्षिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्रीमती तथो देवी पत्नी स्वबंदाम सिंह निवासी मोहल्लानंज कस्त्रा फिरोजाबाद जिला श्रागरा (अन्तरक)
- 2. जमना सहकारी गृह निर्माण समिति लि॰ फिरोजाबाद जि॰ ग्रागरा द्वारा श्री हरी श्रोम प्रकाश पुत्र मदन लाल निवासी चिगामल, फिरोजाबाद जि॰ श्रागरा (अन्तरिती)

को यह सुभना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जुन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इय सूचना के राजपत्न नें प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 50 दिन की अनिध, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा मकेंगे।

स्पद्धोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दा भीर पदों का, जो उन्त श्रिधितयम के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही सर्थ ठोगा, जो उस ध्रध्याम में दिया गया है।

अनुसूर्या

प्लाट जिसका क्षेत्रफल 13 बीघा, 1 विस्वाग्नीर 19 विरचंसी है जो कि गांव सुखमलपुर, फिरोजावाद जि० श्रागरा में स्थित है। जिसका हंस्तातरण 2,00,000/- में हुन्ना है।

बी० सी० चतृर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रा**युक्त (निरीक्षण**), स**जैन रेंज, कानपुर**।

ता**रीख:** 9-10-78

प्रस्प शाई० ी० एन० एस•---

आयकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 268 घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 नवम्बर 1978

निदेश सं० 50/भ्रार्जन/कानपुर/ 78-79—भ्रतः मुझे, विजय भागव,

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स्व के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री-कर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय कानपुर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 4-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तिन्ति की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का भारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उत्तित शजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है भीर घन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तिन्ती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निशिखत उद्देश्य से उन्त घन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से किन्त नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसा मात्र को बावत, उन्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसा किसा धाय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन कर घिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गथा या विया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

भतः प्रव उक्त मिश्चित्यमं की धारा 289-गं कं प्रतुसरण में, मं उक्त प्रधितियमं की धारा 269-थं की उपधारा (1) के अधीन निभ्नसिक्ति व्यक्तियों, प्रयत्ः—

- 1. श्रीमती णकुन्तला भसानी 51 लोधी स्टेट नई दिल्ली (श्रन्तरक)
 - 2. श्री विकास मोहन गुप्ता 3/242 विशुपुरी कानपुर (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं 2 में है (वह क्यक्ति जिसके स्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

बन्त सम्यन्ति के प्रार्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील मे 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खारे 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, सधोहस्ताक्षरी के पास सिख्यत में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों भीर पदी का, जा उन्ध अधिनियम क अध्याय 20-क में परिभाषत हैं, वही भयं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

दो मंजिक्षी इमारत स्थित 4/276 बी० (ग्राधा भाग) पुराना कानपुर 2000/- में बेची गयी जिसका कि बाजारी मृत्य 230700) है।

> विजय भार्गव, समक्ष प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, कानपुर,

तारीखा: 4-11-78

प्ररूप माई० टी० एन० एस०

भायकर मधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर भायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 8 नवम्बर 1978

निर्वेश सं० 53/म्रर्जन/कानपुर/ 78-79/4167—-श्रतः मुक्षे विजय भागैन

भ्रायकर भ्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-भ के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपयं से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० तथा जो अनुसूची में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 7-4-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रिक है ग्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्या नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की वाबत उक्त श्रीव्रितियम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या भन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: मब, उक्त मिन्नियम की धारा 269—ग के ममुसरण में, भैं, उक्त मिन्नियम की धारा 269—म की उपधारा (1) के ममीन निम्निलिखत व्यक्तियों मर्यात्:—

- 1. श्रीमती इन्द्रा साब्निस स्त्री स्व० डा० ती० एस० साविन्स निवासी 3/6 विश्वनुपुरी कानपुर (श्रन्तरक)
- 2. मे॰ यू॰ पी॰ सेल्स एण्ड मरविम लि॰ लाइण रोड कानपुर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः इसमें प्रयुक्त णब्दों भ्रौर पदों का, जो उक्त अधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनसची

एक मंजिला बंगला क्षेत्रफल 343 वर्ण मी० स्थित 3/6 विश्नुपुरी कानपुर 175000 में बची गयी जिसका कि बाजारी मूल्य 277400 है।

विजय भार्गव, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 4-11-1978

प्ररूप भाई • टी • एन • एस •

भायकर ग्र**धिनिय**म, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-**घ** (1) के **मधी**न सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 नवम्बर 1978

निर्देश सं० 45/श्रर्जन/कानपुर/78-79—श्रतः मुझे, विजय भार्गव,

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'जनस अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारग है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- द० में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 18-4-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वात से प्रधिक है, धौर अन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत सकत अधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रश्तरक केदायित्व में कमी करनेया उससे अचने में सुविधा केलिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिश्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः ग्रम, उस्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के प्रमु-सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिजित व्यक्तियों, अर्थातुः ---

- 1. श्री मदनलाल कपूर पुत्र श्री हरीराम कपूर 117/ 560 पाण्डुनगर, कानपुर (श्रन्तरक)
- 2. श्री कुन्दन लाल भाटिया, पूरल चंद भाटिया, सुभाषचंद भाटिया पुत्र श्री विशनदाम भाटिया, श्रीमती मुषमा भाटिया स्त्री चरन दास भाटिया 120/397 साजपतनगर, कानपुर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की भवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबढ़ा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त धिधिनयम, के धन्याय 20-क में परिभाषित हैं वही भने होगा जो उस भन्याय में विया गया है।

प्रनुसूची

जमीन का टुकड़ा नं० 381 क्षेत्रफल 721 वर्ग गआ चारों सरफ बाउन्ड़ी बनी हुयी स्थित एल इलाक काकादेव 80000/- में बेची गयी जिसका कि बाजारी मूल्य 10700/ है।

> विजय भागंव, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 4-11-1978

प्ररूप प्राई • टी • एम • एस • −--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन गुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, कानपूर

कानपुर, दिनांक 21 नवम्बर 1978

निदेश सं० 1160/देदून/78-79—श्रतः मुझे, विजय भागव,

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- इ॰ से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० अनुसूची के श्रनुसार है तथा जो श्रनुसूची के श्रनुसार में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 18-4-78

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यनापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रहें प्रतिश्वात से मधिक है भौर मन्तरिती (अन्तरितीं) के बीच ऐसे मन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उद्देश्य के अन्त मन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घम्य प्रास्तियों को जिन्हें, भारतीय धायकर श्रिवनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिवनियम, या घन-कर श्रिवनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ यक्तियी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए या, छिपान में भ्विधा के लिये;

श्रत: ग्रव, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रिक्षित्यम की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्थक्तियों, श्रयंति:—

- श्री प्रीतम सिंह पुत्र एस० भगवान सिंह नि० प्रीत निवास सुभाष नगर मजरा एरिया पोस्टल क्लेमेन्ट टाउन, देहरादून (श्रन्तरक)
- 2. श्री जुगल किशोर, सोहन लाल पुत्र स्वर्गीय राम रक्षपाल नि० भगत निवास क्लेमेन्ट टाउन, देहरादून (ग्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवादियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्रन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस मृचना के राजपल में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मृचना की नामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करे 45 दित के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ दिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकेंगें।

स्पड्डोकरण: -- इममें प्रयुक्त गड्दों और पदों का, जो उश्त अधिनियम के अभ्याय 20-क में परिमाणित है, वही भ्रषं होगा, जो उस ग्रह्याय में दिया गया है।

अमुसूची

गृह सम्पत्ति स्थित सुभाष नगर मजरा एरिया पोस्टल क्लेमेन्ट टाउन, देहरादून 65,000/- के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

विजय भागंव, स**क्षम प्राधि**कारी, महायक आयकर आयु**क्त (निरीक्षण**). ग्रर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख: 29 नवम्बर 1978

प्ररूप भाई० टी• एन० एस०----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के सधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 24 नवम्बर 1978

निदेश सं० 1890/कानपुर/78-79—श्रतः मुझे विजय भार्गव,

धायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपय से श्रिधिक है

भ्रौर जिसकी सं० मूची के भ्रनुसार है तथा जो सूची के भ्रनुसार में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 17-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निसित्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण किशिक्त में वास्तरित रूप से किश्वा नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रस्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भ्रधिनियम के अधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी मार्य या किसी धन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में स्विधा के लिए;

धतः भव, उक्त भिधितियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त भिधितियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीत तिस्तलिखत व्यक्तियों, भर्षात्:—
9-416GI/78

- श्री मेमर्स ई० एम० सी० वक्स श्री एस० के० मलहोत्रा नि० 251 एन० पी० सी०, लाजगत नगर, कानपुर (ग्रन्तरक)
- 2. श्री भीम सेन धवन नि॰ 120/457 लाजपत नगर कानपुर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उनत श्रिधिनियम के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस श्रद्ध्याय में विया गया है।

असुसूची

प्लाट स्थित नरायनपुरवा (लाजपत नगर) कानपुर 61,000 के विकय मूल्य में बेचा गया।

> विजय भार्गव, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख: 21-11-1978

प्ररूप माई० टी॰ एन० एस०----

भायकर घ्रिघिनियम, 1961 (1961 का 43) की

घारा 269ध (1) के धर्मीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर स्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन *रें*ज, कानपुर

कानपुर, धिनांक 27 नवम्बर 1978

निर्देश सं० 100/मर्जन/फिरोज(बाद/78-79—मत: मुझे विजय भागव,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उमत प्रधिनियम' महा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रिधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची है तथा जो अनुसूची में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय फिरोजाबाद में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908, (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 12-4-78 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बोच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक हम्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भविक नियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए, भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: भ्रब, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-न के श्रनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- 1. श्री गंगाप्रसाद पुत्र काकेराम निवासी ग्राम ललऊ, फिरोजाबाद जिला ग्रागरा। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री सोहनसिंह, प्रताप सिंह, दयाराम पुत्रगण श्री भोगीलाल निवासी ग्राम भाई मजरा मौजा रहना, फिरोजाबाद, श्रागरा। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की मन्निया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की मन्निय, जो भी मन्निया बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भधि-नियम, के भध्याय 20क में परिभाषित हैं, बही भर्य होगा जो उस भ्रष्ट्याय में विया गया है।

भ्रमुसूची

कृषि भूमि स्थित मौजा ललऊ, फिरोजाबद, जिला ग्रागरा 31500/- में बेची गयी जिसका कि मूल्यांकन 75000 किया गया है।

> विजय भार्गव, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, कानपूर।

तारीख: 27-11-1978

भक्ष भाई। टी। एन। एस।----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 8 दिसम्बर 1978

निदेश सं 1850/गाजियाबाद /78-79—श्रतः मुझे विजय भागव,

प्रायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25000/- रुपए संग्रीक है

न्नौर जिकी सं० सूची के अनुसार है तथा जो सूची के अनुसार में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन तारीख 29-4-1978

को पूर्वे कित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिये भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती
(भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तम पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भन्तरण लिखित में
बास्त्रविक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रस्तरण से हुई िन्सी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिश्चित्यम के ग्रिश्चीन कर देने के ग्रस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने म सुविधा के सिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐनो किसी प्राय या किसी धन या ग्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत ग्रिधनियम, या धन-कर ग्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रश्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, खिपाने में युविधा के लिए;

भ्रतः धन उन्त अधिनियम की घारा 269-ग के सनुसरण में, में, उक्त पधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) निम्निलिखित व्यक्तियों, के अधीन भ्रमीत्:—

- 1. श्री मेंसर्स कुमार फार्मासि उटिकल वर्क्स (प्रा०) लिमिटेड कोटला रोड फिरोजाबाद (ग्रन्तरक)
- श्री मैनर्स यूनिकेम लैंबोरेटरीज लि० सी० 32 इन्डस्ट्रियल एरिया मेरठ रोड गाजियाबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की प्रविध या तत्त्वसम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रभ्य व्यक्ति द्वारा, प्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्योकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर वदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के घट्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस ग्रह्माय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फैक्टरी मशीनों सहित 4,15,000) के विकय मूल्य में एवं 5,29,000) के शुद्ध बाजारी भल्य में बेची गयी।

विजय भार्गक सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारी**ख** : 8-12-1978

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०-

आयकर म्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 8 दिसम्बर 1978

निदेश मं० 2700/बु० शहर/7879—श्रतः मुझे विजय भार्गव,

ष्मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृ्ल्य 25,000/-रुपए से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सूची के श्रनुसार है जो सूची के श्रनुसार में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय बुलन्दशहर में, रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीज 13-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भिष्ठक है और यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरकों) भौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबल उक्स अधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुकिक्षा के लिए;

म्रत: भ्रव, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:--

- श्री इकबाल मेहदी पुत्र श्री विलायस ग्रली नि० ग्रीरंगाबाद जिला बुलन्दशहर (ग्रन्तरक)
- 2. श्री चिरंजी सिंह, श्रमीचंद, लाल सिंह हरी सिंह निवासीगण श्रौरंगाबाद जिला बुलन्दशहर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूजना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबदा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित ह, वहीं अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

क्रिप भूमि स्थित ग्राम ग्रौरगाबाव जिला बुलन्दगहर 59,000), के विक्रय मूल्य एवं 75,000) के शुद्ध वाजारी मूल्य में बेची गयी।

विजय भार्गव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रज, कानपुर

तारीख: 8-12-1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 13 दिसम्बर 1978

निदेश सं० 65/श्रर्जन श्रतरौली/78-79/4553—श्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी,

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त भ्रधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से भ्रधिक है

स्रौर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (श्राँर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधि-कारी के कार्यालय अतरौली में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 25-4-1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिगत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिगत संप्रधिक है श्रौर अन्तरक (अन्तरकों) श्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्रायकी बाबत, उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण म, में, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रर्थात्:—

- 1. श्री चम्पाराम पुत्र श्री सालिंग व ग्रन्य निवासी ग्राम नगला गिरधरपुर मजरा नाल पो० खास ग्रतरौली जिला ग्रलीगढ़ (ग्रन्तरक)
- 2. श्री कुन्दन सिंह पुत्र हिमाचल सिंह खुशीराम पुत्र बीरबलसिंह निवासी नगलिया मजरा सिनहानी, फरीदपुर, श्रतरौलीजि॰ ग्रलीगढ़। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
 किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रघोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क, में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

कृषि भूमि स्थित मौजा नाह, ग्रतरौली जिला ग्रलीगढ़ 44,116/- में बेची गयी जिसका कि उचित बाजारी मूल्य 74000/-है।

> बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, कानपुर

सारीख: 13-12-78

प्ररूप ग्राई० टी० एन• एस०----

आयक्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 14 सितम्बर 1978

सं० 788—यतः मुक्षे, एन० के० नागराजन आप्रकर ग्रिशिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिशीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- क० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 391 है, जो मंगलागिरी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गुन्टूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 19-4-78

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रितिफल के लिए प्रश्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मति का उचित बाजार मूल्य, वसके दूश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है, भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिश्वनियम के श्रिशीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविश्वा के लिए; भौर/या
- (का) ऐसी किसी आग या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं धन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

वतः ग्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के स्थीन, निम्नलिखिन स्थिक्तयों, अर्थात्:-- (1) श्री वि० शनमुखराव (2) वि० वेंकटाराव (3) वि० गिरिकिशोर, मंगलागिरी ।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री वि० जगनमोहनराव, मंगलागिरी । (स्रन्तरिती)
- (3) श्री उडता वीरास्वामी, मंगलागिरी। (वह व्यक्ति जिसके ब्रिधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजंन के लिए कार्बवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्तिके ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षीप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यांक्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

श्वब्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रिधिनियम, के भ्रष्टवाय 20-क में परिभाषित हैं बही अर्थ होगा, जो उस भ्रष्टवाय में दिया गया है।

अनुसूची

गुन्टूर रजिस्ट्री स्रधिकारी से पाक्षिक श्रंत 30-4-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1326/78 में निगमित श्रनुसूची संपत्ति ।

> एन० के० नागराजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजंन रेंज, काकीनाडा।

दिनांक: 14 सितम्बर 1978

प्ररूप भाई • टी • एन • एस •----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269 म (1) के मधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 14 सितम्बर 1978

सं० 789—यतः मुझे, एन० के० नागराजन आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- इपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 391 है, जो मंगलागिरी में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबंद श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्री-फर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, गन्दूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधित्तयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 12-4-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पण्डह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरित में अधिक है और अन्तरित (अन्तरित में अधिक है और अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या भ्रम्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त भश्चिनियम की घारा 269 ना के अनुसरण में, उक्त भश्चिनियम, की घारा 269 क की उपश्चारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:— (1) श्री वि॰ मनमुखराव (2) वि॰ वेंकटाराव (3) वि॰ गिरी किशोर, मंगलागिरी ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जि० पुष्ताराव मंगलागिरी

(ग्रन्तरिती)

(3) श्री उडता वीरास्वामी, मंगलागिरी । (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में संपत्ति है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के प्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचमा की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी घवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्बीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रबं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

गुन्दूर रजिस्ट्री भ्रधिकारी से पाँक्षिक भ्रांत 15-4-78 में पंजीकृत दस्ताबेज नं० 1256/78 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति।

> एन० के० नागराजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, काकीनाडा ।

दिनांक: 14 मितम्बर 1978

प्ररूप धाई० टी • एन • एस • ---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के प्रधीन भूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्र**जै**न रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 13 ग्रक्तूबर 1978

सं० 810—यतः मुझे, एन० के० नागराजन
आयकर ध्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्वावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रुपए से अधिक है
धौर जिसकी मं० 31-33-33 है, जो बैजाग में स्थित है
(ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण क्ष्प से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन
तारीख 19-4-78
को पूर्वीकत सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रति-

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छहेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) अस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उबत अधि-नियम, के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर प्रश्चितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रश्चितियम, या धन-कर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धन, उनत अधिनियम की धारा 269-म के धनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपश्रारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- (1) श्री बि० श्रदिनारायण, बि० थायम्मा, वैजाग। (श्रन्तरक)
- (2) श्री जि॰ रामाराव, जि॰ लिलतामणि, वैजाग । (अन्तरिती)

को यह सूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पनि के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाधीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उन्त श्रिक्षित्यम के भव्याय 20क में परिभावित है, वहीं प्रार्थ होगा जो उस शब्याय में विया गया है।

प्रनुसूची

वैजाग रजिस्ट्री श्रधिकारी से पाँक्षिक श्रंत 30-4-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2198/78 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति।

> एन० के० नागराजन, मक्षम ग्रधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजेन रेंज, काकीनाडा।

दिनांक: 13 धक्तूबर 1978

प्रकप आई० टी० एन • एस • ---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की घारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 16 ग्रक्तूबर 1978

सं० 811—यतः, मृझे, एन० के० नागराजन श्रायकर शिंधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स शिंधिनयम' कहा गया है), की श्रारा 269-ख के शिंधीन सक्षम शिंधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/— रु• से शिंधक है

श्रीर जिसकी सं० 693/1 हैं, जो विजयवाड़ा में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाधक श्रमुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) श्रधीन के दिनांक 24-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दृश्यभान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कियागया है:——

- (क) अभ्यारण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के ब्राधीन कर देने के ब्रग्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भागकर भिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) श्री पी० एस० चिनाय, हैंदराबाद। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री एम० विठलराव, विजयवाङ्ग । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के प्रज्ञैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उरत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी ख ते 45 दिन की धविष्ठ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविष्ठ, जो भी अविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी करे 45 वित्र के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, मधोइस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सर्वोगे ।

स्पन्धीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उन्त धिनियम के श्रष्टवाय 20क में परिभाषित हैं, बही धर्य होगा, जो उस धन्याम में दिया गया हैं।

अनुसूची

विजयवाड़ा रिजस्ट्री म्रिधिकारी से पॉक्षिक म्रंत 30-4-78 में पंजीकृत दस्ताबेज नं० 1768/78 में निगमित म्रनुसूची संपत्ती।

एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी स**हायक श्रायक**र **श्रायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेज, काकीनाडा

दिनांक: 16-10-1978

मोहर ;

पारूप आई०टी०एन०एस०-

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्मेन रोंग, काकीनाडा काकीनाडा, दिनांक 16 प्रश्तूबर 1978

सं० 812 — पतः, मुझे, एत० के० नागराजन,
आयकर श्रधितिया, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्तात् 'उक्त श्रधितियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थातर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- र० से श्रधिक है

श्रीर निमकी सं० 1450/1 श्रीर 1111 है, जो कारूपरती में स्थित है (श्रीर एममे उपात्रह अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्री हर्ती श्रीधकारी के कार्यालय, श्रामनाझोलु में रिजिस्ट्री करण श्रविनिधम 1908 (1908 का 16) के श्रवीन दिनांक 26 श्रवीन 1978

को पूर्विति समात्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से यधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बोच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्तलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रधिनियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में गुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय मा किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती ढारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रवं, उक्त श्रधिनियमं की धारा 269-म के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1) के श्रशीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:---

- (1) 1. जि॰ सिवराम 2. जि॰ श्लीनियासा मूर्ति 3. जि॰ कामेस्वर 4. जि॰ कृष्णवेनम्मा, जनगोल। (अन्तरक)
- (2) 1. एम० ऋष्ण मूर्ती 2. एम० वेंकटेस्वरम्मा, पेदागंजाम। (भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्मम्बन्धी व्यक्ति ों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी श्रविध बाद में समात्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की ता खि से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के
 पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्यायम दिया गया है।

अनुसुची

ग्रम्मनाम्रोलु रजिस्ट्री श्रिधिकारी से पॉक्षिक श्रंत 30-4-78 में पंजीकृत दस्ताबेज सं० 158/78 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति ।

> एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेज, काकीनाडा

दिनांक: 16-10-1978

प्ररूप ग्राई॰ टी॰ एन॰ एस०-

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 16 ग्रक्तूबर 1978

सं० 813-यतः मुझे, एन० के० नागराजन ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- इ० से अधिक है स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुस्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रम्मनाबोल् में भारतीय रजिस्ट्रांकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ऋधीन दिनांक 26-4-1978 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है, ग्रीर यह कि ग्रन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरितिया) कं बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण में । लिखित बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम, के भधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व मे कभी करने पाउससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव उन्त ग्रिधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण मं, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269 च की उपधारा (1) के अधीन निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री जि० सिवराम, (2) जि० श्रीतिवासामूर्ती (3) जि० कामेस्वर (4) जि० कृष्टणवेनम्मा, उनगीलु । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री/श्रीमती सी० एच० रामालक्षम्मा (2) सी एच० सुसीला (3) के० सत्यन्नारायण , पेदागनजाम (अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के जिए कार्यवाहियां करता है।

उनत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी धर्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रांर पदी का, जो उक्त ग्रिधिनयम, के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रथं होगा जी उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रम्मनब्रोल रजिस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक श्रंत 50-4-78 में पंजीकत दस्तावज नं० 157/78 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति ।

एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 16-10-78

प्ररूप भाई० दी० एम० एस०---

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के श्रधीन सूचना

> भारत सरकार कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, काकीनाडा

काकीनाष्टा, दिनांक 17 श्रक्तूबर 1978

सं० 815--यतः मझे एन० के० नागराजन श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है ग्रौर जिसकी मं० 1450/1 ग्रीर 1120/1 ग्रीर 2 है, जो कारूपरती में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता फ्रिटिकारी के कार्यालय, भ्रम्भनाम्राल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-4-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और धन्तरक (ध्रन्तरकों) घौर भ्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त ग्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं फिया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनयम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धनकर ग्रधिनियम, या धनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः प्रब, उन्त अधिनियमे की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथांतु:——

- (1) श्री जि० सिवराम (2) जि० श्रीनिथासमूर्ती (3) जि० कामेस्थर (3) जि० कृष्टणवेनम्मा उनगोषु (ग्रन्तरक)
- (2) श्री एम० सुरेण चीराला (ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा जो उम ग्रध्याय में दिथा गया है।

अनुसूची

श्रभ्माक्रोलु रिजस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक श्रंत 30-4-78 में पंजीकृत दस्ताबेज नं० 156/78 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति ।

> एन० के० नागर।जन सक्षम प्रधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, काकीनाडा

नारीख: 17-10-78

प्रकप धाई० टी० एन० एस०----

मायकर शिव्यमिम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269 व(1) के अधीन सूचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, काकीनाश

काकीनाडा, दिनांक 17 ग्रस्तूबर 1978

सं2 816—स्यत: मुझे एन० के० नागराजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- द० से प्रधिक है

और जिस भी सं० 1450/1 है जो कारूपरती में स्थित है (ऑर इससे उपाबद अनुमूची में और पूर्ण रूप से वीणत है) रिज़स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अस्मनाशेलु में भारतीय रिज़स्ट्रीकरण अधिनिएम, 1908 (1908 का 18) के अधीन दिनांक

- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भिधक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरित्ती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उका भन्तरण लिखित में बाग्तविक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है :—
 - (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उनत प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
 - (का) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धाय-कर घिष्टिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्टित्यम, या धन-कर घिष्टित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथे घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भता प्रव; उनत प्रधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उनत प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्निचित अपनितयों, प्रयात् :--

- (1) श्री जि॰ भिवराम (2) जि॰ श्रीनिवासमूर्ती (3) जि॰ कामेस्वर (3) जि॰ कृष्टणवेनम्मा, उनगोलु (श्रन्तरक)
- (2) श्री एम० म्ब्नाथ चीराला।

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त संपत्ति के भवंत के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा घंधोतृस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के भध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

श्रम्मनाकोलु रजिस्त्री श्रधिकारी हे पाक्षिक श्रंत 30-4-78 में पंजीकृत दस्तावेज तं० 150/78 में निगमित श्रनुभूची संपत्ती।

> एन० के० नागराजन सक्षय प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज, काकीना डा

दिनांक: 17 श्रयतुवर 1978

प्रारूप श्राई० टी० एन० एस०--

श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेज, काकीन।डा

काकीनाड़, दिनांक 17 श्रवत्वर 1978

स० 817--यतः मुझे, एन० के० नागराजन

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से श्रिधिक, और जिस की संव 183/3 है, जो विजयवादा में स्थित है (श्रीर इसमे उवाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्ष्य से बाणत है), रिजरट्टी-करण श्रिधिकारी के बार्यालय, विजयवादा में भारतीय रिजस्ट्टी-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक श्रिपेन 1978 को

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार महयसे कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्तिरित की गई है धौर मझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (श्रन्तरकों) और अन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देग्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम, के श्रधीन कर देने के उक्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य व्यक्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये:

श्रतः, श्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत:—

(।) श्री पी० मोहनामूर्ती (2) पी० वैधनायम्र्ती (3) पी० जीवनामूर्ती, विजयवाडा ।

(अन्तरक)

(2) इज्डिया फोटो मौन्टम विजयवाडा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां णुरू करता हूं।

उक्त सम्पति के श्रर्जन के संबंध म कोई भी श्राक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समात होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकते।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो इस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री श्रधिकारी से पक्षिक श्रंत 39-4-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं 1671/78 में निगमित श्रनुश्ची संपत्ति ।

> एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

विनांक : 17 ग्रन्तुबर 1978

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख (1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

> कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजन रेज, काकीनाडा

काकीनाशा, दिनांक 17 श्रवतुबर 1978

मं० 818----यत:, मुझे, एन० के० नागराजन, आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है।

श्रीर जिसकी सं० 662/2 श्रीर 1059 है, जो नदिगामा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नंदिगामा में भारतीय रिजर्ट्री-करण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रदीन, दिनांक 10-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है ग्रीर अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने से भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसा किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

श्रतः श्रब उनत श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में; मै उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्निलिखत व्यक्तियों, श्रर्थात्:—

- (1) श्रीमती एल० लब्सीदेव-मा, पेनितिकलादिश्चे । (श्रस्तरक)
 - (2) श्री ि० वेंकटा सुखाराव, नंदिगामा । (श्रन्तरिती)
 - (3) श्री जी० महनेस्वरराव नंदिगामा (वह ध्यक्ति जिसके अधिकोग में संपत्ति है)

को यह सूचना करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोह्स्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पदों का, जो उनस ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-म में परिभाषित में है, वहीं भ्रर्थ होगा, जो उस भ्रध्याय दिया गया है।

श्रनुसूची

नंदिगामा रजिस्ट्री श्रधिकारी में पाक्षिक श्रंत 15-4-78 में पंजीकृत दस्ताबेज सं० 608/78 में निगमित श्रनुसृत्री सपत्ती ।

> एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) एम० वि० श्रर्जन रेंज, काकीनाज

दिनांक : 17 श्रयतूबर 1978

प्ररूप आई०टी० एन० एस०---

आयकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-थ (1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायक्षर भायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 20 अक्तूबर 1978

सं० १२०--- यतः, मुझे, एन० के० नागराजन, मधिनियम, 1961 (1961 **কা 43**) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के भघीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रुपये से ग्रधिक है श्रीर जिसकी सं० 43 है, जो पेदापल्ला में स्थित है (श्रीर इतसे उपितद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय श्रालामुरू में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908का 16) के ग्रधीन दिनांक श्रप्रैल 78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत से ग्रधिक है गीर मन्तरक (मन्तरकों) भौर मन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) झन्तरण से हुई किसी झाय की बाबत उक्त भ्राधिनियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रस्तरक के दाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (छ) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या भ्रम्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधनियम या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

धत: भव, उक्त श्रधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-ण की उप-घारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अपिक्तयों, मर्घाद:—

(1) श्रीमती जी० सीतादेवी, पहापल्ला

(अन्तरक)

(2) श्रीमती श्रार० मंगायम्मा गुम्मिले ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वो≉न सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भविष,
 जो भी भविध बाद में समाप्त होसी हो, के
 भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
 दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद्य में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति
 में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

श्रालमुरु रिजस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक श्रंत 30-4-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं 432/78 में निगमित अनुसूची संपत्ती।

एन० के० नागराजन स**क्षम प्राधिकारी** स**हायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)** एम० वि० श्रजन रंज, का कीनाडा

दिनांका : 20 श्रक्त्वर 1978 ।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के भ्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, काकीलाडा काकीनाडा, दिनोक 20 प्रक्तूबर 1978

सं० 821—यतः मुझे एन० के० नागराजन आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

भौर जिसकी सं 36/1 श्रीर 34 है, जो पिनापल्ला में स्थित है (श्रीर इसते उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रालमूक् में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनाँक श्रप्रैल 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से धिषक है भीर मन्तरक (प्रन्तरकों) और भन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स धाध-नियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घोर/बा
- (च) ऐसी किसी ग्राय या किसी श्रम या श्रम्य ग्रास्तियों को, जिम्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिश्चित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिश्चित्यम, या ग्रम कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरिती ग्रारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मन, उक्त मधिनियम की घारा 269-ग के मनू-सरण में मैं, उक्त मधिनियम की घारा 269-च की उपवारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्गात्:— 11—416GI/78 (1) थी एम० रामाचन्द्रराव, पेवापहला ।

(शन्तरक)

(2) भी जे० वोखिकटा मध्यक्षारायण चौदारी पेशपल्ला। (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रन्नोहस्ताक्षरी के पापु लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम के घट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म्रालमूरू रिजस्ट्री म्रधिकारी से पाक्षिक मृत 30-4-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 431/78 में निगमित म्रनुसची संपत्ती।

> एन० के० नागराजन सक्षय भ्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) एम वि भ्रर्जन रेंज : काकीनाडा

दिनांक: 20 भ्रक्तूबर 1978।

प्ररूप भाई॰ टी॰ एन॰ एस०-

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ध (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

> कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 20 श्रक्तूबर 1978

सं० 822—यतः मुझे, एन० के० नागराजन धायकर धिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त धिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के धिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका चित्त बाजार मृत्य 25,000/- क्पण् से धिधक है.

श्रीर जिसकी सं० 32/2 में 7 है. जो पिनपल्ला में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण ख्या से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रालमूख में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, विनांक श्रश्रैल 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उश्वित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिये प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कार ग है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जित्त बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धिक है भीर धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिश्य में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को जिम्हें भारतीय भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत भ्रिधिनियम या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उनतं ग्रधिनियमं की धारा 269-गं के ग्रनुसरण में मैं, उनतं ग्रधिनियमं की धारा 269-घं की उपघारा (1) के अधीन निम्नतिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:--- (1) श्री एम० रामचन्द्राराव पेदापल्ला

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती जी० सूर्यलल्मी पेदापल्ला

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी घाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारील मे 45 विन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हिलबढ़ किसी मन्य स्पक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पृष्वीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त धिधिनियम, के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में विया गया है।

अनुसूची

भ्रालमूरू रजिस्ट्री अधिकारी से पाँक्षिक श्रंत 30-4-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 430/78 में निगमित श्रनुसूची संपत्ति।

> एन०के०नागराजन सक्षम श्रधिकारी सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) एम० वि० श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक: 20-10-1978

प्ररूप आई० टी० एन० एस∙-

मायकर मिषिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

काय निय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 20 श्रक्तूबर 1978

स० 823—यतः मुझे एन० के० नागराजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है

ष्ट्रीर जिसकी सं० 43 श्रीर 44/2 है, जो पेदापल्ला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रालमुक्त में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनांक श्रश्रैल 1978

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रनिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है;

- (क) ग्रस्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रशीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अध्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः प्रव, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित अ्थिक्तयों, ग्रथीत्:—- (1) श्रीमती जी० सीतादेवी, पेदापल्ला

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती एम० सरोजनी गुम्मिलेख

(ग्रन्तरिती)

को यह सूत्रना जारो करके पूर्वोकत सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति क अर्जन के पंबंध में कोई भी आधिष :---

- (क) इप सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी श्रविधि बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इंग गूचना के राजपव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पान निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त सक्दों श्रीर पदों का जो उक्त यधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, बही सर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रीलमुरू रजिस्ट्री श्रधिकारी में पॉक्षिक श्रंत 30-4-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 433/78 में निगमित श्रनुसूची संपत्ती।

> एन० के० नागराजन सक्षम प्रधिकारी सहायक भ्रायक्षर भ्रायुक्त (निरीक्षण) एम० वि० भ्रर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक: 20-10-1978

प्ररूप भाई० टी • एन • एस • ----

नायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनाक 28 प्रक्तूबर 1978

सं० 824—यतः मुझे एन० के० नागराजन बायकर अभिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सबाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- द० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 5-25-16 है, जो गन्टूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, गुन्टूर म भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 19-4-78 को

को पूर्वोक्त संपत्ति के जियत बाजार मूल्य से कम के धृष्टयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मूक्ब, उसके बृष्टयमान प्रतिफल से ऐसे वृष्ट्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत प्रधिक है और प्रम्तरक (प्रग्तरकों) गौर प्रम्तरित (प्रम्तरितियों) के बीच ऐसे प्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रम्तरण लिखित में बास्त्विक क्य के कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी घन या घन्य आहिसयों को जिन्हें भारतीय आयकर श्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भीधनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चादिए चा, खिणानें में सुविधा के लिए;

श्रतः ग्रव, उक्त ग्रविनियम की घारा 269ग के भनुसरण में, में, उक्त ग्रविनियम की धारा 269व को उपघारा (1) के ग्रवीन; निम्निकित व्यक्तियों, अर्जात:— (1) श्रीमती वै० राजेस्वरी , गन्दूर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रार० गोपी चन्द्र, गुन्टूर

(भ्रन्तरिती)

(3) लक्ष्मी महिला को-श्रापरेटिव सोसायटी लिमिटेख, (2) धांति कटपीसेस , गुन्टूर

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के धर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति डारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवड़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भन्नोहस्ताक्षरी के पास निकात में किए जा सकोंगे।

स्पाक्तीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही भर्ष होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

अमुपूची

ँगुन्दूर रजिस्द्री श्रधिकारी से पॉक्षिक श्रंत 30-4-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1313/78 में निगमित श्रनुसूची संपत्ती।

> एन० के॰ नागराजन सक्षम श्रधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) एम वि श्रर्जन रेंज काकीनााडा

दिनांक: 28-10-1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज,काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 8 नवम्बर 1978

सं० 825—यतः मुझे एत० के० नागराजन
गायकर ग्रिश्चित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिश्चित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के ग्रिश्चीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रुपए से ग्रिश्च है

श्रीर जिसकी सं० 1टी एस० 76 है, जो बैजाग में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, बैजाग में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 6-4-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पार गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मत: मब, उन्त मिसिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उन्त मिसिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के मिसीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री भंबटी रामाकृष्टण रेड्डी, ऊलपल्ली।

(मन्तरक)

(2) श्री मथुरा प्रसाद रती, (2) ओम प्रकाश रती पुरिलिया (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त श्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

हरव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रीधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

बैजाग रजिस्ट्री ग्रधिकारी से पाक्षक ग्रंत 15-4-78 में पंजीकृत बस्तावेज नं० 1833/78 में निगमित

> एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, काकीनडा

दिनांक: 8 नवम्बर 1978

मोहरः

प्ररूप श्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰-

भायकर मधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 8 नवम्बर 1978

सं० 826 यतः मझे एन० के० नागराजन ग्रायकर ग्रीविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त ग्रीविनयम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रावीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से ग्रीविक है.

श्रीर जिसकी सं० 361/2 हैं, जो बोब्बिली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित ह), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बोब्बिली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 26-4-78 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत्त के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्स श्रिभित्यम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धनकर ग्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

भ्रतः ग्रब, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त भिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के भ्रभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रणीतः :—

- (1) श्री डी० वेणुगोपाला वेंकटेस्वरराव (2) म्रार० सूर्यप्रकाश राव म्रलाजंगी।
 - (भ्रन्तरक)
- (2) श्री जी० सूर्यनारायण बोब्बिली

(भ्रन्तरिती)

(3) वेंकटेस्वरा वेनसाप बोब्बिली(वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग सें संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेंन के सम्बन्ध कोई भी ग्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किमी अन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे ।

स्ववदीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रथें होगा जो उस भध्याय में विया गया है।

अनुसूची

बोब्बिली रजिस्ट्री से पाक्षिक श्रंत 30-4-78 म पंजिङ्कत वस्ताबेज नं० 1584/78 में निगमित श्रनुसूची संपत्ती।

एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक: 8 नवम्बर 1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 8 नवम्बर 1978

सं० 827 यतः मुझे एन० के० नागराजन
श्रामकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चाम् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी नं० 6 है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ प्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 1908 का 16) के श्रधीन, धर्मेल 1978 की

पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह
प्रतिशत से ग्रधिक है भौर भ्रम्तरक (श्रन्तरकों) भौर श्रम्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रुप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त मिक्ष-नियम के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर, ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उन्त मिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों भ्रथीतः— (1) श्रीमती सी०एच० रंगनाथकम्मा (2) एम० सरोजिनी देवी (3) एन० शेषुमाव (4) सी० एच० चामुन-डेस्बरी काकीनाडा (5) एम० नागराजा कुमारी बोंबे।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती पी० विजयकुमारी विजयवाड़ा (श्रन्तरिती)

(3) श्री बी० नागबूणनम, विजयवाड़ा (वह न्यक्ति जिसके श्रधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों, पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो ; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
 हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिधितयम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रिजस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक श्रंत 30-4-78 में पंजीकृत दस्सावेज नं॰ 1660/78 में निगमित श्रनुसूची संपसी ।

> एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) एम वि घर्जन रेंज, काकीनाउका

दिनांक: 8 नवम्बर 78

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के म्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 8 नवम्बर 1978

सं० 828—यतः मुझे एन० के० नागराजन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/र० से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 11-63-26 है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक 21-4-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित भ्रौर यह विश्वास करने काकारण मुझे यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ग्रीर भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) श्रीर म्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिध-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी झाय या किसी धन या झन्य झास्तियों की, जिन्हें भारतीय, झायकर झिधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त झिधिनियम, या धनकर झिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायें झन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः ग्रन उत्तर मधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उत्तर प्रधिनियम की धारा 269-व की उपघारा (1) के प्रचीन निम्नलिखित व्यक्तियों मर्थात्:—

- (1) श्रीमती वि० कनकालक्ष्मी विजयवाड़ा 2 (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती भ्रार० जानिकम्मा (2) भ्रार० वासुदेवायरैयुन्नु विजयवाडा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रिजस्ट्री श्रिधिकारी से पाक्षिक झंत 30-4-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1729/78 में निगमित झनुसूची संपत्ती।

> एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) एम वि ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीखाः 8 नवम्बर 1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भागकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, काकीनाड़ा

काकीनाड़ा, दिनांक 8 नवम्बर 1978

सं० 829--यतः मुझे एन० के० नागराजन

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त म्रधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के म्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर गम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से म्रधिक है

ग्रीर जिस की सं० 27-6-126 है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन विनांक ग्रग्रैल 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तिरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिशत से श्रीधक है भीर भ्रन्तरक (अन्तरकों) भीर श्रन्तिरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के भ्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अश्रीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयीत्:— (1) श्री एम० मुरली क्वाटण , विजयवाड़ा

(मन्तरक)

(2) श्रीमती पी० कोटिरतनम विनयवाङ्ग

(भ्रन्तरिनी)

(3) 1. युनाईटेड एलकट्रोनिकस, (2) जगमोहन सिंग (3) राजकुमार हेमटेक (4) बिहारी लाल, विजयबाड़ा (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सपत्ति हैं)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध िमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरे।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रथं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री ग्रधिकारी से पौक्षिक ग्रंत 30-4-78 में पजीकृत दस्तावेज नं० 1837/78 ग्रौर 1838/78 में निगमित ग्रनुसूची सपसी।

> एन० के० नागराजन मक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), एम० वि० श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 8 नवम्बर 1978

मोहर :

-416GI/78

प्ररूप म्राई० टी० एन० एस०--

द्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीलाड़ा, दिनांक 8 नवम्बर 1978

सं० 830--यतः मुझे एन० कें० नागराजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इममें इसके पण्चास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 16-1-58 है. जो विजयनगरम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजय है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, विजयनगरम में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 29-4-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक एप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) भन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरती द्वारा पकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

न्नत: म्रब, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की धारा 269-य की उपभारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रर्थातु:—

- (1) श्री संचयलाल श्रनयालिया विजयनगरम (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती पारवती देवी भ्रानयालिया विजयनगरम (ग्रान्तरिती)
- (2) साधना टेक्सटाइन्स विजयनगरम (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ऋजेन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध 'बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिधिनयम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्ष होगा जो उस शब्दाय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयनगरम रिजस्ट्री श्रिधिकारी से पाक्षिक श्रंत 30-4-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1936/78 में निगमित श्रनुसूची संपत्ती।

एन० के० नागराजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), एम० वी० श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 8 नथम्बर 1978

प्ररूप भाई०टी०एन०एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाड़ा, दिनांक 8 नवम्बर 1978

सं० 831--यतः मुझे एन० के० नागराजन, आयकर ग्रचिनियम, 1961 (1961 का 43) इसमें इसके पण्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृहय 25,000/- रु० से घधिक है श्रीर जिसकी सं० 175/1 है, जो तिम्मापुरम में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड़ ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकीनाड़ा में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24-4-78 को पूर्वोक्त सम्पत्तिके उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यसान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्र1िफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रंधिक है ग्रीर मन्तरक - ग्रोर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे (अन्तरकों) अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्षित ज**ु**ब्य से उस्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं विया गया हु.--

- (क) भ्रन्तरण संहुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्राधिनियम क ग्राधीन कर देने क श्रन्तरक के दायिस्य में कमी करन या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी थाय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों की जिन्हें भारतीय श्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उंक्त अधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रशट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ध्रव, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, ग्रयीत्:——

- (1) श्री वी० स्निना सत्ती राजु, श्रच्चमपेटा। (श्रन्तरक)
- (2) श्री एम० सीतारामाराजु, तिम्मापुरम । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जुन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की ग्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर सम्पत्ति में हितकन्न किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्राम्नोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किये जा सकेंगे:

स्पट्टोकरण .--इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम क सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस ध्रध्याय में दिया गंग है।

अनुसूची

काकीनाडा रिजिस्ट्री श्रधिकारी से पांक्षिक श्रंत 30-4-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं 1672/78 में निगमित श्रनुसूची संपत्ती ।

एन० के० नाग**रा**जन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), एम० वि० भ्रर्जन रेज, काकीनाडा ।

तारीख: 8 नवम्बर 1978

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

मारत मरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, काकी**नाड़ा**

काकीनाडा, दिनांक 8 नवम्बर 1978

सं० 832--यतः मुझे एन० के० नागराजन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द॰ से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 175/1 है, जो तिस्मापुरम में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 24-4-78 को

पूर्वोक्त, संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त किल निम्तलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इष्प से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी ध्रायका बाबत उक्त ध्रिष्ठ-नियम के ब्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; भौर/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ध्रन्य ध्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ध्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गथा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः घव, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के मधीन, निक्निलिखिन व्यक्तियों, प्रयोत्:—-

- (1) श्री वि० चिनासत्तीराजु श्रम्चमपेटा। (श्रन्तरक)
- (2) श्री एम० वेंकटासुब्बराजु, तिम्मापुरम । (भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के रूर्जन के लिए अर्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपता में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद पें समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श्व) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से

 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 गय लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रशिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में विया गया है।

मनुसूषी

काकीनाड़ा रिजस्ट्री ग्रिधिकारी से पाँक्षिक ग्रंस 30-4-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं 1673/78 में निगमित ग्रनुसूची संपत्ती।

एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 8 नवम्बर 1978

मोहरः

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, काकीनाड़ा

काकीनाड़ा, दिनांक 8 नवम्बर 1978

सं० 834—यतः मुझे एन० के० नागराजन
ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्न ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रुपए से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० 11-62-90 श्रीर 91 है, जो विजयवाडा में स्थित है श्रीर उनसे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन , दिनांक श्रील 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रौर श्रन्तरक (ग्रन्तरकों) श्रौर (श्रन्तरिती) श्रन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक कम से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किमी श्राय या किसी धन या ग्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ए की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रथित्:——

- (1) श्री कें दुर्गाणंकरराव (2) कें दुर्गारामाराव (3) कें वालादुर्गाराव (4) कें दुर्गा सांबंभिवा सूर्यनारायणामूर्ती (5) दुर्गा सांबंसियावरप्रमाद प्रद्युनजयराव (6) कें दुर्गा सांबंसिया वेंकटा कृष्टण मूर्ती (7) कें दुर्गानारायणगाव विजयवाडा (श्रन्तरक)
- (2) श्री एम० वेकटेस्वरराव (2) बी० वेंकटा सुब्बाराव विजयवाडा (ग्रन्तरिनी)
- (3) के० लक्ष्मी नर्रामहाराव एण्ड को० विजयवाड़ा (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्मिन में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

विजयवाड़ा रिजर्स्ट्रा श्रिधिकारी से पाक्षिक श्रंत 30-4-78में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1722/78में निगमित श्रनुसूची संपत्ती।

> एन० के० नागराजन सक्षय ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेज, काकीनाड़ा

दिनांक: 8 नवम्बर 1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

आयकर ग्रिमिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई दिनांक 30 नवम्बर 1978

निर्देश मं \circ एआर-I/3045-4/मई-78 –श्रतः मुझे बि \circ एस० शेशाडी

भ्रायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें डमके पत्रचात् 'उयत भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृल्य 25,000/-६० स प्रधिक है

श्रीर जिसकी मं० सी० एम० 1417 है तथा जो फोर्ट डिवीजन मरिनलाइंस के पूर्व की श्रोर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्चनसुची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ब्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, (1908 का 16) के ग्राधीन, दिनांक 17/5/1978

को पर्वोक्त सम्पत्ति के अचित बाजार मुख्य से कम के तृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रीर भक्ते विश्वाय करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और गुन्तरक (अन्तरकः) भीर घन्तरितो (भ्रन्तरितियों) के बीच तैसे जन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकल, सिन्नलिखित उद्गेष्ट में उस्त प्रन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित **ठहा किया गया है.**—-

- (क) अस्तरत संहुई किसी भाव की खा≇त, उ∉त अधितियम, के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमो करन या उसम बचन में सविधा के लिए; भौर/मा
- (ख) ऐसा किसी माय या किसो धन या म्रन्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर भविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या बस-२२ क्**धिनियम, 1957 (195**7 का 27) क प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण या किया जाना चाहिए था, छिपाने म सविधा के लिए;

अतः ग्रब, उक्त अधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसर्ण में, मैं, उन्त ग्रधिनियम, की धारा 269-थ की उपघारा (1) के प्रधीन निम्नलिस्टित व्यक्तियों, अर्थात ---

1. मैसस जाली एण्ड मैकर प्रा० लि० (अन्तरक) 2. जाली भवन न० 1 कमर्राणयल प्रिमायसिस को० आ० सीब

(अन्तरिती)

3, लिस्ट आफ व परमन इन आक्यूपेशन आफ वी प्रापरटी

स०नं ०	सभासदों के नाम	अधिभागियों वे	नाम
1	2	3	·
	कै० बी० कामत एण्ड कंपनी न कितिदा आर० ठक्कर	सिंडिकेट बैक । इन्डों टेंक्सटाईल लि० ।	एण्ड फेब्रिक्स

3.	डा०	एस ०	₹0	शारप	ñ

- मैसर्स फोटो सीइने स्टोअर्स
- मि० कविराज पी० उलाल
- 6. मि० बाबा भाई नानावटी
- मिसेस लक्ष्मी राजबहिया मैसर्स नौहोंलरी जनरल स्टोश्रर्स
- 9, मि० धर्जन वास देवीवास
- 10. मिसेस मुबद्रा मुख्याल

- 11. मि० आर० खन्ना
- 12. मैसर्स खन्ना बल स्पिनर्स प्रा० लि०
- 13. मि० सावलावास माधव वास
- 14. मैसर्म एसियटीक एजेंसीज कारपोरेशन
- 15. मैंसर्स महेंद्र गिरीष माला
- 16. मि०के० डी० गुप्ता
- 17. मिसेज एच ० एम ० दोशी एण्ड कं जगदीश अमृतलाल
- 18. मिसेज लक्ष्मी राजग्रहिया
- 19. मिसेस वासंतिका आर० देसाई
- 20. मैससे काइस्यल फाइबर एण्ड फैबरिक्स लि०।
- 21. मि० सुवेशपाल चन्वरमोहन गुप्ता
- 22. मि० जी० एन० भाटिया
- 23. मि० विनोध एस० मेहता
- 24. मि० एसोसिएटेंड लंब रीक्वीटिंस
- 25. मिसेस कीर्तिदा आर० ठक्कर
- 26. भैसर्स गुजरात फार्मास्युटिकस्य एण्ड केमिकल वर्क्स
- 27. मिसेस फीहतिमवा फकुवान
- 28. मैसर्स राज जनरल उद्योग प्रा० लि०
- 29. मिसेस मुन्नीदेवी एस० गुप्ता
- 30. मि० देवराज पी० उलाल
- 31 मिसेस बि०ए० मर्चेट

डा० एस० ई० शारफ मैसर्स फोटो सीने स्टाअस ट्रिडेंट ट्रस्म एण्ड दूरम प्राईवेट

क्वालिटी लैंदर कापटर्स संजीव ट्रेंडिंग कंपनी लि० नौह्वेलटी जनरल स्टोअर्स जगवीश कोल्ड द्रिक एण्ड टी हाउस ।

- 1. एम० एस० केजरीबाल
- 2. इनह्येंस्टर इंडिया लि॰
- गोरुड सिलव्ह आर्ट प्रा० लि०।
- 4. निलेश एजसिज
- 5. लेबरन
- 6. बंगाल प्रोसेमिंग मिल्स प्रा० लि०।
- 7. जेओ इंडस्ट्रीज इंसेश्टीसिड प्रा० लि०।
- आर० के० खन्ना।
- 1. नारीयनदास राजा राम वक्सं ।
- 2. राज ऑब्हरसिज कारपोरेशन
- मैसर्सखन्नाब्ल स्पिनर्सप्रा० लि०।
- 4. आर० एम० कमबाइन्स मोशन पिचसं ।

मि॰ भावलादास माधव वास मैससं एसियाटीक एजेंसीज कारपोरेशन

- महेंद्र मुब्हिज
- 1. के० डी० गुप्ता
- 2. विमल पब्लिकेशन निरीता टैक्सटाइन्ट्स
- 2. जगदीश अमृतलाल
- 3. एम० जे० एन्टरप्राइस

मारतन राइट एंड क कोपिको सेंटर काटन कंपनी

आर० सी० गुप्ता एंड अवर्स जी० एन० माटिया विनोद एस० मेहता]

- मैसर्स एसोसिए टेंड रिक्वीजिट्सं श्रीकृष्ण राजेंद्र मिल्स लि०
- 2. पेपर डिस्ट्रीब्यूटर
- मैसूर एक्सपोर्ट लि॰ 4. सेवनसीज इंडस्ट्रीज लि॰
- सेवनसीज इंडस्ट्रीज लि॰
- जोती भैमिकल कारपोरेशन
- 2. द गुजराचि फार्मास्युटिकल्स एंड कैमिकल वर्का।

गाला**मैक्स** एक्सपोट इंटरनेशनल

- अपैक्स ट्रेडिंग कंपनी प्रा० लि०।
- अपैक्स टैक्सटाइल मिल्स
- सतीश गृप्ता एंड कंपनी
- 2. मि०एम० डी० गुप्ता एंड
- ट्रांस कान्टीनेंटल ट्रैंबल्स एंड दूर ।
- 2. पिकारको एंड नारकर सिसेस बी० ए० मचेंट

1 2	
32. मिसेस राज कुमारी कातारूका	मैसर्स केसोराम इंडस्ट्रीज
32 (44)	एन्ड काटन मिल्स लि०
 अ. मि० जमनावास आर० चाटबार 	चाटबार एंड कंपनी
34. मि० ए० बी० लालवानी अर्चना	कम्प्यूटर एड्स एंड सिस्टम हैल्य
35. मि० किरीट मेहना	हममुख पी० नेंद्र एन्ड कंपनी
36. मैंसर्स अजय वलन टैनसटाइल मिल्स	ा. विनोद मेहरा एसोसिएट
70. 4.44 - 1.44 - 1.44 - 1.44	एंड आ रकीटैक्स ।
	2. अजय बूलन टैक्सटाइल मिल्स
37. मि० क्रिजलाल मेहरा	1. विनोद वृक्षत इंडस्ट्रीज
Dir the the first of	2. मेहरा द्रेडिंग कारपारेशन
	 डायमड स्पिनिंग मिल्म
38. मिसेस चंचल कपुर	द परणुराम पोटरीज वक्स कं०
50. 111. 11. 14	सि ०
39. मिसेस सुषमा कपूर	द परणुराम पोटरीज वकर्म कं० लि०
40. मि० नंदलाल गोपालदास	टायगरें फिलम्स प्रा० सि०
41 मैसर् ऊषा फाइनांसर	एम० आर० द्रेडिंग कारपोरेशन
42. मि० रामचंद जगदीणचंद	जियाजीराव काटन मिल्स
43. मैसर्स हिंदुस्तान वायर पोडक्टम	ा. हिंदुस्तान वायर प्रोडक्टम <i>्</i> लि०
. ,	 सर्ने डिस्ट्रीब्यूटर एंड माईनिंग
	कंपनी लि०
	 मैसूर पेट्रो- कैमिकल्स लि०
4.4. मैसर्स बंगाल पेपर मिल्स कं० लि०	मैसर्स से गार्ल पेपर मिल्त कं० लि०
45. मैसमै खेमलानी एंड कॅ०	1. मैसर्स खेमलानी एड कं०
	2 क्रषागारमेट्स मैन्युफैक्चरिंग
	कं० प्रा० लि०
	 गालीमार इंटरनेगनल
46. मि० शिवप्रकाण	1. मि० शियप्रकाण
	2. एस० बां० क्रीच
47. मि०एस०एन० रहेजा	ा रहेजा एक्सपोर्ट प्रा० लि०
	2. जो०पी० आर० एसोसिएटेड
	সা ০ শি ০
48. मैसर्स ओवरसीज पैकेजिंग इंडस्ट्रीज प्रा०	
लि ०।	

मैसर्स प्रमोद इंडस्ट्रीज कारपोरेशन एफ० ए० बाकेर एंड एसोसिएट मि० आस्पि पी० सूर्ती टोयाडा स्तुशोकैमा लि० (जापान) आरर्ण्स० झाबेरी ऐंड कं० 2. दलाल इंजीनियरिंग लि० कम्प्यूटर स्ट्रकचरल कंसलटैंट्स 2. केरन कंस्लटैंटम टैक्सटाइल पेपर ट्यूब (इंडिया) मैसर्स ए० जी० प्रायाझ एंड कं० राजस्थान स्पिनिग एंड वीथिंग मिल्स सि०। 2. मार्डनं बुलन मिल्स मिथैटीक याने एजेंसीज बम्बई यायर रोप लि०

58. मि० धिरेन डी० मेहना एन्ड मिसम णान्ता डी० शाह 59. मैमर्स चद्रकांन एंड ब्रदर्स

49. मैसर्स प्रमोद इंडस्ट्रीज कारपोरेणन

मिसेस आर० एस० झावेरी एंड फं०

50. मि०एफ०ए० बाकेर

51. मि० आस्पि पी० सर्वी

54. डा० बी० एस० केलकर

55. मिसेस मारगारेट वेरमा

56 मिनेस ए० जी० घापास 57. मि० सचिन राका

52. मिसेस ए० एम० ढोलाकीया

मिसेम एच० एम० बावा

61. मिलेस प्रतिमा एस० मोरजारिया

62. मि० ओम प्रकाण अरोरा 63 सिस गीता एल ० कनेर

64. **मि० बी**० जे० जहागियानी

65. मैगर्ग जैनेक्स एकेसीन प्रा० लि०

एप्रोकांट एजेसीज 1. अद्भवान्म मैनेजमेंट गर्विमिज

2. हारबाट विजनेस रिव्य

ा मिलिटा डे

चद्रकात अदर्स

2. यूनिक पैकेजिंग कारपोरेशन

1. एम० कर्नर रावजी अमरमी

जैनेक्य एनेंसीम प्रा० जि०

स्टील ट्युव आरंफ इडिया प्रा०

देवास दूल्स प्रा० लि०

4 ४ इस्टियानी प्रा० লিক 66. मिरा फरीबा उमरीगर

67. मि० अब्दल करीम आई० बनवा

68. मि० किशनदास किकानी

69. मैसर्स फाल्स इंडस्ट्रीज इन कारपो०

70. मैमर्स नंदलाल पी० बदलानी

71. मि० आर० डी० हंटगडी एंड मि० एम० बी० शिरमाट

72. मि० रिमकलाल एम० णाह

73. मि० जसमंतलाल एम० शाह

74. मि० गुनवतलाल एम० शाह

75. मिसेस ईश्वरी गिरधारीमल

76. में गर्स जयसिंह मोरारजी

77. मेसर्स जयंत रामचंद एन्ड भागीरथ

78. मि० जॉर्ज क्रियन

79. मैसर्स मोदी पेपर एंड पैकेजिंग

80. मि० राजेंद्र टिवरेवाल

81. भैसर्स एसोसिएटेड एजेंसीज कारपोरेणन

डी० मी० उमरीगर प्रा० लि० जे० आई० पटेल

3

ा. सबै आकीटेक

2. एच० एम० वर्काल

 अमृत पटेल 4. स्टॉर विल्डर्स

भैसर्स फाल्स इंडस्ट्रीज इन कारपोरे-शान भि० नंदलान पी० बदलानी

एन० परमानंब एंड कं०

मि० आर० डी० हटंगडी एंड एस० बी० शिरसाट

बाम्बे वायर रोप्म लि० मैसर्स गुरफैक्टें केमिकल्स

बाम्बे बायर रोप्स लि० मैसर्स मुरफ्रैक्टेट किमिकरूम

प्रकाशम इंटरनेशनल पी० एंड एच० वासवानी प्रा० लि० मैसर्स जयसिंह मोरारजी एंड कं०

एच० एम० मरखेंट

जे० रामचंद्र एंड क० प्रा० लि० मि० जाओं कुरिधन

विकास ट्रेडिंग कारपोरेशन

डब्ल्यु० ई० कॉक्स एंड कंऽ रोक्यरीज (एशिया) नि०

(वह ब्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सुचना गामे करके पूर्वीका सम्पान क ग्राजीन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन क पम्त्रन्ध में कोई भी हाक्षोत :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की लामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी भवधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त न्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से ।हतबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा प्रश्वोहस्ताक्षरा के पास लिखित म किए जा भक्षं।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दा भीर पदी की, जी उस्त ग्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जा उस प्रध्याय 🖟 दिया गया है।

अनुभूषी

श्रनुसूची जैसा कि विलेख नं० 3496/72/ब≠बई उप रजिस्टार ऋधिकारी द्वारा दिनोक 17/5/78 को रजिस्टर किया गया है।

> वी० एस० शंपादरी सक्षम प्राधिकारी सह।यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेज-I, बम्बई

दिनांक : 30 नवम्बर 1978

प्ररूप ग्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269 घ(1) के प्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 नवम्बर 1978

निर्देश सं० एग्रार-I/3052-11/मई-78—-ग्रतः मुझे वी० एस० शेपाद्री

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इपके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारा है या स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से सिधक है

ग्रीर जिस की सं० है तथा जो सी० एस० सं०/407 मालावार व खमबाला हिल डिविजन में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 30-5-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत में प्रथिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों, ओर अन्तरिती (अन्तरितियों) क बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक अप में किया नहीं किया गया है:--

- (क अन्तरण से हुई किनी ग्राय की वाबत उक्त स्थिनियम उग्नर्थात कर देने के ग्रन्तरक क त्रास्त्रव में कमी करने या उससे ब**बने में** मुदिधा के लिए, क्रोर/ण
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारती। आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ने प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गविधा के लिए;

अतः ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त ग्रिधिनियम' की धारा 269-म अधीन की उपधारा (1) के निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रयांत्:—

- (1) श्री कलयानजी करमसी दामजी (2) कुनवरजी वसनजी (3) श्रीमती रमावेन कमलाकान्त (4) श्री विट्ठलदास सोरारजी ठक्कर श्रीर (5) श्री वीरासेन लालजी पंजुयानी (ग्रन्तरक)
 - (2) 1. श्री छोटालाल व० सोमैया (एच० यू० एफ०)
 - 2. श्री धनवंतराज के० ग्रजमेरा (एच० यू० एफ०)
 - 3. श्री चुन्नीलाल एच० मेहता (एच० यू० एफ०)
 - 4. श्री राजेन्द्र सी० मेहता (एच० यू० एफ०)
 - 5 श्री महेन्द्र सी० मेहता (एच०यू० एफ०)
 - 6. श्री भूपतराय कान्तीलाल अजमेरा (एच०यू०एफ०)
 - 7. श्री धनसुखलाल जेथालाल मेहता (एच०यू०एफ०)
 - 8. श्री हतमुखराई ग्रार० लोंम्माडीया
 - 9 श्रीमती शान्तावेन रामजी कोम्माडीया
 - 10 थी वर्षावेन जयन्त कोम्माडीया
 - 11. श्रीमीनाक्षी हरीश कोम्माडीया (ग्रन्तरीति)
 - (3) किरायेदार

(वह व्यक्ति जिसके म्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के ग्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी ब्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा नकेंग

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जा उक्त अश्रिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा को उस श्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

म्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० 1488/77/बम्बई उप रिजस्ट्रर द्वारा दिनांक 30/5/78 की रिजस्टर किया गया है।

र्वा० एस० शेषाद्री सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-II, बम्बई

दिनांक: 30 नवम्बर 1978

प्रकप धाई• टी• एन॰ एस॰----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के प्रधीत सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 19 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० ए० प्रार-I/3072-2/मई-78--- प्रतः मुझे, वी० एस० शेषाद्री.

म्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'जनत प्रधितियम' महा गया है) की धारा 269-ख के भधीन नक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ध्पये से प्रधिक है न्नीर जिसकी सं० सी० एस० नं० 721/3/722 है तथा जो मालावार एण्ड कम्बाला हिल डिवीजन पैडार रोड़ में स्थित है (भीर इसमें उपाबंद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 5-7-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से मधिक है भीर मन्तरक (सन्तरकों)भीर मन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में शास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण में हुई किमी धाव की बाबत, उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य मे कमी करने या उससे बचने में सुविक्षा के लिए; भौर/गा
- (ख) ऐनी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ भास्तियों को. जिन्हें भारतीय पायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठिनियम, या धनकर प्रधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के धनसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269- व की उपधारा (1) के श्रधीन निक्वलिखित व्यक्तियों अवित्। --

- (1) पिरोजा पेस्टोन पंड्या (2) फरामरोजे शापूरजी सुखिया (3) शेयला वछा (4) मेरवानजी आरदेशीर चिनोय और (5) खुरसेद आरदेशीर पटेल। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रजय भ्रमर को० भ्रा० हो० मोसायटी लि० (भ्रन्तरिती)
- (3) श्रीमती आशा हरीकिशन शाह
 - (2) श्री एस० एस० टीबरेवाल

- (4) श्रीमती मंजला एस० जहारी
- (5) श्री एम० बी० देसाई
- (6) श्रीमती एस० एस० मीरचंदानी
- 7) श्रीमती रतना ह्वी० शेड़ी
- 8) डा० थ्रार० एच० काल रो
- (9) श्रीमतीके० जी० मेलवानी,
- (10) श्री प्रार० एस० मेहता
- (11) श्री एन० एम० पोपट
- 12) श्री कूमारपाल धार० मोदी
- 13) श्री ललुभाई जी० पटेल
- 14) श्री इ० जे० बहरानवाला
- 15) श्री एस० सी० शाह
- 15) श्रीमती विभती पी० संघवी
- 17) श्री जे० सी० मायानी
- 18) श्रीमती ब्रीपर्दा भरत
- 19) श्री कें कें सोमानी
- 20) श्री कंद्राप ग्रार० मोदी
- 21) श्रीमती पूष्पा एम दालरेजा और श्री एस० एस० टालटेजा
- (22) श्रीबी० एच० माह भीर जी० बी० माह
- 23) श्री जे० एच० शाह श्रीर पी० एच० शाह
- 24) डा० जी० पी० के० गांगुली
- 25) श्री एल० सी० गता
- 26) श्री एम० डी० देसाई भीर भ्रार० डी० देसाई
- 27) पंजाब नेणनक्ष बैंक
- (28) कल्पा टारू एकस्पोर्टस

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिये कार्यवाद्वियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप⊸-

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा सम्बोहस्ताकरी के पास सिक्षित में किये जा सकेंगे।

स्वष्टी करण: -- इसमें प्रभुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भन्नि-नियम के प्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही धर्च होगा को उस ध्रध्याय में दिया गया है।

प्रनुसुची

अनुसूचि जैसा कि विलेख नं 390/76 बम्बई उपरजिस्ट्रार श्रिधिकारी द्वारा दिनांक 5/7/78 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> वी० एस० शेषादी सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण), ध्रर्जन रेंज, बम्बई

दिनांक: 19 दिसम्बर 1978

मोहर:

(3) श्री शिरीप ही । शाह

13-416GI/78

प्रकप आई • टी • एन • एस • -

पायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व (1) के अधीन मूचना

मारत सरकार

कार्यालय, महायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 3, बम्बई बम्बई, दिनांक 23 दिसम्बर 1978

निर्देण सं० ए० ग्रार० 3/ए० पी० 283/78-79—ग्रातः मुझे ग्रार० एम० पंजवानी

आयकर भिन्नित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके परवात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मधीन समाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/— द• से मधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० टी 1, सर्वे नं० III डी (पार्ट) है तथा जो श्रांबीविली में स्थित हैं (और इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई मे रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 3-6-1978 को

पूर्वोकत सम्पर्शि के उमित बामार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्शि का उमित बामार मूल्य, इसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मिश्नलिबित उद्देश्यों में उक्त प्रस्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कवित महीं किया प्रारा है:—

- (का) अन्तरण से हुई किसी खाय की बायत, उक्त मिर्धानयम, के मधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या अन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, म, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रषीन निम्नलिखित अपक्तियों सर्गात् :---

- (1) मैंसर्स शाह कंस्टन्शन कंपनी लिमिटेड, शाह हाऊस डा० एनी बेसेंट रोड, वरली बम्बई, 4000018 (श्रन्तरक)
- (2) स्टेट बैंक श्राफ इंडिया स्टाफ 'ब्लू हेवन' को० हाउसिंग मोमायटी लिमिटेड द्वारा जे० बी० डायस, स्टेट बैंक श्राफ इंडिया मांडूप शाखा, बम्बई-400078।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के श्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की श्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पद्यों का, जो जनत प्रधिनियम के प्रष्टपाय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस ग्रव्याय में विया गया है।

अनुसूची

बम्बई नगर वउपनगर जिले और उप जिले में ग्रांबियली गांव में मौजूद जमीन का वह तमाम टकड़ा या भाग, जिसका प्लाट नं टी-1 भौर माप 1856 86 वर्ग गज यानी 1560 10 वर्ग मीटर के लगभग है, जिसका सर्वे नं 111-डी (भाग) श्रांबियली गांव की, और उसकी सीमा इस प्रकार हैं:—

उत्तर की म्रोर — 20 फीट चौड़ी सड़क म्रौर उसके भ्रागे टेक्स प्लाट 'जे'

पूर्व की श्रोर --- 30 फीट चौडी सड़क जो मनोरंजन मैंदान की श्रोर जाती है

दक्षिण की श्रोर मनोरंजन मैदान पश्चिम की श्रोर--प्लाट नं० टी-2

> श्रार० एम० पंजवानी सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर द्या**युक्त (निरीक्षण)**, श्रर्जन रेंज 3, बस्ब**ई**

दिनांक : 23 दिसम्बर 1978

ENFORCEMENT DIRECTORATE FOREIGN EXCHANGE REGULATION ACT

New Delhi, the 8th December 1978

No. A-11/24/73.—Shri D. K. Das, Enforcement Officer, Calcutta Zonal office of this Directorate is hereby appointed to officiate as Chief Enforcement officer in the Calcut subzonal office of this Directorate w.c.f. 15-11-78 (FN) and until further orders.

S. D. MANCHANDA Director

DIRECTORATE OF PRINTING

New Delhi, the 21st December 1978

No. H(6)/AII.—The Director of Printing is pleased to appoint Shri R. N. Hajela, Senior Artist (officiating Senior Artist Incharge in the Government of India Press, Minto Road, New Delhi) to officiate as Typographical Layout Artist, Government of India Press, Faridabad, with effect from the forenoon of 21-11-1978 until further orders.

P. B. KULKARNI. Jt. Director (Admn.)

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPTI. OF PERSONNEL & ADMN. REFORMS CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION CENTRAL FORENSIC SCIENCE LABORATORY

New Delhi-110001, the 21st December 1978

No. 1-9/78-CFSL/9420,—In continuation of MHA's notification No. 1-9/78-CFSL dated 9th August, 1978, the President is pleased to appoint Shri S. C. Mittal, Schlor Scientific Assistant, Central Forensic Science Laboratory, C.B.I., New Delhi as Senior Scientific Officer (Documents) in the Central Forensic Science Laboratory, C.B.I., New Delhi w.e.f. 14th December, 1978 (Forenson) on ad hoc basis for a further period of 6 months or till the post is filled upon regular basis which-ever is carlier,

K. K. PURI Dy. Director (Admn)/CBI.

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 22nd December 1978

No. O. II-900/76-Fstt.—Shri B. S. Rana, Office Supdt. of the CRPF is promoted to the grade of Section Officer on purely ad hoc basis in the Directorate General, CRPF, New Delhi with effect from 12-12-1978 (FN).

No. D. I-15/78-Estt.—On the expiry of earned leave from 12-12-1978 to 17-12-1978 with permission to prefix second Saturday, Sunday and gazetted holiday on 9-12-1978, 10-12-1978 and 11-12-1978, the services of Shri A. Rabindran, Section Officer, Directorate General, CRPF are replaced at the disposal of the MHA with effect from [8-12-1978.

A. K. BANDYOPADHYAY Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-19, the 18th December 1978

No. E-38013(2)/1/78-Pers.—On transfer to Hyderabad Shri V. K. Deuskar IPS (MP-65) relinquished the charge of the post of Comdt. CISF Unit BSL Bokaro, w.e.f. the afternoon of 25th Nov., 1978 and assumed the charge of the post of Principal, CISF Trg. College, Hyderabad w.e.f. the forenoon of the 1st December 1978.

R. C. GOPAL Inspector General/CISF

MINISTRY OF LABOUR

LABOUR BUREAU

Simla-171004, the 10th January 1979

No. 23/3/78-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base 1960=100 for November, 1978 remained stationary at October, 1978 level of 340 (three hundred and forty). Converted to base 1949=100 the index for the month of November, 1978 works out to 413 (four hundred and thirteen).

J. N. SHARMA Deputy Director

MINISTRY OF FINANCE (DEPTT. OF E.A.)

INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 12th December 1978

No. 1436/A.—The undersigned is pleased to appoint on

deputation Shri Satya Bhushan, Section Officer, Govt. of India, DGS&D, Department of Supply, New Delhi, as Administrative Officer, India Security Press, Nasik Road, with effect from the forenoon of 11th December, 1978 for a period of 3 years.

D. C. MUKHERJEA General Manager

BANK NOTE PRESS

Dewas, the 19th December 1978

No. BNP/C'5/78.—Shri Gendalal Damor, a permanent Inspector Control in the Bank Note Press, Dewas is appointed to the post of Deputy Control Officer in the Scale of Rs. 650—30—740—35—810— EB—35—880—40—1000— EB—40—1200/- (Group "B" Gazetted) in the same Press, on short term *ad hoc* basis for a period of Four months with effect from the forenoon of 19-12-1978.

P. S. SHIVARAM General Manager

INDIA GOVERNMENT MINT

Calcutta-700 053, the 16th December 1978

No. P-106/12985.—Shri T. Chatterjee, Permanent Dy. Acctt., India Govt. Mint, Alipore, Calcutta-53, is appointed, on an ad hoc basis to officiate as Accounts Officer (Group B Post) in the same Deptt. on Pay according to rules in the scale of Pay of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200/- for the period from 18-12-1978 to 13-1-1979 against the leave vacancy of Shri J. P. George, Permanent Accounts Officer.

B. M. MISTRY

Master of the Mint.

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE COMPTROLLER & AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi, the 18th December 1978

No. 1668-CA. 1/20-77.—Consequent on his permanent absorption with the Indian Drugs and Pharmaceuticals Limited, New Delhi with effect from 13-4-1978, sanctioned by the Government of India, Ministry of Finance, Shri P. C. Gupta, Audit Officer (Commercial) has retired from Government service from the same date.

M. S. GROVER
Deputy Director (Commercial)

OFFICE OF THE ACCONTANT GENERAL I, WEST BENGAL

Calcutta-700 001, the 22nd December 1978

ORDER

Office Order (Admn. Series) No. Admn. I/1038-XV/367.—The Accountant General I, West Bengal has been peased to appoint the following permanent Section Officers to officiate as Accounts Officers in temporary and officiating capacity with effect from the date as mentioned against each or with effect from the date/dates on which they actually take over charge thereafter as Accounts Officers in this office until further orders.

S/Shri

- 1. Nareswar Chakraborty-w.c.f, 15-12-1978 (F.N.).
- 2. Anil Kumar Mondal-w.c.f. 15-12-1978 (F.N.).

The inter-se-seniority of the Accounts Officers will be indicated in due course.

P. K. BANDYOPADHYAY Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR P&T

Delhi, the 26th November 1978

O.O. No. Admn. V-395/23(A)(2)Notn.—Shri S. R. Roy Chowdhury, an officiating Audit Officer in the P&T Branch Audit Office, Calcutta has retired from service with effect from 31-10-1978 (AN) on superannuation.

S. KRISHNAN Sr. Dy. Chief Auditor

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 18th December 1978

No. 68012-A(5)/78-AN-II.—The President is pleased to appoint the following Permanent Accounts Officers to officiate in the Junior Time Scale of the regular cadre of the Indian Defence Accounts Service (Rs. 700—1300/-) with effect from the dates shown against them, until further orders:—

- Sl. No., Name and Date from which promoted.

 S/Shri
- 1. V. Venkatesan-2-11-1978 (FN).
- 2. Shanti Swarup Sharma-26-10-1978 (FN).
- 3. Harbans Lal Anand-30-10-1978 (FN),
- 4. Satya Prakash Behl-20-10-1978 (FN).
- 5. Sat Pal Sehgal-30-10-1978 (FN).
- 6. A. V. Prakasam-23-10-1978 (FN).
- 7. R. K. Raina-10-11-1978 (FN).
- 8. K. S. Arunachalam-4-11-1978 (FN).
- 9. N. Somasundaram-23-10-1978 (FN).

The 21st December 1978

No. 18259/AN-II.—On attaining the age of 58 years, Shri V. D. Narasimhan, Deputy Controller of Defence Accounts will be transferred to the Pension Establishment and accordingly be truck off strength of the Defence Accounts Department with effect from 31-7-1979 (A.N.).

No. 18336/AN-II.—On attaining the age of 58 years, Shri S. R. Panchanathan, Assistant Controller of Defence Accounts will be transferred to the Pension Establishment and accordingly be struck off the strength of the Defence Accounts Department with effect from 30-6-1979 (AN).

R. L. BAKHSHI

Addl. Controller General of Defence Accounts (AN)

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

Calcutta, the 18th December 1978

No. 91/78/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri T. K. Sen, Offg. A. M. (Subst. & Permt. Foreman), retired from service w.e.f. 28-2-1978 (AN).

V. K. MEHTA

Assistant Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES & COOPERATION

KANDLA FREE TRADE ZONE ADMINISTRATION

Gandhidham-Kutch, the 18th December 1978

No. FTZ/Admn/7/2/74-14350.—The Development Commissioner, Kandla Free Trade Zone, Gandhidham-Kutch, hereby appoints Shri B. Mohansingh, Examiner of Customs Collectorate, Madras as Appraiser, Kandla Free Trade Zone. Gandhidham-Kutch on usual deputation terms in accordance with the Ministry of Finance O.M. No. 10(24)/60-E.III dated the 4th May, 1961 as amended from time to time in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- with effect from 16-10-1968 forenoon until further orders.

No. FTZ/Admn/7/2/74-14355.—The Development Commissioner, Kandla Free Trade Zone, Gandhidham-Kutch, hereby appoints Shri H. M. Vachharajani, Superintendent of Central Excise Collectorate, Ahmedabad as Security Officer, Kandla Free Trade Zone, Gandhidham on deputation on usual deputation terms in accordance with the Ministry of Finance O.M. No. 10(24)/60-E. III dated the 4th May, 1961 as amended from time to time in the pay scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200/- with effect from the forenoon of 3-10-1978 until further orders.

NIRANJAN SINGH Development Commissioner, Kandla Free Trade Zone

MINISTRY OF INDUSTRY DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 16th December 1978

No. 18 (1)/77-CLB II—In exercise of the powers conferred on me by clause 11 of the Textiles (Production by Powerlooms) Control Order, 1956, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. T.C. (32-A) 59 dated the 16th March, 1959, namely :—

In the table appended to the said Notification, in columns 1, 2, and 3, for the existing entries against serial No. 13, the following shall be substituted, namely:—

1		2	3
(ti) (tii) (tii) (vi) (vii) (viii) (kx) (xx) (xxi) (xiii)	Secretary to Government Industries Department. Director of Handlooms and Textiles, Madras. Joint Director of Handlooms and Textiles, office of the Director of Handlooms and Textiles, Madras. Deputy Director (Textiles) Assistant Director (Textiles). Assistant Director (Powerlooms). All Assistant Director (Powerlooms). All Assistant Directors of Handlooms and Textiles in the circles. Textile Control Officers. Handloom Officers. Handloom Officers. Textile Inspectors. Junior Technical Assistants. Officers of the Revenue Department, not below the rank of Revenue Inspector. Officers of the Commercial Taxes Department, not below the rank of Assistant Commercial Tax Officers. Officers of the Police and Excise Department, not below the rank of Sub-Inspector.	the Director of Handlooms and Textiles, Madras.	Tamil Nadu''

Joint Textile Commissioner

Bombay-20, the 22nd December 1978

No. EST. I-2(682)/4197.—Shii V. M. Sukumaran, Assistant Director Gr. II (NT) in the Office of the Textile Commissioner, Bombay, has retired from service from afternoon of 30th November, 1978 on attaining the age of superannuation.

N. N. GOTAM Deputy Director (Admn.)

D(RECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 20th December 1978

No. A-1/1(245).—Shri H. D. Karamchandani, officiating Assistant Director (Grade II) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi retired from Government service with effect from the afternoon of 30th November, 1978 on attaining the age of superannuation (58 years).

SURYA PRAKASH
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEEL & MINES (DEPARTMENT OF MINES) GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 19th December 1978

No. 9592D/2181 (1) V/19 B—The cd-hoc appointment on promotion of the following officers to the post of Assistant Chemist in the Goological Survey of India in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-BB-35-880-40-1000-BB-40-1200/- is regularised by the Director General, Goological Survey of India from the dates shown against each, until further orders:—

SI. No.	Name				Date of regular appoint-ment
	Shri R.L. Iyer	 			
2.	Dr. A.K. Sanyal			·	2-6-77
3.	Shri P.K. Dutta		,		11-5-77
4.	Shri S. Mondal				16-5-77
5.	Shri A.D. Peshave				30-5-77
6.	Shri T.N. Dass				6-10-78
7.	Shri B.B. Day				6-10-78
8.	Shri B.R. Das				6-10-78
9.	Shri Ranadev Dutta				6-10-78
10.	Shri A.K. Chakroborty				6-10-78
11.	Shri S.B. Das				6-10-78
12.	Sekhar Mullick .				6-10-78
13.	Shri V. Venkatachalam			·	6-10-78

INDIAN BUREAU OF MINES

V. S.

Nagpur, the 19th December 1978

No. A. 19011(102)/78. Estt. A.—Shri A. S. Bhalla, Scnior Technical Assistant (Statistics), Indian Bureau of Mines is promoted to officiate as Mineral Officer (Stat.) in the Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon of 17-11-1978 in the vacancy caused by Shri P. R. Sarkar, Mineral Officer (S) who has proceeded on training to Indian Statistical Institute, Calcutta with effect from 3-10-1978 for a period of 20 weeks.

S. BALAGOPAL Head of Office Indian Bureau of Mines

KRISHNASWAMY Director General

SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 21st December 1978

No. C-5447/707—The undermentioned officers are appointed to officiate as Officer Surveyo: (Group 'B' post), Survey of India in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date as shown against each, purely on ad-hoc provisional basis-:—

SI. No.	Name & Designation	Unit/Office	With effect from
1	2	3	4
1. Sh	ri Surendra Hembrom,	No. 18 Party	16-10-78
Sur	veyor Sel. Gde.	(EC), Ranchi.	(FN.)
2. Sh:	ri M.L. Chhabra,	No.79 (Photo)	30-10-78
Su	veyor Sel, Gde.	Party (NWC) Dehra Dun.	(FN.)
3. Sh	i Jeewan Singh Tomer	No. 5 Party	6-11-78
Su	veyor Sel. Gdc.	(NEC) Shillong.	(F N .)
4. Shr	i Manohar Lal,	Geodetic &	6-11-78
	odetic Computer	Research	(FN.)
Sel	. Gde.	Branch,	
		Dehra Dun.	

3	4
No. 26 (Photo)	13-11-78
Party (NWC),	(FN.)
Dehra Dun.	
No. 79 (Photo)	13-11-78
Party (NWC),	(FN.)
Dehra Dun.	
	No. 26 (Photo) Party (NWC), Dehra Dun. No. 79 (Photo) Party (NWC),

No. C-5449/718-A.—Shri U. S. Srivastava, Officiating Superintendent, Surveyor General's Office is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (GCS Group 'B' post), on ad hoc basis on pay of Rs. 840/- p.m. in the scale of pay of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200/- with effect from 27th November 1978 (F.N.) vice Shri A. K. Das Sharma, Establishment and Accounts Officer, proceeded on leave for 60 days from 27-11-1978.

No. C-5450/718-A.—Shri Lakshmi Chandra, Officiating Superintendent, Surveyor General's Office is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (G.C.S. Group 'B' Post), on ad hoc basis in Map Publication Directorate, Survey of India, Dehra Dun, on pay of Rs. 840/- p.m. in the scale of pay of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200/-with effect from 27th November 1978 (FN) vice Shri C. S. Saksena, Establishment and Accounts Officer, proceeded on leave for 12 days from 27-11-1978 and thereafter Shri S. D. Kararia, Establishment and Accounts Officer proceeding on leave for 33 days from 11-12-1978.

No. C-5451/718-A.—Shri Manohar Lal, Officiating Superintendent, Surveyor General's Office is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (GCS Group 'B' post), on ad hoc basis, on pay of Rs. 840/- p.m. in the scale of pay of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200/- with effect from 30th November 1978 (F.N.) against the newly sanctioned post of Establishment and Accounts Officer for No. 104(HBD) Printing Group, Hyderabad vice Department of Science & Technology letter No. 18-26/78-SMP. I D.O. 2(i) dated 21-10-1978.

K. L. KHOSLA Major General Surveyor General of India

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES STORES I SECTION

New Delhi, the 19th December 1978

No. A. 12026/8/78-SI.—The President is pleased to appoint Shri P. S. Mulgund, Section Officer (Accounts), office of the SAO/W&S, Hubli, to the post of Accounts Officer, Government Medical Store Depot, Bombay Central, Bombay-8, on deputation basis with effect from the forenoon on 27th November, 1978 till further orders.

S. K. KARTHAK Deputy Director Admn. (Stores)

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION (DEPTT. OF RURAL DEVELOPMENT) DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 14th December 1978

No. Λ. 12026/2/78-A. III.—Shri S. K. Sood, Accounts Officer of the Office of the A.G., Himachal Pradesh and Chandigarh, Simla, is appointed to officiate, on deputation basis, as Accounts Officer in the Head Office of the Directorate of Marketing & Inspection at Faridabad with effect from the forenoon of 27-11-1978.

The 18th December 1978

No. A. 19025/115/78-A. III.—Shri M. C. Bajaj, Senior inspector has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group 1), in the Directorate of Marketing and inspection at New Delhi with effect from 8-11-1978 (F.N.)

upto 31-12-1978, or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

No. A. 19025/116/78-A. III.—Shri N. S. Chalapati Rao, Senior Inspector, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I), in the Directorate of Marketing and Inspection at Hyderabad with effect from 13-11-1978 (F.N.) upto 31-12-1978, or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

The 19th December 1978

No. A. 19025/110/78-A. III.—Shri S. R. Shukla, Senior Inspector has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I), in the Directorate of Marketing and Inspection at Calcutta with effect from 29-11-1978 (F.N.) upto 31-12-1978, or till the post is filled on regular basis, whichever is carlier.

No. A. 19025/114/78-A. III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Kishan Swarup has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group 1) in this Directorate at Guntur with effect from 28-11-1978 (F.N.), until further orders.

B. L. MANIHAR
Director of Administration
For Agricultural Marketing Adviser

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 4th November 1978

No. PPED/3(262)/76-Adm./15234.—In continuation of this Division's notification of even number dated September 16, 1978, Shri N. T. Varwani, a permanent Selection Grade Clerk of this Division who was appointed as Assistant Personnel Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of September 18, 1978 to the afternoon of October 21, 1978 has been permitted to continue to hold temporary charge of the same post upto the afternoon of November 22, 1978.

B. V. THATTE Administrative Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 19th December 1978

No. HWPs/Estt/1/R-61/5158.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Cadamattu Pachupillai Radhakrishnan, an officiating Assistant Accountant in Heavy Water Project (Talcher) to officiate as Assistant Accounts Officer in the same project, in a temporary capacity, on ad hoc basis, from September 18, 1978 (FN) to October 28, 1978 (AN) vice Shri D. Chattopadhyay, Assistant Accounts Officer, granted leave.

K. SANKARANARAYANAN Senior Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE CIVIL ENGINEERING DIVISION

Bangalore-560025, the 30th November 1978

No. 10/5(20)/78-CED (H)—Chlef Engineer, CivilEngineering Division, Department of Space is pleased to permote the undermentioned Officers of the Civil Engineering Division of the Department of Space to the posts as indicated against each with effect from the forenoon of October, 1, 1978 in an officiating capacity and until further orders:

Sl. No.	Name	Post & Grade from which promoted	Post & Grade to which promoted
1. Shri C	C.R. Venugopalan	Technical Assistant 'C'	Engineer- SB.
2. Shri C	3. Ramamurthy	· Foreman(Elec)	Engineer- SB.

P. I. U. NAMBIAR
Administrative Officer-II
for Chief Engineer

ISRO SATELLITE CENTRE

CORRIGENDUM

Peenya-562140, the December 1978

No. 020/3(061)/78, dated 14th December 1978.—In this Centre Notification of even No. dated 18th August 1978 the existing signatory to the Notification. "J. K. Saha Under Secretary" may be amended to read as "K. S. Krishnan Administrative Officer".

K. S. KRISHNAN Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 18th December, 1978

No. A-32014/1/78-EA—The Director General of Civil Aviation is pleased to continue the ad-hoc appointment of the following Assistant Aerodrome officers for a period of six months with effect from the date mentioned egainst each or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier:

S. Name No.			 Date	Station of posting
S/Shri			 	
1. H.S. Saudhu			5-12-78	Amritsar
2. K.C. Jharia			6-12-78	Jabalpur
3. C.V. Joseph			5-12-78	Madurai
4. H.D. Ghosal			5-12-78	Belgaum
5. P. Raghyan			5-12-78	Madurai
6. P.K. Dey			5-12-78	Begumpet
7. M.R. Naidu			5-12-78	Trivendrum
8. Hansraj			5-12-78	RD Office, New
				Delhi.
9. M.K. Roy Chow	dhu	ry.	5-12-78	Dum Dum
10. J.R. Soni .			5-12-78	Kanpur
				Chakeri).
P.N. Dhar			5-12-78	Palam
M.S. Sharma			5-12-78	Jaipur
 R.D. Bajpai 			5-12-78	Dum Dum
J.L. Kapoor			5-12-78	Bhuj
15. M.G. Thorat.			5-12-78	Nagpur
16. Prem Kumar			5-12-78	Palam
17. V.S.R. Rao .			5-12-78	V ijaywada
18. L.C. Chandwani			5-12-78	Bombay
				(Juhu)
19, K.P. Pandalai			5-12-7 8	Trivendrum.

No. A 39013/8/78EA.—The Director General of Civil Aviation has been pleased to accept the resignation from Govt. service of Shri R. I. Singh, Assistant Aerodrome Officer, Bombay Airport, Bombay, with effect from the 30-11-1978 (A,N.).

V. V. JOHRI Assistant Director of Administration

Collectorate of Central Excise and Customs

Kanpur, the 20th December 1978

No. 48/78—Consequent upon their promotion to the grade of Superintendent, Central Excise, group 'B' in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-10/0-EB-40-1200/- vide this office Estt. Order No. I/A/4/1978 dated 9-1-78 issued under endorsement C. No. II-22-Estt/78/44 dated 9-1-78, the following Inspectors (Senior Grade) Central Excise assumed

took over the charge of Superintendent, Central Excise Group 'B' on the dates & places mentioned against each :--

SI. No.	Name	Place of posting	Date of joining
1. Shrif.	M.K. Sheopuri	Supdt. (Audit) Hdqrs. offic Kanpur.	
2. Shri H	Iardyal Singh	. Supdt. (T.P.I. cell) Hdqrs. offic Kanpur.	21-1-78 (F.N.)
3. Shri R	k.K. Taneja	Supdt. (Audit) Hdqrs. offle Kanpur.	, ,
4. Shri N	I.L. Puri .	I.D.O., Ghaziabad-]].	30-1-78 (F.N.)
5. Shri S	J.D. Verma .	I.D.O., Ghaziabad-II.	24-2-78 (F N.)
6. Shri D	D.N. Sahni	. I.D.O., Ghaziabad-II.	10-5-78 (F.N.)

K.L. REKHI Collector

Nagpur, the 21st December 1978

No. 12.—Consequent upon his transfer, Shri B. L. Ganjapure, Assistant Collector, Central Excise, Division-II, Nagpur has assumed regular charge of Assistant Collector, Central Excise, Division-I, Nagpur in the forenoon of the 6th November, 1978 (which he was holding as additional charge in the leave period of Shri M. M. Shirazi, Assistant Collector).

After his posting as Assistant Collector to Central Excise, Division-I, Nagpur, Shri Ganjapure has held the additional charge of Assistant Collector, Central Excise, Division-II, Nagpur from 6-11-1978 to 13-11-1978 (F.N.).

No. 13.—Consequent upon his promotion to the grade of Assistant Collector of Customs and Central Excise, Service Group "A", Shri J. T. Dongre, Superintendent, Central Excise, M.O.R.I., Nagpur has assumed charge of Assistant Collector, Central Excise, Division-II, Nagpur in the forenoon of the 13th November, 1978, relieving Shri B. L. Ganjapure, Assistant Collector of his additional charge.

No. 14.—Consequent upon his transfer Shri K. S. Rao, Assistant Collector (Prev.)/(Technical)/(Audit)/(Valuation), Central Excise Hqrs. Office, Nagpur has assumed charge of Assistant Collector (Hqrs.), Central Excise, Nagpur in the afternoon of the 21st November, 1978, relieving Shri S. Banerjee, Assistant Collector transferred to Patna.

No. 15.—Consequent upon his transfer Shri M. M. Shirazi lately posted as Assistant Collector, Central Excisc, Division-I, Nagpur and under orders of transfer to Division-II, Nagpur has assumed charge of Assistant Collector (Prev.)/ (Technical)/(Audit) and (Valuation), Central Excise Hqrs. Office, Nagpur in the forenoon of the 21st November, 1978 relieving Shri K. S. Rao, Assistant Collector.

M. R. PAROOLAKER
Collector

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 23rd December 1978

No. A-32012/2/70-Adm. V.—In continuation of notification No. A-19012/741/78-Adm. V. dated 18th September, 1978, Chairman, Central Water Commission, hereby extends the ad hoc appointment of Shri N. M. Arora to the grade

of Assistant Research Officer (Physics) in the Central Water Commission in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on a purely temporary basis for a further period from 7-12-1978 to 28-2-1979 or (ill a regular officer in the grade becomes available, whichever is earlier.

No. A-19012/721/78-Adm. V.—On the recommendations of the Union Public Service Commission. the Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Shrikrishan Meena to the post of Assistant Research Officer (Scientific-Chemistry Group) in the Bhopal Gauging Division, Central Water Commission, Bhopal, under the Hydrological Observations (Central) Circle, Hyderabad, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—40—1200/- w.e.f. the forenoon of 15th November, 1978 until further orders.

2. Shri Shrikrishan Meena will be on probation to the above post for a period of two years with effect from 15-11-1978.

The 26th December 1978

No. A-19012/748/78-Adm. V.—The Chairman, Central Water Commission, hereby appoints on promotion Shri V. B. Joshi, Research Assistant, to the grade of Assistant Research Officer (Engineering) in the Central Water and Power Research Station, Pune in the scale of Pay of Rs. 650—30—740—35—810—FB—35—880—1000—EB—40—1200/- on a purely temporary and ad hoc basis with effect from the forenoon of 21-11-1978 upto 28-2-1979 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

J. K. SAHA Under Secy. Central Water Commission

CENTRAL RAILWAY

Bombay, the 22nd December 1978

No. HPB/220/G/II/L.—The undermentioned officiating Assistant Electrical Engineer (Class II) are confirmed in that appointment with effect from the dates shown against each:—

Name and Date of confirmation in Class II Service.

Shri C. L. Taxali—13-6-1978. Shri K. R. Sheshadri—1-9-1978.

> H. V. SAMUEL General Manager

MINISTRY OF SUPPLY & REHABILITATION (DEPARTMENT OF SUPPLY) NATIONAL TEST HOUSE, ALIPORE

Calcutta-27, the 16th December 1978

No. G-65/B(CON).—The undersigned hereby appoints Sarvashri B. K. Biswas, S. K. Sinha and P. K. Chakraborty, Scientific Assistants (Chemical) in the National Test House. Calcutta to officiate as Scientific Officers (Chemical) in the same office w.e.f. 6/10/78 (F/N) on an ad-hoc basis until further orders.

No. G-65/B(CON).—The undersigned hereby appoints Shri Sujit Das, Scientific Assistant (Electrical) in the National Test Heuse, Calcutta to officiate as Scientific Officer (Electrical) in the same office w.e.f. 23-9-78 (F/N) on an ad hoc basis until further orders.

E. K. RAMACHANDRAN
Director
National Test House

Calcutta-27, the 18th December 1978

No. G65/B(CON).—The Director, National Test House, Calcutta is pleased to appoint the following officers to officiate as Scientific Officers (Chemical) in the National Test House, Calcutta on a regular basis w.e.f. 22/8/78, unitl further orders.

Name & designation of the officer
Shri S. Ghosh, Scientific Officer (Chemical) (ad hoc)
Shri C. Ramachandra Rao, —do—
Shri B. L. Bansal, —do—
Shri C. R. Chakraborty, —do—
Shri Munnu Rai —do—
Shri A. K. Roy, —do—
Shri B. M. Sood, —do—
Shri S. N. Mishra, —do—

A. K. MAJUMDAR Deputy Director (Admn.) National Test House

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS) (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) (COMPANY LAW BOARD)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Gateway Tours Private Limited

Bombay-2, the 14th December 1978

No. 12899/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Gateway Tours Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Giva Safety Razor Co. of India Pvt. Ltd.

Bombay-2, the 14th December 1978

No. 6131/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Giva Safety Razor Co. of India Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Sagar Industries Private Limited

Bombay-2, the 14th December 1978

No. 8296/560(5).—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Sagar Industries Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Bombay Studios Private Limited

Bombay-2, the 14th December 1978

No. 3493/560(5).—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Bombay Studios Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Aquarious Shipping Company Private Limited

Bombay-2, the 14th December 1978

No. 17242/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Aquarious Shipping Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

L. M. GUPTA Asstt. Registrar of Companies Maharashtra In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Prominent Auto Distributors Pvt. Limited

Delhi, the 16th December 1978

No. 6673,21356.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Promient Auto Distributors Pvt. Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd. ILLIGIBLE Asstt. Registrar of Companies Delhi & Hariyana

-- ---- ----

In the matter of the Companies Act. 1956 and of M/s. AMISHA SAVING UNIT PVT, LTD.

Ahmedabad, the 20th December 1978

No. 2074/560/C.P.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Amisha Saving Unit Pvt. Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Viswanath Textiles Pvt. Ltd.

Ahmedabad, the 20th December 1978

No. 2208/560/C.P.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Viswanath Textiles Pvt. Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. The Ratanpole Chokshi Saving Unit Pvt. Ltd.

Ahmedabad, the 20th December 1978

No. 560/2318/C.P.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. The Ratappole Chokshi Saving Unit Pvt. Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

BRIJ KISHORE Asstt. Registrar of Companies Gujarat

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Mysore Metals Ltd.

Bangalore, the 21st December 1978

No. 1554/560/78.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Mysore Metals Itd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. N. GUHA Registrar of Companies Karnalaka

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Poonamallee Paper Mills Private Limited

(In Liquidation)

(Section 445 of the Companies Act 1956).

Madras, the 21st December 1978

No. 6255/C. Liqn/445/77.—Notice is hereby given that by an order of the High Court of Judicature at Madras, dated 14—416GI/78

6-10-1977 passed in C.P. No. 40 of 1977 the Company "Poonamallee Paper Mills Private Limited" was wound up.

No. 400/Liqn/560/78.—Whereas The Coimbatore Match Industries Limited, having its registered office at 11 '33, Muma Naicken Street, Raja Street, Coimbatore is being wound up;

AND WHI RFAS the undersigned has reasonable cause to believe that no I iquidator is acting and that the statement of accounts required to be made by the Liquidator have not been made for a period of six consequitive months;

NOW THEREFORE, in pursuance of the provisions of sub section (4) of Section 560 of the Companies Act 1956, notice is hereby given that at the expiration of three months from the date of this notice the name of The Coimbatore Match Industries Limited will unless cause is shown to the contrary be struck off the register and the company will be dissolved.

Dated at Madras this

day of December 1978.

Y. SATHYΛNARAYANA Asstt. Registrar of Companies Tamil Nadu

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME TAX KERALA

Cochin-18, the 26th November 1978

ORDER

C. No. 2/Estt./Gaz/Con/78-79 The following promotions, postings and transfers are hereby ordered:

I. Promotion

The following Inspectors of Income-tax are hereby appointed to officiate as Income-tax Officers, Group-B, in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, with effect from the date(s) they take over charge and until further orders:—

S/Sri

- 1. K.J. Anthappan
- 2. K. Ramankutty Menon
- 3. M. Sivasankaran

They will be on probation for a period of two years.

2. The above appointments are made on a purely temporary and provisional basis and are liable to termination at any time without notice. The appointments are subject to the result of Original Petitions No. 3755/76-L and No. 2499 of 1977-L before the High Court of Kerala.

II. Postings and Transfers

S. No.	Name	From	To	Remarks
1	2	3	4	5
S/S				
1 K.	J. Anthappan	ITI on promotion as ITO, Group-B.	ITO, D- Ward, Circle-II, Calicut	Relieving Sr1 P.A. Mathew of his addi- tional Charge.
	Ramankutty	emī.	TT0	an entre
Mei	ion	ITI on promotion as ITO, Group-B.	ITO, C-Ward, Quilon.	Vice Sri N. Raghayan transferred.

·			
1 2	3	4	5
3. N. Raghavan,	ITO, C-Ward, Quilon.	ITO, B-W ted, Quilon.	Vice Sri V. Gopinathan Pillar transferred.
4. V. Gopinachan Pillai	ITO, B-Ward, Quilon.	ITO, A-Wa.d, Quilon,	
5. M. Sivaankaran .	ITI on promotion as ITO-Group-B.	ITO, B-Wa ₁ d, Sd ₄ ,y Circle, Triyandrum,	Relieving Smt. Jayashree Ramus- chandran of the additional charge of Salary Circle, B-Ward. Triyandrum.

M. S. UNNINAYAR

Commissioner of Incompatax

New Delhi, the 19th December 1978

INCOME-TAX

No. JUR-DL1/II/78-79/33794.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 123 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-II, New Delhi hereby directs that the following Income-tax Range shall be created with effect from 20-12-78.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Delhi Range-II-G, New Delhi.

A. C. JAIN Commissioner of Income-tax Delhi-II, New Delhi

New Delhi, the 16th December 1978 INCOME-TAX

No. JUR/DLI/V/78-79/33502.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124 of the Income-tax Act, 1961 (48 of 1961) and of all other powers enabling him in this b-half, the Commissioner of Income-tax, Delhi-V, New Delhi hereby directs that the following Income-tax Circle shall be created with effect from 21-11-78.

Distt. II(15) Addl. New Delhi.

No. JUR-DLI/V/78-79/33633.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) & (2) of section 124 of I.1. Act 1961 (48 of 1961) and in partial modification of the notifications issued earlier on the subject, the Commissioner of Income-tax, Delhi-V hereby directs that the Distt. II (15) Addl. New Delhi shall have concurrent jurisdiction with Income-tax Officer, District-II(15) New Delhi in respect of the persons/cases assessed/assessable by them excepting the cases assigned u/s 127 or which may herafter be assigned.

For the purpose of facilitating the performance of the functions C.I.T. Delhi-V also authorised the I.A.C. V-C to pass such orders as contemplated in sub-section 2 of the section 124 of the I.T. Act 1961.

This notification shall take effect from 21-11-78.

K. R. RAGHAVAN Commissioner of Income-tax Delhi-V, New Delhi

Bombay-20, the 20th December 1978 INCOME-TAX ESTABLISHMENT

No. 580.—Shri S. H. Gehani, 6th Income-tax Officer, B S.D. (South), Bombay is hereby appointed substantively to the post of Income-tax Officer, Class II (Group B), with effect from 28-9-76 (28th September 1976).

T. S. R. NARASIMHAM Commissioner of Income-tax Bombay City VI, Bombay

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 30th November 1978

Ref. No. K-84/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing One kothi situated at Mohalla Rajendra Nagar, Civil Lines, Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad on 4-4-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Prabhawati Widow of Raghuraj Saran Sharma.

(Transferor)

(2) Smt. Krishna Sharma wife of Shri Vir Singh Tayagi.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are deluted in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One kothi situate at Mohalla Rajendra Nagar Civil lines, Moradabad and all that description of the property which is mentioned in the sale-deed and form 37-G No. 148 duly registered on 4-4-1978 at the office of the Sub-Registrar, Moradabad.

A. S. RISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 30-11-1978

Seal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st December 1978

Ref. No. P. R. No. 643 Acq.23-1111/19-7/78-79,--Whereas J, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Sur. No. 46 Paiki open land, situated at Vil. Umra, Tal: Choryasi, Dist: Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 20-4-1978

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-lax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Veljibhai Devjibhai, Khansaheb-ni-Wadi, Athwa, Surat.

(Transferor)

(2) Gopalkrishna Co. Op. Housing Society Ltd., President: Girdharilal Mangaldas Sinamiya, Secretary: Manoharlal T. Patel C/o The Surat District Co. Operative Bank Ltd., Kanpith, Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing Survey No. 46 (Paiki) situated at Vil. Umra, Tal; Choryasi, District Surat, admeasuring 2500 sq. yds, as fully described the registering authority, Sub-Registrar, Surat in the registered deed No. 2338 dated 20-4-1978.

> S. C. PARIKH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 21-12-1978

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411004

Poona-411004, the 1st December 1978

Ref. No. CA5/Haveli-II/Aug '78/382.—Whereas I, Smt. P. LALWANI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

S. No. 36, CTS No. 139, plot No. 14 out of Pandurang Colony layout sub-plot No. 13 situated at Erandawane, Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Haveli-II on 24-8-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other acts which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, so the following persons, namely:—

I. Shri Pandharinath Kamanu Shirodkar,
 Mrs. Piroj Pandharinath Shirodkar,
 1292, Shivajinagar, Pune-5.

(Transferor)

(2) Parag Co-operative Housing Society Ltd. Mitra Mandal Colony, Parvati, Pune-9.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 36, C.T.S. No. 139, plot No. 14 out of Pandurang Colony layout, Subplot No. 13, Erandawana, Punc. 5670 sq. ft.

(Property as described in the sale deed registered under No. 2073 dated 24-8-1978 in the office of the Sub-Registrar, Haveli-II).

Smt, P. LALWANI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 1-12-1978

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411004

Poona-411004, the 1st December 1978

Ref. No. CA5/Haveli-11/Oct '78/378.—Whereas I, Smt P. LALWANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property,

having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 132/2+3,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Haveli-I on 27-10-1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) 1. Mrs. Shobhana Sitaram Ranade
 - Shri Sitaram Yeshwant Ronade
 At Nilachal, S. No. 132/2+3, plot No. 7, Aundh, Dist. Punc.

(Transferor)

- (2) 1. Mrs. Revaben Jayant Adhia,
 - Shri Jayant Dayalji Adhia, Bungalow No. 7, Vishwalaxmi Society, Kothrud, Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 132/2-3 situated at Aundh, Pune. Area: 5450 sq. ft. together with two storied building. (Property as described in the sale deed registered under No. 1826 dated 27-10-1978 in the office of the Sub-Registrar, Haveli-II).

Smt. P. LALWANI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 1-12-1978

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD,
POONA-411004

Poona-411004, the 1st December 1978

Ref. No. CA5/Haveli-II/Oct '78/380.—Whereas I, Smt. P. LALWANI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

Plot No. 15 in S. No. 134/4, situated at Bhamburda (Shiva-jinagar)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haveli-II on 7-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shti Madhukar Yeshwant Gupte,
 - 2. Mrs. Suhasini Madhukar Gupte, Snehalkunj Housing Society, Linking Road Extension, Santacruz, Bombay-400 054.

(Transferor)

(2) Shri Anant Narayan Bapat, 5, Sadashiv Peth, Punc-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 15 in S. No. 134/4 Bhamburda (Shivajinagar) Pune.

Area : 5250 sq. ft. 525 sq. mts.

(Property as described in the sale deed registered under No. 1663, dated 7-10-78 in the office of the Sub-Registrar, Haveli-II).

Smt. P. LALWANI.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date: 1-12-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411004

Poona-411004, the 1st December 1978

Ref. No. CA5/Haveli-1/Oct '78/379.—Whereas I, Smt. P. LALWANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

C.S. No. 1033, plot No. 357, situated at Shivajinagar, Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Pune on 23-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

(1) M/s. Angal & Co. R.F. & its partners:

1. Shri Subhash Dattatraya Angal,

Shri N. S. Angal,
 Shri D. S. Angal,

Sau. Vidya S. Angol, and
 Sau. Kamalabai D. Angal,

108/82, Shivajinagar, Chaturshingi, Pune-16.

(Transferor)

(2) Jaishree Co-operative Housing Society, Shiyajinagar, Pune-5.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C.S. No. 1033, Plot No. 357, Shivajinagar, Pune. 1942 sq mts.

(Property as described in the sale deed registered under No. 2668 dated 23-10-1978 in the office of the Sub-Registrar, Haveli-I).

Smt. P. LALWANI.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date: 1-12-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411004

Poona-411004, the 1st December 1978

Ref. No. CA5/Haveli-II/Sept '78/371.—Whereas I, Smt. P. LALWANI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 46/3/3(B), situated at Erandava, Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Haveli-II on 7-9-1978 for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income parising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of the said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely;——15—416GI/78

(1) 1. Mr. Pandurang Madhav Damle, 540, Shanwar Peth, Pune-30.

2. Mr. Ramkrishna Madhav Damle, Ganesh Nagar Bhartiya Society, Frandawana. Pune-4.

Frandawana, Pune-4.

3. Shri Govind Madhav Damle,
B-7, Pune University Compound, Pune-7.

(Transferors)

(2) Shri Purushottam Premji Patel, Partner of M/s. Sahyadri Enterprises, 280-C. Parasmani on Phule Peth, Pune-2.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 40/3/3(B) plot in village Erandawana off Panvel Road, Pune,

Area: 10012 sq. ft,

(Property as described in the sale deed registered under No. 1414 dated 7-9-1978 in the office of the Sub-Registrar, Haveli-II).

Smt. P. LALWANI,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date: 1-12-1978

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411004

Poona-411004, the 19th December 1978

Ref. No. CA5/Haveli-II/Junc '78/391.—Whereas I, Smt. P. LALWANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.T.S. No. 47/3B, F.P. No. 70/3B,

situated at Erandawone, Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Haveli-II, Pune on 19-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Shardabai G. Jambekar. 199/5. Sadashiv Peth, Pune-30.
 - Mrs. Kusumayati Shripad Khamelkar, 70/3/B. Erandawana, Pune.
 - 3. M/s. Technocrate Builders, 78, Nana Peth, Pune.

(Transferor)

(2) Pankhar Sahakari Griha Rachana Sanstha Maryadit, Pune. 70/3/B, Frandawana, Punc.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C.T.S. No. 47/3B, F.P. No. 70/3/B, Erandawana, Pune. Area: 875.52 sq. mts.

(Property as described in the sale deed registered under No. 991 dated 19-6-1978 in the office of the Sub-Registrar, Haveli-II).

Smt. P. LALWANI.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date: 19-12-1978

(1) Smt. Sarojini Mahadeo Raste, 55/22, Erandawana, Pune-4.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Vijaya Vasant Palshikar, 526, Shaniwar Peth, Pune-30.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411004

Poona-411004, the 19th December 1978

Ref. No. CA5/Haveli-II/April '78/392,—Whereas I, Smt. P. LALWANI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the unmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.T.S. No. 526, situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Haveli-H, Pune on 26-4-1978

consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C.T.S. No. 526, Shaniwar Peth, Pune-30, including building.

Area: 1120.4 sq. mts.

(Property as described in the sale deed registered under No. 402 dated 26-4-78 in the office of the Sub-Registrar, Haveli-II).

Smt. P. LALWANI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date: 19-12-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 11th September 1978

Ref. No. 17/April/78.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

'Clermont Estate', situated at Killiyur village, Yercaud Tk., Salem District

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Sub-Registrar Office, Yercaud (Doc. No. 961/78) on 30-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mr. Harry J Pereira, S/o Jerome F Pereira. Engineer, Linvilla Asramam, Quilon PO, Kerala State.

(Transfector)

- Mrs. Muthra Devi, W/o Shri M V Prasad.
 New Fairlands, Salem-4.
 - Shri K. Subramoniam, S/o Kalianna Gounder, Pullipalayam, Sankari Tk.
 - Minor R. Rangarajan, S/o Sri R. Rathnam, Rukmini Asramam, Hasthampatti, Salem-7.

(Transferees)

Objections, if any to the acquisition of the said porperty may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

132.99 acres of estate land at Killiyur village, Yercaud Taluk.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 11-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 11th September 1978

Rcf. No. 18 April 78 .- Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

'Clermont Estate',

situated at Killiyur Village, Yercaud Tk, Salem District (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Yercaud (Document No. 962/78) on 30 April 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Aloshia H Pereira, D/o S. S. Gomez. Linvilla Asramam, Qilon-2.

(Transferor)

(2) 1. Mrs. Muthra Devi, W/o M V Prasad,
76, New Fairlands, Salem-4.
2. K. Subramaniam, S/o Kalianna Gounder,

Pullipalayam, Sankari Tk. 3. Minor R. Rangarajan, Rep. by Gdn./father S. Rathnam, Rukmani Ashramam, Hasthampatti, Salem-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

42.74 acres of estate land in Killiyur Village, Yercaud Taluk, Salem District.

> O. ANANDARAM, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 11-9-1978

Scal:

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 15th September 1978

Ref. No. 16/APR./78.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

11 97, 98, 99, situated at St. Mary's Road, Kodaikanal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Kodaikanal (Doc. No. 250/78) on 18-4-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Grace Wardell, W/o Late Sri Simon Wardell, Summerseat. Tapps Road, Kodaikanal.

(Transferor)

- (2) 1. Mr. Rajesh Malhotta, 7/7, Cenotaph 2nd Lane Madras-18.
 - Master Atul Malhotra, S/o Ravi Malhotra, 7/7, Cenotaph 2nd Lane Madras-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3.10 acres of land with buildings at Door No. 11/97, 98, 99, St. Mary's Road, Kodaikanal.

Document No. 250/78.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 15-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 12th October 1978

Ref. No. 5/April/78.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6/44, situated at Harrington Avenue, Madras-31 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Document No. 269/78) on 5 April 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dr. K M George, S'o Kurien Mathai, Karimpumannil House, Kowdiar, Trivandrum, Kerala State.

(Transferor)

(2) Dr. Mammen Chandy, S/o TP Chandy, 265, Ranga Colony, Selaiyur, Madras-600 073.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & Buildings measuring in all 2 grounds and 1800 Sq. ft. at 6/44, Harrington Avenue, Madras-31.

O. ANANDARAM.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 12-10-1978

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

MADRAS-6

Madras-6, the 12th October 1978

Ref. No. 30/April/78.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

52, situated at Savarimuthu Street, Madras-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the JSRO-I, Madras North (Doc. No. 1409/78) on 20th April 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 '27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Haji Mohammed and others, 13. Montieth Road, Egmore, Madras-8.

(Transferor)

(2) Smt. S. Sulaiha Marium, 52, Savarimuthu Street, Madros-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & Buildings measuring 2046 sq. ft. situate at No. 52, Savarimuthu Street, Madras-1.

O. ANANDARAM,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 12-10-1978

(1) Shri S. W. Kanagaraj, 5, Linghi Chetty Street, Madras-1

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-L

MADRAS-6

Madras-6, the 12th October 1978

Ref. No. 7/April/78.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

A/33, situated at Kilpauk Garden Colony, Madras-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet. Madras (Document No. 312/78) on 15th April 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

16-416GI/78

(2) 1. Mt. 1. Theodre; A/33, Kilpauk Garden Colony, Madras-10.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the office Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building measuring 1 ground and 1786 sq. ft. situate at A/33, Kilpauk Garden Colony, Modras-10.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 12-10-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 26th October 1978

Ref. No. 11/April/78.--Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. situated at Reclathiruthangal, Sivakasi, Sattur Tk., Ramnad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1928 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer ar SRO, Sivakari (Document No. 820/78) on 6 April 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 19 57);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-secsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

 Smt. H. Lakshmi Thai, W/o T. Haridoss,
 49, K. M. Rama Nadar Street, Sivakasi.

(Transferor)

- (2) M/s. Anil Fireworks. Velayutham Road, Sivakasi Represented by:
 - 1. P. Paulrajan; 2. P. Shenbagamoorthy;
 - 3. P. Sivapiran; and 4. P. Krishnamoorthy, Partners.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

15.45 acres of lands at Keelathiruthangal Village, Sivakasi in Survey 1252 No. A2-11; S. 1253 No. A. 4-01; S. No. A2-66; S. 1196 No. A6-67.

> O. ANANDARAM, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-1, Madras-6

Date: 26-10-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-6

Madras-6, the 26th October 1978

Ref. No. 12/April/78.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing No.

situated at Keela Thiruthangal, Sivakosi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Siyakasi (Document No. 821/78) on 6 April 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Shri T. Haridass, S/o Late Thangappa Nadar, Palani Andavar Puram Colony, Siyakasi.

('Transferor)

- (2) M/s. Anil Fire Works Factory, Sivakasi Represented by partners:

 - 1. Shri P. Paulrajan;
 2. Shri P. Shenbagamurthy;
 3. Shri P. Sivapiran; and
 4. Shri P. Krishnamoorthy.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands measuring 26 acres and 90 cents with buildings thereon at Keela Thiruthangal, Sivakasi.

O. ANANDARAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-6

Data: 26-10-1978

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 28th October 1978

Ref. No. 6/April/78.—Whereas I. O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

7, situated at Halls Road, Egmore, Madras-8 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Perlamet, Madras (Document No. 295/78) on 12 April 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri S. Sandanam, S/o Sebasthia Pillai, 4-4, Davidson Street, George Town, Madras-1.

(Transferor)

(2) STAND, 1/16-A, Sterling Road, Madras-34. Represented by: Rev. Father Claude D'Souza s.j., National Director, STAND.

(Transferee)

(3) Syndicate Bank.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at No. 7, Halls Road, Egmore, Madras-8.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 28-10-1978

FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 28th October 1978

Ref. No. 15/April/78.—Whereas I, O. ANANDARAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Ginning Factory. situated at Krishnan Koil Village, Srivilliputtur Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Srivilliputtur (Document No. 654/78) on 10 April, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- Shri T. Narayanaswamy, S/o Thathayya Naicker, Partner, Sri Sreenivasa Ginning Factory, Pandit Jawaharlal Road, Srivilliputtur Town; and
 - Shri N. K. Gopalsamy Naicker, Nachiyarpatty, Nachiyar Koil Village, Srivilliputtur Tk.

(Transferon)

- (2) 1 Smt. R. Saraswathiammal W/o VKS Ramaswamy Naicker, Vijayarengapuram, Pondhapuli PO, Sankarankoil Tk., Tirunelveli District.
 - 2. Shri R. Subbukrishnan, S/o VKS Ramaswamy Naicker,
 - Shri L. N. N. Mohan, S/o
 L. K. Narayanasamy Naicker,
 Mayuranathaswami Koil Street,
 Rajapalayam Town, and
 - Shri F. Ibrahim Zafrullakan, S/o
 Fazlullahkhan,
 Ankur Rawther Street, Sammadhapuram,
 Rajapalayam Town.

(Transferecs)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & Cinning Factory buildings situate at Krishan Koil Village, Srivilliputtur Tk.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 28-10-1978

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, MADRAS-6

Madras-6, the 28th October 1978

Ref. No. 31/April/78.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 44, situated at Veerappan Street, Madras-I (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR 1, Madras North (Document No. 31/78) on 30-4-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri S. D. Vimalchand Sowcar, S'o Dharamchand Sowcar Jain, 44, Veerappan Street, Madras-1.

(Transferor)

(2) Shri T. Manakchand, S/o Tejraj Jain, 4/1 Venkatanarayana Road, T. Nagar, Madras 600 017.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & buildings situate at 44, Vecrappan Street, Madras-1.

O. ANANDARAM
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 28-10-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Modras-6, the 31st October 1978

Ref. No. 21/April 78.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 174, situated at Mint Street, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Sowcarpet (Document No. 150/78) on 28 April, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Shri K. Venkatanarayana, Shri K. Venkateswar Rao, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri B. Mohanlal, 172, Mint Street, Mudras-1.

(Transferee)

- Devaki Govindarajulu, (3) 1. M/s. 174 Mint St., Madras-1.
 - Mr. T. Logasundaram, 174 Mint St., Madras-1.
 - 3. Mr. Raju Naicker, 174 Mint St., Madras-1.
 - Mr. Muralikrishna, 174 Mint St., Madras-1,
 - M/s. National Sales & Service, 174 Mint St., Madras-1.
 Mr. K. Venkateswaralu,
 - 6. Mr. K. Venkateswaralu, 174 Mint St., Madras-1.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and House buildings at No. 174, Mint Street, Madras-1 in R.S. No. 7275.

> O. ANANDARAM Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 31-10-1978

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 1st November 1978

Ref. No. 4/April/78.—Whereas I, O. ANANDARAM. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

15/16, situated at Casa Major Road, Egmore, Madras-8 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet, Madras (Doc. No. 264/78) on 3-4-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- Shri T. Ramachandra, 64, Harrington Road, (1) 1
 - Madras 31.
 Shri T. Namberumal,
 S/o T. Rangamannar Chetty,
 USA. Represented by Shri M. Viswanathan, 74./1, Harrington Road, Chetput, Madras-31.

(Transferors)

- (2) 1 M/s. II. P. A. International, 15/16 Casa Major Road, Modras-8.
 - Shri H. A. Md. Aleemuddio, 20/21, Casa Major Road, Madras-8.
 - 3. Mrs. Sufia Bee, W/o H P Ameenuddin, 47, Aliyar St., Dharnampet, Gudiyatham,

 - Dharnamper, Gudiyutham.

 4. Mrs. Asia Begum, W/o
 V. M. Ghouse Basha,
 169, Aliyar St., Gudiyatham.

 5. Mrs. H. A. Zahida Jan, W/o
 Azcemullua Khan,
 "Khan Manzil", Kajoor, Chittoor, A.P.; and
 6. Shri S. M. Azamathullah Saheb, S/o
 S. A. Lateef Saheb,
 18. Whosei Kayram, St.
 - 18, Khasai Kareem St., Ramanayakampalayam, Vellore.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and Buildings at No. 15/16, Casa Major Road, Egmore, Madras-8.

> O. ANANDARAM Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I. Madras-6

Date: 1-11-1978

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 8th November 1978

Ref. No. 2/April/78.—Whereas J, O, ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

66, situated at Armenian Street, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

JSRO I, Madras North (Doc. No. 1304/78) on 10th April 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

17-416GI/78

- (1) 1. Shri V. M. Md. Umar Mian Saheb, 83/84. NP Koil St., Madras-1.
 - 83/84. NP Koil St., Madras-J.
 2. Shri B. Muneer Ahamath,
 6/20, Vepery High Road, Madras-3.
 3. Shri B. Kizar Ahamath,
 25/26, Ritherdon Road, Madras-7.
 4. Smt. Zulaika Begum,
 3. Baburao St.,

 - Vellore-4; and
 5. Shri B. Kaleel Ahamath,
 25/26, Ritherdon Road, Madras-7.

(Transferors)

(2) Smt. P. Hemamalini. 1A, Srinivasa Reddy St., Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and buildings (extent: 1 ground 101 sq.ft.) situated at No. 66, Armenian Street, Muthialpet, Madras-1.

O. ANANDARAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 8-11-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Soman Nair; and Shri Krishnan Nair, 'Sri Krishna Vilasam', Bangulore (Olayil Cheri, Quilon).

(Transferors)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri C. P. Alikunju, Rose Villa,
 K. S. Puram, Karunogapalli, Kerala State.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 30th November 1978

Ref. No. 34/April/78.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

R.S. 328/2, situated at Eenthihala, Andicode vge, Vilavancode Tk,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration officer at

SRO, Quilon (Document No. 1143/78) on April 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

77 Cents of land and shed situate at Eenthihala, Andicode Village, Vilavancode Tk. in O.S. No. 1241/R.S. No. 328/2.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 30-11-1978

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) R. Vasuki, W/o

 Rajagopal, 1A, 3rd Cross St., Shenoynagar,

(Transferor)

(2) P. Shantilal, S/o K. Pukraj, GOVERNMENT OF INDIA Pukraj, Oppanakkara St., Coimbatore.

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 20th December 1978

Ref. Nο. 4722.—Whereas I, T. V. G. KRISHNA-MURTHY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

12/151, situated at Oppanakkara St., Coimbatore Town (Doc. No. 1354/78)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbatore on June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

THE SCHEDULE

Land and building at 12/151, Oppanakkara St., Coimbatore (Doc. No. 1354/78).

T. V. G. KRISHNAMURTHY Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 20-12-197%

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 20th December 1978

Ref. No. 4701.—Whereas, I, T. V. G. KRISHNA-MURTHY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

15, situated at Kambar St., Mahalingapuram, Pollachi (Half share)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pollachi (Doc. No. 1080/78) on May 1978

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Dr. S. Rukmani, W/o M. C. Veluswamy, Palaghat Road, Pollachi.

(Transferor)

 Minor C. Ramanathan, by Guardian Alamelu Achi, W/o
 P. R. M. S. Chellappa Chettiar,
 15, Kambar St., Mahalingapuram,
 Pollachi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 15, Kambar St., Mahalingapuram, Pollachi (Half share) (Doc. No. 1080/78).

T. V. G. KRISHNAMURTHY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 20-12-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IL MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 20th December 1978

Ref. No. 4701.—Whereas I, T. V. G. KRISHNA-MURTHY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

 situated at Kambar St., Mahalingapuram, Pollachi (Half share)

(and more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pollachi (Doc. No. 1081/78) on May 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dr. S. Rukmani, W/o Late M. C. Veluswamy, Palghat Road, Pollachi.

(Transferor)

 R. M. S. Chellappa Chettiar S/o P. R. M. S. Ramanathan Chettiar, 15, Kambar St. Mahalingapuram, Pollachi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 15, Kambar St., Mahalingapuram, Pollachi (Half share) (Doc. No. 1081/78).

T. V. G. KRISHNAMURTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 20-12-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 20th December 1978

Ref. No. 4798.—Whereas, I, T. V. G. KRISHNA-MURTHY,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T.S. No. 949/3(part), situated at Race Course Road, Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 2414/78) on August 1978

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Saroja Mills Ltd., Singanallur (PO) Coimbatore 641 005.

(Transferor)

(2) Virudhunagar Textile Mills Ltd., Sulakkarai, Virudhunagar, Ramnad Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in T.S. No. 949/3(Part) Race Course Road, Coimbatore (Doc. No. 2414/78).

T. V. G. KRISHNAMURTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 20-12-1978

FORM ITNS——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME- TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600 006, the 20th December 1978

Ref. No 4751.—Whereas, I, T. V. G. KRISHNA-MURTHY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 28/336, Big Bazaar St., situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Coimbatore (Doc. No. 1697/78) on June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 A. Balasubramaniam & A. Karthikeyan, 711, Big Bazaar St., Coimbatore.

(Transferor)

 M. Sundaramurthy, 707, Big Bazaar St., Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 28/336, Big Bazaar St., Coimbatore (Doc. No. 1697/78).

T. V. G. KRISHNAMURTHY

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date: 20-12-1978

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT.

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600 006 the 20th December 1978

Ref. No. 4751.—Whereas, I, T. V. G. KRISHNA MURTHY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

28/709, 710, 711, situated at Big Bazar St., Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Coimbatore (Doc. No. 1698/78) on June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M. Sundaramurthy, S/o C. P. Muthuswamy Chettinr, 707, Big Bazaar St., Coimbatore.

(Transferor)

(2) A. Balasubramaniam & A. Karthikeyan, 711, Big Bazaar St., Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 28/709, 710, 711, Big Bazaar St., Coimbatore (Doc. No. 1698/78).

T. V. G. KRISHNAMURTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incone-tax
Acquisition Range-II
Madras-600006

Date: 20-12-1978

FORM ITNS. ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600 006 the 20th December 1978

Ref. No. 4723.—Whereas, I, T. V. G. KRISHNA-MURTHY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 7/27, 28 and 29, situated at Old Post Office Road, Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 1375/78) on May 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

18—416 GJ/78

(1) II Additional Sub-ordinate Indge, Coimbatore for Pappammal (Alias) Rangammal.

(Transfero

(2) G. Dhanabagyam, W/o K. A. Gopalan, 88, Nawab Hakim Road. Coimbatore.

(Transfere,)

(3) Hotel Muniyandi Vilas, Coimbatore.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land and building at 7/27, 28 and 29, Old Post Office Road, Coimbatore (Doc. No. 1375/78).

T. V. G. KRISHNAMURTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600006

Date: 20-12-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) K. N. Subramaniam, Partner in

Lakshminagar, Thiruppur.

(Transferor)

M/s. Jupiter Knitting Co. 94F, Lakshminagar Main Road, Thiruppur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IL MADRAS-600006

Madras-600 006, the 20th December 1978

Ref. No. 4696.-Whereas, I, T. V. G. KRISHNAMURTHY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. T. S. No. 1158/3/28/2, situated at Lakshminagar Extension, Thiruppur

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Thiruppui (Doc. No. 711/78) on May 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

(1) P. Ramaswamy, S/o Palaniswamy Gounder,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Lakshminagar Extension, Thiruppur in T.S. No. 1158/3/28/2. (Doc. No. 711†78)

> T. V. G. KRISHNAMURTHY Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date: 20-12-1978.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600 006, the 20,h December 1978

Ref. No. 4687.—Whereas, I, T. V. G. KRISHNAMURTHY,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/= and bearing

No. 196, Bhavani Main Road, situated at Perundurai (Half share)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Erode (Doc. No. 1276/78) on May 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Pappayammal Widow of E. R. Venkatachalam.
 - (2) E. V. Krishnan
 - (3) F. V. Ramaswaniy S/o F. R. Venkatachala Gounder, Engur, Frode Taluk.

(Transfero)

 E. R. Kumaiaswamy, Turmeric Commission Mundy, 253, Nethaji Road, Erode.

(Transferee)

*(3) The Coimbatore Marketing Committee, Perundural.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 Jays from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at 196, Bhavani Main Road, Perundurai. (Doc. No. 1276/78)

T. V. G. KRISHNAMURTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600006

Date: 20-12-1978.

FORM IT'NS (1)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600 006, the 20th December 1978

Ref. No. 4687.—Whereas, I T. V. G. KRISHNA-MURTHY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beating

and bearing No.

No. 196. Bhavani Main Road, situated at Perundurai (Half share) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Erode (Doc. No. 1277/78) on May 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons namely:—

- (1) (1) Pappayammal, Widow of E. R. Venkatachalam
 - (2) E. V. Krishnan (3) E. V. Ramaswamy, S/o E. R. Venkatachala Gounder, Engur, Erode Taluk.

(Transferors)

(2) M/s. V. S. Shanmughasundara Gounder & Co. 142, Nethaji Road, Erode.

(Transferee)

*(3) The Coimbatore Marketing Committee, Perundural.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 196, Bhavani Main Road, Perundurai.
(Doc. No. 1277/78)

T. V. G. KRISHNAMURTHY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600006.

Date: 20-12-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600 006, the 20th December 1978

Ref. No. 4772.—Whereas, I T. V. G. KRISHNA-MURTHY,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market

value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 196, Bhavani Main Road, situated at Perundural (Half share) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Erode (Doc. No. 2452/78) on July 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the 'Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 E. R. Kumaraswamy Turmeric Commission Mundy, 253, Nethaji Road, Erode.

(Transferor)

(2) V. C. Venkatachalam, S/o V. M. Chennimalai Gounder, 51, Erode Road, Perundurai.

(Transferee)

*(3) The Coimbatore Marketing Committee, Perundural.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 196, Bhavani Main Road, Perundurai.
(Doc. No. 2452/78)
(Half share)

T. V. G. KRISHNAMURTHY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600006.

Date: 20-12-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IL, MADRAS-600006

Modras-600 006, the 20th December 1978

Ref. No. 4772.---Whereas, I, T. V. G. KRISHNAMURTHY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. 196, Bhavani Mam Road, situated at Perundurai (Half share) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Erode (Doc. No. 2488/78) on July 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen

percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons namely:—

(1) M/s. V. S. Shanmughasundara Gounder & Co. 142, Nethaji Road, Erode.

(Transferor)

(2) V. C. Ventachalam, S/o V. M. Chennimalai Gounder, 51, Erode Road, Perundurai.

(Transferee)

(3) The Coimbatore Marketing Committee, Perundural. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 196, Bhavani Main Road, Perundurai.
(Doc. No. 2488/78)
(Half share)

T. V. G. KRISHNAMURTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600006.

Date: 20-12-1978.

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 9 FOREST PARK, BHUBANESWAR-9

Bhubaneswar-9, the 6th December 1978

Ref. No. $78/78-79/\text{IAC}(\Lambda/R)/\text{BBSR}$.—Whereas, I. B. MISRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Holding No. 25 situated at Nayasarak, Cuttack

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Dist. Sub-Registrar, Cuttack on 24-5-1978

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Gangaram Chapolia S/o Turmal Chapolia. (Transferor)
- (2) Shri Om Prakash Chapolia through his father Babulal Chapolia. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned (--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land with building situated in Holding No. 25, Nayasarak, Cuttack under the jurisdiction of Dist. Sub-Registrar, Cuttack and registered by Sale document No. 3893 dated 24-5-78

B. MISRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhubaneswor.

Date: 6-12-1978.

FORM ITNS....

(1) Shiimati Renuka Dey, W/o S. K. Dey, (2) Shii Krishna Chandra Dey, S'o S. K. Dey.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Antaryami Panigrahi, S/o B. Panigrahi (2) Smt. Santilata Sahu, W/o R. C. Sahu (3) Smt. Usha Rani Panda, W/o D. Panda.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 9, FORFST PARK. BHUBANESWAR-9

Bhubaneswar-9, the 21st December 1978

Ref. No. 80/78-79/IAC(A/R)/BBSR.—Whereas, I. B. MISRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

holding No. 10/1 situated at Beach Road, R. Gopalpur N.A.C.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sub-Registrar, at Chatrapur on 26-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land with building situated in Ward No. 1, holding No. 10/1, Beach Road, R. Gopalpur N.A.C. under the jurisdiction of Sub-Registrar, Chatrapur registered by sale document No. 1753 dated 26-4-1978.

B. MISRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhubaneswar.

Date: 21-12-78.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 28th June 1978

Ref. No. Acq/63/Farrukhabad/78-79/2016.—Whereas. I, R. P. BHARGAVA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Farrukhabad on April, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

19-416GI/78

(1) S/Shvi Ram Sagar s/o Sewaiam, Arun Prakash s/o Rampal and Suman w/o Shti Arun Prakash R/o Vill. Khadauli, P.O. Khas, Parg. Kharkhatmau, Distt. Farrukhabad.

(Transferor)

(2) S Shri Ram Prakash s/o Chakrapan and Smt. Ladili Devi w/o Ram Prakash, r/o Harkampur, Distt. Farrukhabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of agricultural land measuring 7.121 acres situated at vill. Harkampur, Distt. Farrukhabad, transferred for an apparent consideration of Rs. 45,000/-.

R. P. BHARGAVA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kanpur

Date: 28-6-78

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 26th July 1978

Ref. No. Acq/22/Agra/78-79.—Whereas, I, L. N. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 6-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfe and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ram Saran Das c/o Lala Gopal Das R/o 6/253, Barahputa Belanganj Agta.

(Transferor)

(2) S/Shri Devki Nandan s/o Gayasi Ram, Ram Swarup, Banwari Lal, Om Prakash, Kedar Nath and Suresh Chand sons of Devki Nandan R/o 6/250, Barahpur. Belanganj Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing No. 6/253, Barahpura, Belanganj. Agra, transferred for an apparent consideration of Rs. 1,50,000%.

L. N. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 26-7-78.

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSIT, COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanput, the 26th July 1978

Ref. No. Acq/35/Bhogaon/78-79.---Whereas, I, L. N. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhogaon on April, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Sushila Saxena widow Shri Krishna Chandra Saxena and Yogesh Kumar Saxena, Ashok Kumar Saxena sons of late Sri Krishna Chandra Saxena, R/o Nagla Bhawani, Bhogaon, Distt. Mainpuri.

(Transferor)

(2) S/Shri Bishun Dayal, Ram Saran, Ganga Ram and Jhamman Lal R/o Chaudhary Mohalla, Bhogaon, Distt. Mainpuri.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 8 acre 82 decimal situated at Bhagaon and Mahawatpur, Bhogaon, Distt. Mainpuri, transferred for an apparent consideration of Rs. 44,100/-.

L. N. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Kanpur

Date: 26-7-78.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 26th July 1978

Ref. No. Acq '47/Bharthana/78-79/2142.--Whereas, I. L. N. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bharthana on April, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Naresh Chandra soo Ram Swaroop Roo Sarsai Nagar, Parg. Bharthana Distt, Etawah.

(Transferor)

[PART III--SEC. I

(2) Radha Kishan s/o Kasi Ram, R/o Bhaupura, Vill. Deeg, P.O. Samthar, Durvidai Singh, Vijai Singh, Ram Prakash all sons of Mishri Lal and Nathuram s/o Muharmal Singh, Rachhpal Singh, Harpal Singh, Sripal Singh and Ramveer Singh sons of Bhagwat Dayal and Shri Lal s/o Sardar Singh, R/o Sariya, P.O. Sarsai, Parg. Bharthana, Distt. Etawah

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 11 acre 67 decimal situated at Bharthana Distt. Etawah, transferred for an apparent consideration of Rs. 40,000/-.

L. N. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 26-7-78.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 20th September 1978

Ref. No. Acq '32/G. Bad/78-79.—Whereas, J. B. C. CHA-TURVEDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCIFFICULE situated at AS PER SCHFDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 18-4 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act. in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the suid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Brajlal self and partner of M/s Everest Foundry & Elect Company, Ghaziabad R/o 86, Gupta Colony, G.T. Road, Ghaziabad, and M/s Everest Foundry & Elect Company, Mukand Nagar, Hapur Road, Ghaziabad, partners Brijlal, Surendra Kumar Sons of Brij Lal.

(Transferor)

(2) M/s Babu Ram Siri Chand Kabari. 151, Chandpuri, Sihanigate, Ghaziabad, Through Shri Harichand Gupta S/o Bāburam. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of Land & Building measuring 1162.5 sq. yds. bearing No. 142-B, Mukand Nagar, Hapur Road, Ghaziabad, transferred for an apparent consideration of Rs. 95,000/-.

B. C. CHATURVEDI.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 20-9-78.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 25th September 1978

Ref. No. Acq/25/Agra/78-79.—Whereas, I, B. C. CHA-TURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (1906) in the office of the Registering Officer at Agra on 27-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

- (1) Basdeo Lal and Ram Niranjan Lal, Sons of Anand Rai, R/o Barah Bhai Gali, Belanganj, Agra.

 (Transferors)
- (2) Smt. Vimla Devi W/o Prakash Chand, Smt. Urmila Devi W/o Satya Prakash, Smt. Geeta Devi W/o Subhash Chand, and Smt. Suman Gupta W/o Kali Charan, All R/o North Vijai Nagar Colony, Distt. Agra.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforceaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of Land & Building bearing No. 6/352, Kothi Kewal Sahai, Belanganj, Agra, transferred foan apparent consideration of Rs. 1,30,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 25-9-78

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Rai Saheb Vishwamitra, Rajendra Nath and Jagdish Prasad, Sops of Rai Saheb Janki Prasad, R/o 5, Sadar Bazar, Distt. Jhansi.

(Transferors)

(2) Smt. Harkati W/o Hariram Agrawal, R/o 4, Old Kotwali. Distt, Jhansi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 26th September 1978

Ref. No. Acq/33/Jhansi/78-79.—Whereas, I, B. C. CHA-TURVEDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jhansi on 15-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of Land & Building beauting No. 108 (Area 5321 sq. ft.) and No. 107 (Area 541 sq. ft.) situated at Old Pasrath, Distt. Jhansi, transferred for an apparent consideration of Rs. 50,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 26-9-78.

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 26th September 1978

Ref. No. Acg/37/Kanpur/78-79.—Whereas, I, B. C. CHA-TURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 4-4-1978

for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Ram Kishan Kasiwal S/o Late Shri Indra Raj Kasiwal, R/o 128/17-H-C Block, Kidwai Nagar, Kanpur,

('Transferor)

(2) Prem Chand Kasiwal, Chetan Lal Kasiwal, Rajendra Kumar Kasiwal and Purshottam Das Kasiwal Sons of Brikhbhan Kasiwal, and Smt. Rukmani Devi W/o Brikhbhan Kasiwal, All R/o 128/17-H-C Block. Kidwai Nagar, Distt. kanpur.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of Land & Building bearing No. 128/17-H-2 Block, Kidwai Nagar, Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 55,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Kanpur

Date: 26-9-78.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 26th September 1978

Ref. No. Acq. 60/Albarpur/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Akbarpur on 7-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

20—416G1/78

 Kundan Lal S/o Ballabh Prasad, R/o Bhuganiyapur, P.O. & Parg. Akbarpur, Distt. Kanpur.

(Transferor)

(2) Tulsiram S/o Dulare, R/o Milik Mohamadpur, P.O. & Parg. Akbarpur, Distt. Kanpur, and Ram Lal S/o Lokai, Sukhwasi, Pyore Lal and Hanuman Sons of Paramsukh, R/o Vill. Balbhadrapur, P.O. & Parg. Akbarpur, Distt. Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of agricultural land measuring 7 Bigha, 14 Biswa and 11 Biswansi, situated at Vill. Bhuganiapur, Parg. Akbarpur, Distt. Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 39,500/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 26-9-78.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th October 1978

Ref. No. ACQ/99/Firozabad/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SFHFDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Firozabad on 7-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the opparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Natho Devi w/o Late Badan Singh R/o Mohalla Ganj, Kasba Firozabad, Distt. Agra.

(Transferor)

(2) Janta Sahkari Grah Nirman Samiti Ltd. Firozabad, Distt. Agra, through Sri Hariom Prakash s/o Madan Lal R/o Bagh Chingamal, Firozabad, Distt. Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 13 bighas, I biswa and 19 biswansi, situated at vill. Sukhmalpur, Firozabad, Distt. Agra, transferred for an apparent consideration of Rs. 2,00,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 9-10-1978,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th November 1978

Ref. No. 50/Acq./Kpr./78-79.—Whereas, I, VIJAY BHARGAV,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kanpur on 4-4-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Shakuntla Bhashani, 51, Lodhi Estate, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Vikas Mohan Gupta, 3/242, Vishnupuri, Kanpur.

(Transferce)

(3) As in 2 above. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two storeyed building situated at 4/276-B, (1/2 portion), Old Kanpur transferred for an apparent consideration of Rs. 2,000/- as against fair market value of Rs. 2,30,000/-.

VIJAY BHARGAV,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 4-11-1978

 Shrimati Indira Sabnis W/o Late Dr. T. S. Sabnis, R/o 3/6, Vishnupuri, Kanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s U.P. Sales & Service Ltd., Latouche Road, Kanpur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th November 1978

Ref. No. 53/Acq./Kpr./78-79/4167.—Whereas, I, VIJAY BHARGAV.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kanpur on 7-4-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One storeyed bunglow having total plinth area about three hundred and fortythree Sq. mtr. situated at 3/5. Vishnupurl Kanpur transferred for an apparent consideration of Rs, 1,75,000/- as against Rs. 2,77,400/- fair market value.

VIJAY BHARGAV.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 4-11-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMP. TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th November 1978

Ref. No. 45/Acq./Kpr./78-79.—Whereas, I, VIJAY BHARGAV.

being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kanpur on 14-4-78

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Madan Lal Kapoor S/o Shri Hari Ram Kapoor, 117/560, Pandu Nagar, Kanpur.

(Transferor)

(2) S/Shri Kundan Lal Bhatia, Pooran Chand Bhatia, Subhash Chand Bhatia S/o Shri Bishanda, Bhatia; Smt. Sushma Bhatia W/o Shri Charan Das Bhatia, 120/397, Lajpat Nagar, Kanpur.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used here, in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land (Plot No. 381) and all around boundry wall situated at L Block, Kakadeo mensuring 721 Sq. Yds. transferred for an apparent consideration of Rs. 80,000/- as against Rs. 1,07,000/- fair market value.

VIJAY BHARGAV,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 4-11-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 21st November 1978

Ref. No. 116/D.Dun/78-79.—Whereas, I, VIJAY BHAR-GAV,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Dehradun on 18-4-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following namely:—

 Pritam Singh S/o S. Bhagwan Singh, R/o Prit Niwas, Sibhash Nagar, Majra Area, P.O. Clement Town, Dehradun.

(Transferor)

(2) S/Shri Jugul Kishore, Sohan Lal S/o Late R\u00e4m Rachpal, R/o Bhagat Niwas, Clement Town, Dehradun.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Constructed residential house situated at Subhash Nagar, Majra Area, P.O. Clement Town, Dehradun transferred for an apparent consideration of Rs. 65,000/- as against fair market value of Rs. 95,500/-.

VIJAY BHARGAV,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 21-11-1978.

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 24th November 1978

Ref. No. 189/Kanpur/78-79.—Whereas, I, VIJAY BHARGAV.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. AS PER SCHEDUI E situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 17-4-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. M/s E.M.C. Works, 2. Shri S. K. Malhotra, R/o 251, N.P.C. Lajpat Nagar, Kanpur.

(Transferors)

(2) Shri Bhim Sen Dhawan, R/o 120/457, Lajpat Nagar, Kanpur.

('Transferee)

(3) As in 2 above, (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land situated at Narainpurwa (Lajpat Nagar), Kanpur transferred for an apparent consideration of Rs. 61,000/- as against fair market value of Rs. 90.000/- as per report of the Valuation Officer, Kanpur.

VIJAY RHARGAV,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 24-11-1978,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 27th November 1978

Ref. No. 100/Acq./Ferozabad/78-79.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozabad on 12-4-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ganga Prasad S/o Shri Kakeram, R/o Vill. Lalau, Ferozabad, District Agra.

(Transferor)

(2) S/Shri Sohan Singh, Pratap Singh, Daya Ram S/o Shri Bhogi Lal, R/o Vill. Bhau Majra, Mauja Rahna, Ferozabad, Agra.

(Transferce)

(3) As in 1 above. (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Mauja Lalau, Ferozabad, District Agra transferred for an apparent consideration of Rs. 31,500/- as against the fair market value of Rs. 75,000, reported by the Valuation Officer. Agra. Date: 27-11-1978.

VIJAY BHARGAV,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Dated: 27-11-78

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 8th December 1978

Ref. No. 185/Acq./Ghzbd./78-79.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

number AS PFR SCHEDULF situated at ΔS PER SCHEDULF

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 29-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
21—416GI/78

 M/s Kumar Pharmaceutical Works (P) Itd., Kotla Road, Ferozabad

(Transferor)

(2) M/s Unichem Laboratories 1 d. C-32, Industrial Area, Meerut Road, Ghaziabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A factory equipped with machinery etc. transferred for an apparent consideration of Rs. 4,15,900/- as against fair market value of Rs. 5,29,000/-.

VIJAY BIJARGAV
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanput

Date: 8-12-1978,

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 8th December 1978

Ref. No. 270/Bulandshahar/78-79. -Whereas, I. VIJAY BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Inocme-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHE-DULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Bulandshahar on 13-4-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the saudact, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Iqbal Menhdi S/o Shri Bilayat Ali, R/o Aurangabad, Distt. Buland Shahar.

(Transferor)

- (2) S/Shri Chiranjee Singh, Amichand & Lal Singh, Hari Singh R/o Aurangabad, Distt, Buland Shahar. (Transferce)
- (3) Shri Iqbal Menhdi. (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Village Aurangabad, Distt. Buland Shahar transferred for an apparent consideration of Rs. 59,000/- as against fair market value of Rs. 75,000/-.

VIJAY BHARGAV.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 8-12-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 13th December 1978

Ref. No. 65/Acq. /Atrauli/78-79/4553.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

number AS PER SCHEDULE situate dat AS PER SCHEDULLE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Atrauli, Aligarh on 25-4-78

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Champa Ram S/o Shri Salig & others, R/o Vill. Nagla Girdharpur, Majra Naah, P.O. Khas, Atrauli, Distt, Aligarh.

(Transferor)

(2) Shri Kundan Singh S/o Himachal Singh, Shri Khusi Ram S/o Shri Birbal Singh, R/o Naglia, Majra Sinhani Faridpur, Atrauli, Distt. Aligarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

कृषि भूमि स्थित मौजा नाह अतरौली जिला अलीगढ़ 44116 में बेंची गई जिमका कि उचित बाजारी मूल्य 74000 है

B. C. CHATURVEDI.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Diric: 13-12-1978.

FORM ITNS.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 14th September 1978

Acq. File Ref. No. 788.—Whereas, I. N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 301 (cinema hall) situated at Mangalagri (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on 19-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) (1) Venigalla Shanmukha Rao (2) V. Venkata Rao (3) V. Girikishore—M/G Father Srt V. Shanmukha Rao, Yarn Merchants. Mangalagiri.

(Transferor)

(2) Vootla Jaganmoban Rao, c/o Gopalakrish : Talkies Mangalagiri.

(Transferee)

*(3) Udata Veera Swamy, Mangalagiri. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1326/78 registered before the Sub-Registrar, Guntur, during the F.N. ended on 30-4-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 14-9-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 14th September 1978

Acq. File Ref. No. 789,---Whereas, I, N. K. NAGARA-JAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 391 (cinema hall) situated at Mangalagui (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on 12-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the tansferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) (1) Venigalla Shanmukha Rao, (2) V. Venkata Rao (3) V. Girikishore—M/G. Father Sri V. Shanmukha Rao, Yarn Merchants, Mangalagiri.

(Transferor)

 Goli Punnarao, s/o Subbarao, c/o Gopala Krishna Talkies, Mangalagiri.

(Transferee)

(3) Udata Veera Swamy, Mangalagiri.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1256/78 registered before the Sub-Registrar, Guntur, during th F.N. ended on 15-4-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 14-9-1978.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 13th October 1978

Ref. No. Acq. File No. 810.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 31-33-33 situated at Vizag

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at vizag on 19-4-78 (or an apparent

consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) (1) Bandaru Audinarayana, (2) B. Thyamma, 14-33-48, Maharanipeta, Vizag.

(Transferor)

(2) Sri Gundu Ramarao, (2) G. Lalithamani, 31-33-33, Assamgardens, Vizag-4.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per Registered Document No. 2198/78 registered before the Sub Registrar, Vishakapatnam during the fortnight ended on 30-4-78.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 13-10-1978

FORM ITNS----

(1) Shi P. S. Chinoy, S/o Sri S. D. Chinoy, No. 6, Shapur Bagh, Chappal Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 16th October 1978

Ref. No. Acq. F. No. 811.—Whereas, I, N. K. NAGA-RAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

TS No. 693/1 situated at Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 24-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of the said Instrument of transfer with the object of the said Instrument of transfer with the object of the said Instrument of transfer with the object of the said Instrument of transfer with the object of the said Instrument of transfer with the object of the said Instrument of transfer with the object of the said Instrument of transfer with the object of the said Instrument of transfer with the object of the said Instrument of the said Instrument of transfer with the object of the said Instrument of the said Instrument of the said Instrument of transfer with the object of the said Instrument of the said I

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth 'Γax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Majety Vital Rao, C/o Bharat Engineering Co., Convent Street, Vijayawada-1.

(Transferce)

Objectition, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1768/78 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada during the fortnight ended on 30-4-78.

N. K. NAGARAJAN.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 16-10-1978,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 16th October 1978

Acq. File Rcf, No. 812.—Whereas, I, N. K. NAGA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-ax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

RS No. 1450/1 & 1111 situated at Karuparthy (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ammanabrolu on 26-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Gollapudi Sivaram, s/o Krishnaswamy, 2, G. Sreenivasa Murthy, 3, G. Kameswar, 4, G. Krishnavenamma, Santhapeta, Ongole.

(Transferor)

(2) (1) Munna Krishna Murthy, s/o Moorty Reddy, (2) M. Venkateswaramma Peddaganjam, Chuala Tq.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 158,78 registered before hie Sub-Registrar, Ammanabrolu, during the F.N. ended on 30-4-1978,

N. K. NAGARAIAN, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kakinada.

Date: 16-10-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 16th October 1978

Acq. File Ref. No. 813.—Whereas, I, N. K. NAGA-RAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

RS No. 1450/1 & 1111 situated at Kunaparthy

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ammanabrolu on 26-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely:—
22—416GI/78

(1) 1. Gollapudi Sivaram, s/o Krishnaswamy. 2. G. Steenivasa Murthy, 3. G. Kameswar, 4. G. Krishnavenamma, Senthaneta, Ongole.

(Transferor

(2) 1. Chimakurti Ramalaxumma, w/o Venkata Subbaraidu; Chirala. 2. Ch. Suseela, w/o Raghavarao, Pedaganjam, Chirala Tq. 3. Koduru Satyanarayana Swamy, s/o Subbarao, Pedaganjam, Chirala Tq.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 157/78 registered before the Sub-Registrar, Ammanabrolu, during the F.N. ended on 30-4-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range. Kakinada.

Date: 16-10-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 17th October 1978

Ref. No. Acq. F. No. 815. --Whereas, I, N. K. NAGA-RAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

RS No. 1450/1 and 1120/1 & 2 situated at Karuparty, Animanabrolu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ammanabrolu on 25-4-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Gollapudi Sivaram, S/o Krishnaswamy,
 - 2. G. Srinivasamurty,
 - 3. G. Kameswar,
 - 4. G. Krishnavenamma, Santhapeta, Ongole.

(Transferor)

(2) Mcduri Suresh, Minor by guardian father Sri M. Bapanaiah, Chartered Accountant, Chirala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 156/78 registered before the Sub-registrar, Ammanabrolu, during the fortnight ended on 30-4-78.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 17-10-78.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 17th October 1978

Ref. No. Acq. F. No. 816.—Whereas, I, N. K. NAGA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

RS No. 1450/1 situated at Karuparty, Ammanabrolu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ammanabrolu on 25-4-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

- (1) L. Goffaptali Savaram, S/o Krishnaswamy,
 - 2. G. Srinivasamurty,
 - 3. G. Kameswar,
 - 4. G. Krishnavenamma, Santhapeta, Ongole.

(Transferor)

(2) Meduri Raghunath, Minor by guardon father Sri M. Bapanaiah, Chartered Accountant, Chirala.

(Transleres)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document. No. 150/78 registered before the Sub-registrar, Ammanabrolu during the fortnight ended on 30-4-78.

> N. K. NAGARAJAN, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kakinada.

Date . 17-10-78.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 17th October 1978

Ref. No. Acq. F.No. 817.—Whereas I, N. K. Nagarajan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 183/3 situated at Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada in April, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought of be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Potluri Mohanamurty, S/o. Radhakrishnamurty,
 P. Vidyanandamurty,
 P. Jeevanamurty,
 - Minors by guardian/father Shri P. Mohanamuth, C/o. M/s. Moorthy & Sons, Eluru Road, Vijayawada-2.

(Transferee)

(2) M/s. India Photo Mounts, Retd. By its Managing partner Shri M. Baluswamy, Enikepadu, Vijayawada-5.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—If he terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1671/78 registered before the Sub-registrar, Vijayawada during the fortnight ended on 30-4-1978 including movables.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range.
Kakinada

Date: 17-10-78.

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 17th October 1978

Ref. No. Acq. F.No.818.—Whereas I, N. K. Nagarajan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 662/2 Asst. No. 1059

situated at Nandigama

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nandigama on 10-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shrimati Sunkara Laxmidevamma, W/o Seethayya, C/o. Sri Nandamuri Prusadarao, Penchikala Dinne, Huzurnagar tq., Nalgonda Distt.

(Transferor)

(2) Shri Tatineni Venkatasubbarao, Teacher, Z. P. (Transferce)

Girls High School, Nandigama.

(3) Shri G. Malleswararao, Nandigama.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Grantie.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 608/78 registered before the Sub-registrar, Nandigama during the fortnight ended on 15-4-1978.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kakinada

Date: 17-10-78.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 20th October 1978

Ref. No. Acq. F.No. 820.—Whereas I, N. K. Nagarajan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. RS No. 43

RS No. 43

situated at Pedapalla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Alamuru in April, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpoes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

 Shrimati Gadicherla Sithadevi, W/o. Ramarao, Pedapalla, Alamuru Tq.

(Transferor)

(2) Shrimati Reddi Mangayamna, W/o. Venkata Satyanarayana, Gummileru, Alamuru Tq.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 432/78 registered before the Sub-registrar, Alamuru during the fortnight ended on 30-4-1978.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kakinada.

Dated: 20-10-1978

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(1) Shii Madduii Ramachandrarao, S.o. Venkateswarlu, C.o. K. Sitharamaswamy, Pedapalla P.O., Alamuru Tq.

(Transferor)

(2) Shri Jasti Veeravenkata Satyanarayana Chowdary, S/o. Veerraju, Pedapalla, Alamuru Tq.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGF, KAKINADA

Kakinada, the 20th October 1978

Ref. No. Acq. File No. 821—Whereas, I, N. K. NAGAKAIAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

RS No. 36/1 & 34

situated at Pinapalla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alamuru in April, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 431/78 registered before the Sub-registrar, Alamuru during the fortnight ended on 30-4-1978.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kakinada.

Dated: 20-10-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 20th October 1978

Ref. No. Acq. File No. 822-Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

RS No. 32/2 to 7

situated at Pinapalla.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alamuru in April, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Shri Madduri Ramachandrarao, S/o. Venkates-warlu, C/o. K. Sitharamaswamy, Pedapalla P.O.. Alamuru Tq.

(Transferor)

(2) Shrimati Ganni Suryalaxmi, W/o. Naravanarao. Pedapalla, Alamuru Tq.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 430/78 registered before the Sub-registrar, Alamuru during the fortnight ended on 30-4-1978.

N. K. NAGARAJAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kakinada.

Dated; 20-10-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 20th October 1978

Ref. No. Acq. File No. 823—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/and bearing

RS No. 43 & 44/2 situated at Pedapalla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Alamuru in April, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability fo the transferor to pay tax under the said Λct, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

23-416GI/78

 Shrimati Gadicherla Scethadevi, W/o. Ramarao, Pedapalla, Alamuru Tq.

(Transferor)

(2) Shrimati Marni Sarojini, W/o. Ramachandrarao, Gummileru, Alamuru Tq.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesnid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 433/78 registered before the Sub-registrar, Alamuru during the fortnight ended on 30-4-1978.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range,
Kakinada.

Dated: 20-10-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE KAKINADA

Kakinada, the 28th October 1978

Ref. No. Acq. File No. 824—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 5-25-16

situated at Brodiepeta Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on 19-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Yadavalli Rajeswari, w/o f.ate Abadhaiah, Sambasivapet 2,nd 1 ine, Guntur.

(Transferor)

(2) Shri Ramineni Gopichand, s/o. Ankamma, c/o. R. Ankamma & Co., Station Road, Guntur.

(Transferee)

(3) (1) Laxmi Mahila Co-operative Society Ltd., (2) Shanti Cut Pieces, Guntur.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1313/78 registered before the Sub-Registrar, Guntur, during the F.N. ended on 30-4-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range.
Kakinada.

Date: 28-10-1978

PART III-Sec. 1)

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE KAKINADA

Kakinada, the 8th November 1978

Ref. No. Acq. File No. 825—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 1/TS 76

situated at Vizag

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Visakhaoatnam on 6-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to the disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ambati Ramakrishna Reddy, s/o. Venkata Subbarao, Voolapalli Village, East Godavari Distt.

(Transferor)

(2) (1) Shri Mathuraprasad Rathi, s/o. Karnidan Rathi, (2) Om Prakash Rathi, s/o. Gokulchand Rathi, Purulia, Purulia Dist., West Bengal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that 'Chapter,

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1833/78 registered before the Sub-Registrar, Visakhapatnam during the F.N. ended on 15-4-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kakinada.

Date: 8-11-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ΚΛΚΙΝΑDΛ

Kakinada, the 8th November 1978

Ref. No. Acq. File No. 826—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

TS No. 361/12

situated at Bobbili

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bobbili on 26-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Damera Venugopala Venkateswara Rao (2) Rao Suryaprakasa Rao, Alazangi Village, Bobbili Tq. (Transferor)
- (2) Shri Gembali Suryanarayana, Bazar Street, Bobbili.
 (Transferee)
- (3) Venkateswara Wine shop, Bobbili.

 (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1584/78 registered before the Sub-Registrar, Bobbili, during the F.N. ended on 30-4-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range.
Kakinada.

Date: 8-11-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ΚΑΚΙΝΑDΛ

Kakinada, the 8th November 1978

Ref. No. Acg. File No. 827—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Block No. 6

situated at Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Vijayawada in April 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) (1) Chavvakula Ranganayakamma (2) Smt. Munagala Sarojini Devi (3) Ninemakarula Seshumamba (4) Ch. Chamundeswari, Datlavari St., Gandhinagar, Kakinada. (5) Smt. Sidhabathuni Nagaraja Kumari, w/o. Krishna Murthy, 3/B/6, Goodworth Society, Chembur, Bombay-7.

(Transferor)

(2) Smt. Pondugala Vijayakumari, w/o. Dr. Venkateswara Rao, Ramachandrarao Road, Suryaraopet, Vijayawada.

(Transferce)

(3) Shri Nagabhushanam, Opp: Benz Co., Vijaya-wada.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1660/78 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, during the F.N. ended on 30-4-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kakinada.

Date: 8-11-1978

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 8th November 1978

Ref. No. Acq. File No. 828--Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the said Act)

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 11-63-26

situated at Vijayawada

(and more fully described in the

schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Vijayawada on 21-4-1978

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Veledandla Kanakalaxmig w/o. Sundara Rajarao, Cherukupallivari St., Governorpet, Vijayawada-2.

(Transferor)

- (2) 1. Rompicherla Janikamma, w/o Dr. R. Laxmina-rasimhacharyulu.
 - 2. R. Vasudevacharyulu, M/G. Father Dr. R. L. N. Acharyulu, Vedapallivari St., Vijayawada-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1729/78 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada during the F.N. ended on 30-4-1878.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kakinada.

Date: 8-11-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGF. KAKINADA

Kakinada, the 8th November 1978

Ref. No. Acq. File No. 829—Whereas, I. N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. 27-6-126

situated at Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Víjayawada in April, 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Muttavaram Muralikrishna, s. o. Venkateswara Rao, Suryaraopeta, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Shrimati Posam Kotiratnam, w/o. Ramarao, Banka Ramarao St., Chittinagar, Vijayawada.

(Transferee)

(3) (1) United Flectronics (2) Jag Mohan Singh (3) Rajkumar Hem Dev (4) Beharilal, Governorpet, Vijayawada.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document Nos. 1837/78 and 1838/78 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, during the F.N. ended on 30-4-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range.
Kakinada.

Date: 8-11-1978

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 8th November 1978

Ref. No. Acq. File No. 830—Whereas, J, N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinaftr referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 16-1-58

situated at Vizianagaram

(and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizianagaram on 29-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sanchaylal Anchalia, s/o. Jamvarlal Anchalia, Pedda Veedhi, Vizianagaram.

(Transferor)

- (2) Shrimati Parvathi Devi Anchalia, w.o. Sanchaylal Anchalia, Santapeta, Pedda Veedhi, Vizianagaram. (Transferee)
- (3) M/s. Sadhana Textiles, Vizianagaram.
 (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1936/78 registered before the Sub-Registrar, Vizianagaram, during the F.N. ended on 30-4-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kakinada.

Date: 8-11-1978

FORM I.T.N.S.-

 Shri Veeramreddy China Sathiraju, s/o. Vasantaraidu, Atchampeta, Kakinada Tq.

(Transferor)

 Shri Mantena Sitaramaraju, s/o, Ramaraju, Thimmapuram, Kakinada Tq.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 8th November 1978

Ref. No. Acq. File No. 831—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

RS No. 175/1

situated at Thimmapuram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kakinada on 24-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property; within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1672/78 registered before the Sub-Registrar, Kakinada, during the F.N. ended on 30-4-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kakinada.

Date: 8-11-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,

KAKINADA

Kakinada, the 8th November 1978

Ref. No. Acq. File No. 832—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. 175/1

situated at Thimmapuram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kakinada on 24-4-1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Jucome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Veeramreddy China Sathiraju, s/o. Vasantaraidu, Atchampeta, Kakinada Tq.

(Transferor)

(2) Shir Mantena Venkata Subbaraju, s/o. Sitaramaraju, Thimmapuram, Kukinada Tq.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1673/78 registered before the Sub-Registrar, Kakinada, during the F.N. ended on 30-4-1978.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kakinada.

Date: 8-11-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 8th Nov. 1978

Acq. File No. 834--Whereas, I, N. K. No. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 11-62-90 & 91

situated at Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada in April 1978

for an apparent consideration which is less the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Shri Kanigicharla Durga Sankararao
 - (2) K. Durga Ramarao
 - (3) K. Bala Durga Rao
 - Durga Sambasiya Suryanarayana Murty (5) Durga Sambasiva - Varaprasad Mrutyunjaya Rao.

 - (6) K. Durga Sambasiva Venkata Krishna Murty (7) K. Durga Narayana Rao M/G Brother K. Durga Ramarao, Iron Centre, Main Road, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Shri Morisetty Venkateswara Rao (2) Bellamkonda Venkata Subbarao, Canal Road, Vijayawada-1.

(Transferee)

(3) M/s. Konda Laxminarusimha Rao & Co., Canal Road, Vijayawada-1.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1722/78 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, during the F.N. ended on 30-4-1978.

N. K. NAGARAJAN

Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range. Kakinada

Date: 8-11-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 30th November 1978

Ref. No. AR-I/3045-4/May-78.—Whereas I. V. S. SHESHADRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

C.S. No. 1417 of Fort Division

situated at East side of the Marine Lines.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 17-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) M/s. Jolly & Maker Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Jolly Bhavan No. 1 Commercial Premises Co-op. Soc. Ltd.

(Transferee)

(3) LIST OF PERSONS IN OCCUPATION OF THE PROPERTY

Sl. No.	Name of the member	Name of the occupier
1	2	3
1. M 2. M	M/s. K.V. Kamath & Co. Mrs. Kirtida R. Thakkar	Syndicate Bank Indo Textile & Fabrics Ltd.
3. 1	Or. S.E Shroff	Dr. S.E. Shroff

1	2	3
4. N 5. N		M/s. Photo Cinc Stores Trident Travels & Tours Pvt. Ltd.
7. M 8. M	Ir. Baba Bhai Nanavati Irs. Laxmi Rajga _r hia I/s. Novelty General Stores Ir. Arjundas Devidas	Quality Leather Crafts Sanjoev Trading Co. Ltd. Novelty General Stores. Jagdish Cold Drink & Tea
10. N	Ars. Subadra Mudgal .	House. 1. S.S. Kejriwal, 2. Investors India Ltd. 3. Gold Silver Arts Pvt. Ltd. 4. Nilesh Agencies
	G. B.K. Klasso	 Leathern Bengal Processing Mills Pvt. Ltd. Geo Industrics Insecticides Pvt. Ltd.
12. I	Mr. R.K. Khanna M/s. Khanna Wool Spinners Pvt. Ltd.	Naraindas Rajaram Bankers.
		 Raj Overseas Corpn. M/s. Khanna Wool Spinners Pvt. Ltd. R. M. Combines Motion Pictures.
14.	Mr. Savaldas Madhavdas . M/s. Asiatic Agencies Corpn.	Mr. Savaldas Madhavdas M/s. Asianc Agencies
15. 16.	M/s, Mahendra Girish Gala Mr. K.D. Gupta	1. K.D. Gupta 2. Vimat Publications
	Mrs. H.M. Doshi & Jagdish Amritlal	 Neerita Textiles Jagdish Amritlal M.J. Enterprise
19.] 20.]	Mrs. Vasantika R. Desai . Mrs. Laxmi Rajgarhia . M/s. Crystal Fibres & Fabrics Ltd	Copico Centre Martan Wright & Co. Shree Cotton Co.
21. 22. 23. 24.	Mr. Sudeshpal Chander Mohan Gupta . Mr. G.N. Bhatia . Mr. Vinod S. Mehta . M/s. Associated Lab Requisites	
	Mrs. Kirtida R. Thakkar .	quisites Arco Chemicals. Shri Krishna Rajendra Mills Ltd. Paper Distributors Mysore Exports Ltd.
26.	M/s. Gujarath Pharmaccu- ticals & Chemical Works	 Sevenseas Industries Ltd. Seven Seas Industries Ltd. Jyoti Chemicals Corpn. The Gujarath Pharmaceuticals & Chemicals
	Mrs. Fehmida Fakruddin	Works. Salamax Export Interna- tional.
28.	M/s. Raj General Udyog Pvt. Ltd	1. Apex Trading Pyt. Ltd. 2. Apex Textile Mills
	Mrs. Munnidevi S. Gupta Mr. Devraj P. Ullal	1. Satish Gupta & Co. 2. Mr. M.D. Gupta & Dave 1. Trans Continental Tra-
31.	Mrs. B.A. Merchant Mrs. Rajkumari Kataruka	2. Picardo & Narkar Mrs. B.A. Merchant M/s. Kesoram Industries &
33. 34.	Mr. Jamndas R. Chatbar Mr. A.B. Lalwani Archana	Cotton Mills Ltd, Chatbar & Co. Computer Aids & Systems
35. 36.	Mr. Kirit Mehta M/s. Ajay Woolen Textiles Mills.	Help. Hasmukh P. Nandu & Co. Vinod Mehra Associates & Architects.
37.	Mr. Brijlal Mehra	 Ajay Woolen Textile Mills Vinod Woollen Industries Mehra Trading Corpn. Diamond Spinning Mills

	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·		
<u></u>	2	3	1
38.	Mrs. Chanchal Kapur .	The Parsuram Potteries Works Co. Ltd.	73.
39.	Mrs. Sushma Kapur	The Parsuram Potteries Works Co. Ltd.	74.
	Mr. Nandial Gopaldas . M/s. Usha Financier	Tiger Films Pvt. Ltd.	75.
	Mr. Ramchand Jagdish	Jiyajec Rao Cotton Mills	76.
43.	M/s. Hindustan Wire Prod-		77.
	ucts	1. Hindustan Wire Products Ltd. 2. Sun Distributers &	78.
		Mining Co. Ltd. 3. Mysore Petro Chemicals	79.
44	M/s. Bengal Paper Mills Co.	Ltd.	80. 81.
	Ltd.	M/s. Bengal Paper Mills Co. Ltd.	***
45.	M/s. Khemlani & Co	 M/s. Khemlani & Co. Usha Garments Manufacturing Co Pvt. Ltd. Shalimar International 	
46.	Mr. Shivprakash	1 3 4 (11.1	C
47.	Mr. S.N. Raheja	1. Raheja Exports Pvt. Ltd. 2. G. P. R. Associated Pvt. Ltd.	may
48.	M/s. Overseas Packaging Industries Pvt. Ltd.		
49.	M/s. Pramod Industries Corpn.	M/s. Pramod Industrial	
50.	Mr. F.A. Baker	Corpn. F.A. Baker & Associates	
51. 52.	Mr. Aspi P. Surty	Mr. Aspi P. Surty Toyoda Tsusho Kaisha Ltd. (Japan).	
53.	Mrs. R.S. Jhaveri & Co	 R.S. Jhaveri & Co. Dalal Engineering Ltd. 	
54.	Dr. V.S. Kelkar		
	. Mrs. Margret Verma	Textile Paper Tubes (Ireas) Mrs. A.G. Ayaz & Co.	
	Mr. Sachin Ranka	1. Rajasthan Spg. & Wvg. Mills Ltd. 2. Modern Woollen Mills 3. Synthetic Yarn Agencies	Ext
58	. Mr. Dhiren D. Mehta & Mrs. Shanta D. Shah.		
59	. M/s. Chandrakant & Bros		
60	Mrs. H.S. Bawa	4 4 1	
61	. Mrs. Pratima S. Morjaria .	2. Harvard Business Review 1. Militrade	
	. Mr. Omprakash Arora . Miss Gita L. Kaner .	 Unique Packaging Corpn, 1. M. Kaner 	
64	l. Mr. B.J. Jhangiani 5. M/s. Jainex Agencies Po	Rawii Amarsi	
0.	Lid	1. Jainex Agencies Pvt. Ltd. 2. Steel Tubes of India Pvt. Ltd.	;
		3. Dewas Tools Pvt. Ltd. 4. Industriano Pvt. Ltd.	Bo Bo
	5. Miss Farıda Oomrigar 7. Mr. Abdul Karim I Balwa	D.C. Oomrigar Pvt. Ltd.	
	Mr. Kishandas Kikani	1. Save Architect 2. H.M. Vakil 3. Amrit Patel	
69	Mrs. Falls Industries In Corpn.	4. Star Builders 1 . M/s. Falls Industrics In	
70		Corpn, Mr. Nandlal P. Badlani	
	I. Mr. R.D. Hattangadi &	N. Parmanand & Co. Mr. R.D. Hattangadi &	
7.	Mr. S.B. Shirsat 2. Mr. Rasikal M. Shah	. Mr. S.B. Shitsat . Bombay Wire Ropes Ltd.	Da
		M/s. Surjactant Chemicals.	Sea

1 2	3
73. Mr. Jaswantlal M. Shah .	Bombay Wire Ropes, Ltd. M/s. Surfactant Chemicals.
74. Mr. Guntwantlal M. Shah.	Bombay Wire Ropes Ltd. M/s. Surfactant Chemicals.
75. Mrs. Ishwari Girdharimal.	Prakasham International P&H Vaswani Pvt. Ltd.
76. M/s, Jaysingh Morarji	M/s. Jasinh Morarji & Co. H.M. Merchant.
77. M/s. Jayant Ramchand & Bhagirath	J. Ramchand & Co. Pvt. Ltd.
78. Mr. George Kurien	Mr. George Kurien
ging. 80. Mr. Rajendra Tibrewal 81. M/s. Associated Agencies	Vikas Trading Corpn.
Corpn.	W.E. Cox & Co. Recoveries (Asia) Ltd.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in Registered Deed No. 3496/72/Bom and Registered on 17-5-1975 with the Sub-Registrar, Bombay.

V. S. SHESHADRI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, I.A.C., Acqn. Range-I, Bombay

Date: 30-11-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, ΒΟΜΒΛΥ

Bombay, the 30th November 1978

Ref. No. AR-1/3052-11/May-78.—Whereas, 1, V. S. SHESHADRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.S. No. 1/407 of Malabar & situated at Cumballa Hill Divn. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 30-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Kalyanji Curramsey Damji, (2) Koonwarji Visanji, (3) Smt. Ramaben Kamlakant, (4) Shri Vithaldas Morarji Thakkar and (5) Shri Virasen Lalji Panjuani.

(Transferor)

- 1. Shri Chhotalal V. Somaiya (HUF),
 2. Shri Dhanvantraj K. Ajmera (HUF),
 3. Shri Shunilal H. Mehta (HUF),
 4. Shri Rajendra C. Mehta (HUF),
 5. Shri Mahendra Chunilal Mehta (HUF),

 - 6. Shri Bhupatrai Kantilal Ajmera (HUF Shri Dhansukhlal Jethalal Mehta (HUF),
 - Shri Hasmukhra R. Khombhadia.
 - 9. Smt. Shantaben Ramji Khombhadia, 10. Smt. Varshaben Jayant Khombhadia,

 - Meenakshi Harish Khombhadia, Tenants.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in Registered Deed No. 1488/77/BOM and registered on 30th May, 1978 with the Sub-Registrar, Bombay.

> V. S. SHESHADRI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 30-11-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 19th December 1978

Ref AR-1/3072-2/May-78.—Whereas, J, V. S. SHESHADRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),

(hereinafter referred to as the 'said Act').

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. No. 721 and 3/722 Malabar & Cumballa Hill Divn. situated at Peddar Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 5-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair maraket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Piroja Pestonji Panday, (2) Framroze Shapurji Sukhia, (3) Seylla Vachha, (4) Merwanji Ardeshir Chinoy and (5) Kurshed Ardeshir Patell. (Transferor)
- (2) Ajay Amar Co-operative Hsg. Soc. Ltd.

(Transferee)

- (3) Members of the Society

 - 1. Smt. Asha Harkishen Shah,
 2. Shri S. S. Tibrewal,
 3. Shri Shirish V. Shah & Dr. S. V. Shah,
 4. Smt. Manjula S. Zaveri,
 5. Shri S. B. Desai,
 6. Smt. S. S. Mirchandani,
 7. Smt. S. S. Mirchandani,

 - 7. Smt. Ratna V. Shetty, 8. Dr. R. H. Kalro, 9. Smt. K. G. Mclwani, 10. Shri R. S. Mehta, 11. Shri N. M. Popat,

 - 12. Shri Kumarpal R. Mody, 13. Shri Lallubhai G. Pazel,
 - 14.

 - Shri E. J. Bahrainwalla, Shri S. C. Shah, Smt. Vibhuti P. Sanghavi, 16.
 - Shri J. C. Mayani,
 - Smt. Draupadi Bharat,
 - 19. Shri K. K. Somani,

 - Shri K. K. Somani,
 Shri Kandarp R. Modi,
 Smt. Pushpa S. Talreja & Shri S. S. Talreja,
 Shri B. H. Shah & G. B. Shah,
 Shri J. H. Shah & P. H. Shah,
 Dr. P. K. Ganguly,
 Shri L. C. Gupta
 Shri M. D. Desai & R. D. Desai,
 Punjah National Bank,
 Kalpa Taru Exports.

 - 28. Kalpa Taru Exports.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schodule as mentioned in the Registered Dccd No. 390/76/Bom. and registered on 5-7-1978 with the Sub-Registrar, Bombay.

> V. S. SHESHADRI Competent Authority. Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I. Bombay

Date: 19-12-1978

the object of-

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 23rd December 1978

AR III/1643/78-79.—Whereas I, R. M. PANIWANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. T-1, Survey No. 111-D(pt), situated at Ambivili (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 13-6-78 under Doc. No. S/2246/77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Shah Construction Bombay Limited, Shah House, Dr. Annie Besant Rd, Worli, Bombay 400 018.

(Transferor)

(2) State Bank of India Staff 'Blue Heaven' Co-op. Houing Society Ltd., C/o J. B. Dias, State Bank of India, Bhandup Branch, Bombay 400 078.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land situate at village Ambivili in Registration District and Sub-District of Bombay City and Bombay Suburban bearing Plot No. T-1 admeasuring 1856.86 sq. yards i.e. 1560.10 sq. metres or thereabouts bearing Survey No. 111-D(part) of village and bounded as follows:—

On or towards the North by—20' wide road and beyond tax plot 'J';

On or towards the Last by—30' wide road leading to recreation ground;

On or towards the South by-Recreation Ground.

On or towards the West by-Plot No. T-2.

R. M. PANJWANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 23-12-1978